फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 328 प्रभात जयपुर, सोमवार 30 जून, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

His Death Shaped U.S.-Iran Relations for Decades

The July 1924 killing of Robert Imbrie fueled the rise of the Pahlavi dynasty and set the stage for both a CIA-backed 1953 coup and the 1979 Iran hostage crisis

Looking Towards the Sky

On June 30, International Asteroid Day has everyone looking towards the skies.

देश के सबसे पुराने स्पोर्ट्स क्लब के साथ इतना दुर्व्यवहार क्यों : यातनाएं ही यातनाएं

जयपुर के यूनियन फुटबाल ग्राउण्ड को लुटेरे ही लुटेरे क्यों मिले, रखवाले क्यों नहीं?

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 29 जून। रामनिवास बाग और जयपुर हैरिटेज को सुरक्षित रखने तथा देश के सबसे पुराने फुटबॉल क्लब को सुदृढ़ करने के बजाय अफसरशाही इसे उजाडने पर तुली है। क्योंकि रामनिवास बाग में वर्ष 1889 में बने यूनियन फुटबॉल क्लब से जो भूमि, जयपुर विकास प्राधिकरण ने भूमिगत पार्किंग विकसित करने के लिए ली थी, अब वहां उजड़ा हुआ खाली मैदान यूनियन क्लब को लौटाया जा रहा है। इसकी हालत ऐसी है कि ना तो खिलाड़ी फुटबॉल खेल सकते हैं और ना ही यहां कोई मैच आयोजित कराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि भूमिगत पार्किंग बनाने के प्रस्ताव से पहले भी जे.डी.ए. और राज्य सरकार ने फुटबॉल ग्राउंड से जमीन ली, ताकि वह न्यू गेट से अल्बर्ट हॉल की ओर आवाजाही के लिए अस्थायी सड़क मार्ग विकसित कर सके। जब तक कि रविन्द्र मंच के सामने से महाराजा सवाई मानसिंह की मूर्ति तक जा रही सड़क को विकसित कर लें। हालांकि यह मार्ग विकसित होने के बाद भी यह जमीन यूनियन फुटबॉल क्लब को नहीं लौटाई है।

ज्ञात रहे कि वर्ष 2019 में तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की अध्यक्षता में एक बैठक हुई, जिसमें जेडीए कमिश्नर और स्मार्ट सिटी सीईओ भी शामिल थे। इन्होंने जयपुर शहर के एम.आई. रोड तथा परकोटे के किशनपोल बाजार, चौड़ा रास्ता और जौहरी बाजार व इसके आसपास के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के वाहन पार्किंग का प्रस्ताव रामनिवास बाग के लिए तैयार किया। यहां मौजूदा 915 कारों की मौजूदा पार्किंग पूर्ण भराव क्षमता के साथ होने के कारण यूनियन फुटबॉल क्लब की जमीन के नीच नई भूमिगत पार्किंग विकसित करने की मंजूरी दी गई। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के इस फैसले के बाद जेडीए प्रशासन ने यूनियन फुटबॉल क्लब के सचिव को पत्र लिखकर उनसे फुटबॉल ग्रांउड की जमीन मांगी। साथ ही यह वादा भी किया कि ग्राउंड के नीचे भूमिगत पार्किंग विकसित किए जाने के बाद जे.डी.ए. प्रशासन यहां पर पुनः फुटबॉल ग्राउंड विकसित करके क्लब को सौंपेगा। जब तक भूमिगत पार्किंग का प्रोजेक्ट का कार्य चलेगा, तब तक रामनिवास बाग स्थित जयपुर क्रिकेट क्लब (जे.सी.सी.) ग्राउंड की जमीन ?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूनियन ग्राउण्ड के इस फोटो में देखा जा सकता है कि जेडीए ने अण्डर ग्राउण्ड पार्किंग से बाहर आने के लिए बनाये गये चार निकास द्वारों को ग्राउण्ड की जमीन में ही खोल दिया है, जिससे ग्राउण्ड का क्षेत्रफल कम हो गया है। फोटो में ये निकास द्वार ग्राउण्ड के बाईं तरफ की सीमा पर गुलाबी रंग के कमरे नुमा ढांचों के रूप में नज़र आ रहे हैं।

यूनियन क्लब ग्राउण्ड का पूर्वी गेट इस तस्वीर में देखा जा सकता है। गेट के सामने बनी सड़क यूनियन ग्राउण्ड को आवंटित भूमि पर बनी है। प्रशासन व राज्य सरकार ने यूनियन क्लब से तब तक के लिए उक्त भूमि पर अस्थाई सड़क के निर्माण के लिए अनुमति ली थी जब तक रविन्द्र मंच के सामने बन रही सड़क का कार्य पूरा नहीं हो जाता। परन्तु जिस भूमि पर अस्थाई सड़क बनी है उसे यूनियन क्लब को नहीं लौटाया गया। इसी सड़क से जुड़ी सी-सी रोड, जो सवाई मानसिंह जी की मूर्ति तक जाती है, वह भी यूनियन क्लब की जमीन पर बनी हुई है, जिसे भी यूनियन क्लब को नहीं लौटाया गया।

- **भूमिगत पार्किंग के चक्कर में, वर्ष 1889 में बने यूनियन फुटबॉल क्लब के ग्राउण्ड को भी उजाड़ा।**
- **राजधानी जयपुर के रामनिवास बाग स्थित फुटबॉल ग्राउण्ड के नीचे पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने बनाया था पार्किंग का प्रस्ताव।**
- **क्लब के सचिव का आरोप है कि जे.डी.ए. ने मनमुताबिक नक्शे बदले और पार्किंग के निकासी द्वारा भी क्लब की जमीन में बना डाले।**
- **फुटबॉल ग्राउण्ड की दशा इतनी उजड़ी हुई है कि यहां फुटबॉल खेलना तो दूर कोई अन्य सामान्य खेल भी नहीं खेला जा सकता है।**

प्रशासन ने यूनियन क्लब के ग्राउण्ड के अन्दर अण्डर ग्राउण्ड पार्किंग बनाने के प्रस्ताव में यह स्पष्ट लिखा था कि ग्राउण्ड को लौटाते समय वह उसे हरा भरा बना कर देंगे ओर ग्राउण्ड की जमीन पर कोई नया निर्माण नहीं होगा। परन्तु इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि ग्राउण्ड के दक्षिण की तरफ, जहां माधोसिंह द्वितीय के कार्यकाल के दौरान बने सिंचाई के टैंक और टीन का छज्जा है, वहीं पर जेडीए प्रशासन ने अण्डर ग्राउण्ड पार्किंग से जुड़ा एफ ''वैन्ट'' बनाया है। इस वैन्ट पर गुलाबी रंग का 10 गुणा 10 का कमरा नुमा ढांचा बनाया हुआ है और इसका एक काले रंग का गेट है।

कर्नाटक में फिर चलने लगी नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा

विधायक ने दावा किया कि 2-3 माह में डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बन सकते हैं

बंगलूरू, 29 जून। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के अंदर एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को लेकर विधायक हुसैन का बड़ा बयान सामने आया है। उनका दावा है कि शिवकुमार को अगले दो से तीन महीनों में मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सकता है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में अटकलों का बाजार गर्म हो गया है।

- **दूसरी ओर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पुत्र यतीन्द्र ने नेतृत्व परिवर्तन की बातों को अफवाह करार दिया।**

कांग्रेस विधायक एचए इकबाल हुसैन शिवकुमार के करीबी माने जाते हैं, इसलिए उनके दावे को लेकर सियासत और तेज है। उन्होंने कहा कि जो नेता कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे थे, अब उन्हें उनका हक मिलना चाहिए। हुसैन ने कहा, "सबको पता है कि हमारी सरकार किसकी मेहनत से बनी। शिवकुमार की रणनीति और काम को कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता।

विधायक हुसैन का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब सहकारिता मंत्री केएन राजन्ना ने हाल ही में सितंबर के बाद बड़ी सियासी हलचल की बात कही थी। उनके इस बयान के बाद ही फिर से कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा तेज हो गई। हालांकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे यतीन्द्र ने इस तरह की बातों को अफवाह करार दिया है।

इकबाल हुसैन ने साफ कहा कि कांग्रेस में अंतिम फैसला हाईकमान ही करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि 2023 में सरकार बनाने का फैसला सोनिया गांधी, राहुल गांधी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र में तीन भाषा नीति लागू नहीं होगी

मुंबई, 29 जून। महाराष्ट्र सरकार की तीन भाषाओं को लागू करने की नीति रद्द हो गई है। राज्य सरकार को इस नीति की वजह से पिछले कुछ दिनों से शिक्षाविदों, राजनीतिक दलों और

- **बड़े विरोध के कारण महाराष्ट्र सरकार ने निर्णय बदला। तीन भाषा नीति में, राज्य के स्कूलों में हिन्दी को डिफॉल्ट तीसरी भाषा बनाने का फैसला हुआ था।**

नागरिक समाज समूहों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र सरकार की तरफ से पहले राज्य बोर्ड के स्कूलों में कक्षा 1 से हिंदी को डिफॉल्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रथ यात्रा में भगदड़ : पुरी में 3 की मौत, 50 घायल

रविवार सुबह 4 बजे श्रीगुंडिचा मंदिर के पास दर्शनार्थियों की भीड़ अनियंत्रित हो गई

भुवनेश्वर, 29 जून। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। रविवार सुबह करीब 4:30 बजे, जब भक्त श्रीगुंडिचा मंदिर के सामने भगवान के दर्शन करने के लिए भारी संख्या में जमा हुए, उस दौरान वहां काफी धक्का-मुक्की हुई, कुछ लोग जमीन पर गिर पड़े जिसके बाद भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 3 लोगों की मौत हो गई और करीब 50 अन्य घायल हो गए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना सुबह करीब 4 बजे के आसपास हुई है।जब सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर के पास एकत्र हुए थे। पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ एस स्वैन ने कहा कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, 6 लोगों की हालत गंभीर है।

- **पुरी की जगन्नाथ रथ यात्रा देश की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में से एक है। रथ यात्रा के दौरान भगवान को श्री मंदिर से बाहर श्रीगुंडिचा मंदिर ले जाया जाता है। इस यात्रा के दौरान यह हादसा हुआ।**
- **ओडिशा सरकार ने घटना की उच्च स्तरीय प्रशासनिक जाँच के आदेश दिये। कलक्टर, एसपी का ट्राँसफर किया व दो पुलिस अधिकारियों को निलम्बित किया।**

जिला कलेक्टर सिद्धार्थ ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच चल रही है।

घटना में घायल हुए लोगों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार इलाज कर रही है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे पर माफी मांगते हुए एक बयान जारी किया और घटना की प्रशासनिक जांच के आदेश दे दिए हैं। माझी ने भगदड़ में हुई मौतों पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए विकास आयुक्त की देखरेख में एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक जांच का गठन किया गया है। हादसे के बाद पुरी के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से पुरी से हटा दिया गया है। दो पुलिस अधिकारियों पुलिस उपायुक्त बिष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को भीड़ को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में विफल रहने के कारण निलंबित कर दिया गया।

राज्य सरकार ने भगदड़ में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

विपक्षी दल बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने भी भीड़ को नियंत्रित करने में सरकार की घोर विफलता के लिए भाजपा सरकार की कड़ी आलोचना की।

चार धाम यात्रा एक दिन के लिए स्थगित

देहरादून, 29 जून। उत्तराखंड में हो रही लगातार भारी वर्षा और भूस्खलन की आशंकाओं को देखते हुए तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए चारधाम यात्रा को एक दिन के लिए स्थगित किया गया है।

गढ़ वाल मंडल के आयुक्त विनय शंकर पांडेय ने रविवार को बताया कि वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

- **गढ़वाल मंडल आयुक्त के अनुसार, आगे की यात्रा का निर्णय मौसम व मार्गों की समीक्षा के बाद किया जायेगा।**

उन्होंने कहा कि यात्रियों की जानमाल की सुरक्षा के मद्देनज़र यह एहतियाती कदम उठाया गया है ताकि मार्गों पर फंसे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि संबंधित जिलों के प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है और राहत एवं बचाव दलों को सक्रिय किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति सोमवार को दो दिन के दौरे पर गोरखपुर पहुँचेगी

गोरखपुर, 29 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन और उनके दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मेजबानी में गोरखपुर इतिहास रचने को तैयार है। इन दो दिनों में राष्ट्रपति न केवल तीन बड़े संस्थानों केमहत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगी बल्कि गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद 129 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय करेंगी।

- **वे गोरखपुर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को पदक देंगी।**

राष्ट्रपति सोमवार (30 जून) को दोपहर में गोरखपुर आएंगी और अगले दिन मंगलवार (01 जुलाई) की शाम प्रस्थान करेंगी। वे यहां 30 घंटे रहेंगी और उनके सभी प्रस्तावित कार्यक्रम स्थलों तक सड़क मार्ग से ही जाने की तैयारी है। सोमवार को वे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर के प्रथम दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर मेधावियों को पदक प्रदान करेंगी और एक जुलाई को पूर्वाह्न राज्य के पहले महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जनगणना के पहले चरण में 1 अप्रेल 2026 से मकानों का सूचीकरण होगा

दूसरे चरण में 1 फरवरी 2027 से हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक जानकारी ली जायेगी

नई दिल्ली, 29 जून। भारत सरकार ने आगामी जनगणना 2026 के पहले चरण की तारीख तय कर दी है। रजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को पत्र लिखकर बताया कि हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन और हाउसिंग जनगणना 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगी।

दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण, मकान सूचीकरण काम, जिसे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन (एचएलओ) भी कहा जाता है, इसमें हर घर की स्थिति, सुविधाएं और संसाधनों की जानकारी ली जाती है। वहीं दूसरा चरण, जनसंख्या गणना का है, यह चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा। इसमें हर व्यक्ति की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक जानकारी ली जाएगी।

इस चरण में सरकार यह पता लगाएगी कि घर की दीवार, छत और फर्श किस सामग्री की बनी है। घर में कितने कमरे हैं, कितने लोग रहते हैं, घर में शादीशुदा जोड़े हैं या नहीं, क्या घर का मुखिया महिला है या वह अनुसूचित जाति/जनजाति से है।

- **जनगणना आयुक्त के अनुसार, इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से होगी। मोबाइल एप का उपयोग किया जायेगा।**

इस बार की जनगणना खास होगी क्योंकि यह पूरी तरह डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इसके लिए मोबाइल ऐप का इस्तेमाल होगा। साथ ही, लोगों को स्वयं से जानकारी देने की सुविधा भी दी जाएगी।

सरकार ने बताया कि जनगणना के लिए 34 लाख से अधिक पर्यवेक्षक और गणनाकार तैनात किए जाएंगे। वहीं 1.3 लाख से अधिक जनगणना अधिकारी काम में लगाए जाएंगे। यह भारत की 16वीं जनगणना तथा स्वतंत्रता के बाद 8वीं बार जनगणना होगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस बार जातिगत आंकड़े भी एकत्रित किए जाएंगे। यह फैसला लंबे समय से सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों की मांग पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जब तक भारत का राजकाज अपनी भाषा में नहीं चलेगा तब तक हम यह नहीं कह सकते कि देश में स्वराज है। –मोरारजी देसाई

वहां और यहां!

मेरे साथ प्राय: यह होता है कि जब भी किसी और जगह कुछ देखता हूं, तुलना करने लगता हूं। केवल तुलना नहीं, यह भी कि अगर अच्छा देखता हूं तो सोचता हूं कि मेरे यहां ऐसा कैसे मुमकिन हो सकता है, और अगर कुछ अच्छा नहीं लगता है तो सोचता हूं कि हमने क्या किया है कि हम वैसी स्थितियों से मुक्त हैं। पिछले दिनों एक संक्षिप्त आनंद यात्रा पर विदेश जाना हुआ तो फिर ऐसा ही हुआ। हम लोग लगभग दस दिनों के लिए दुनिया के दो बड़े और नामी शहरों लंदन और पेरिस की यात्रा पर गए थे। इन दो शहरों के बहाने दो देशों की भी यात्रा हो गई। खूब आनंद रहा। घूमे-फिर और परिवार का दुर्लभ संग-साथ मिला।

लौट कर जब सोशल मीडिया पर अपनी इस यात्रा की कुछ छवियां साझा की तो स्वभावत: बहुतों की प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त हुईं। मैंने जब कुछ महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों की तस्वीरें साझा कीं तो बहुतों ने लिखा कि हमारे अपने देश में तो इससे भी अच्छी बहुत सारी जगहें हैं। यह बात मैं ख़ुद अनगिनत बार लिख और कह चुका हूं। भारत का बहुत समृद्ध अतीत है और हमारे पास कला-संस्कृति-स्थापत्य सबकी अकूत संपदा है। बात यहां यह नहीं है कि उस देश का कोई स्थापत्य या कोई कला कृति उन्नीस है और हमारे पास जो है वह इक्कीस है। कोई तुलना न तो हो सकती है और न होनी चाहिए। हर कृति का, हर जगह का अपना वैशिष्ट्य होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए। टेम्स नदी की गंगा से तुलना की ही क्यों जाए? शेक्सपियर की कालिदास से तुलना का कोई औचित्य है ही नहीं। ब्रॉडवे और यक्षगान दोनों परस्पर अतुलनीय हैं। सबकी अपनी-अपनी अहमियत है। लेकिन जिस बात की तरफ़ बार-बार मेरा ध्यान जाता रहा है वह यह है कि हम अपनी संपदा को वैसे देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत नहीं कर सके हैं जैसे अन्य बहुत सारे देश कर सके हैं। दुनिया के बहुत सारे देशों के संग्रहालयों को देखकर मैंने महसूस किया है कि हमारे पास जो है उसे दुनिया के सामने लाने के लिए और अधिक प्रयत्न करने हैं। मुझे बहुत बार इस बात से बड़ा कष्ट होता है कि हम बाह्य दुनिया की चीज़ों के बारे में जितना जानते हैं उसका एक छोटा-सा अंश भर भी अपने देश की चीज़ों के बारे में नहीं जानते हैं। मुझे ग़लत न समझ लिया जाए, इसलिए यह बात साफ़ कर दूं कि बाह्य दुनिया की जिन चीज़ों के बारे में हम काफी कुछ जानते हैं वे महत्वहीन नहीं हैं। अगर हम आयफ़िल टॉवर के बारे में जानते हैं, मिश्र के पिरामिड्स के बारे में जानते हैं, बीट्ल्स के संगीत के बारे में जानते हैं, अमरीका के स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बारे में जानते हैं, रूस के स्टेट हरमिटेज संग्रहालय या पेरिस के लूव्रम्यूज़ियम के बारे में जानते हैं तो ये सब जानने योग्य हैं और इन्हें जानना बहुत अच्छी बात है। अगर इनमें से कुछ को देखने का हमें मौका मिलता है तो यह बहुत बड़ी बात है। ख़ुद मुझे लूव्र संग्रहालय में प्रवेश कर गर्व और आह्लाद की जो अनुभूति हुई, वह शब्दातीत है। लेकिन विचारणीय यह है कि हमने अपने संग्रहालयों या स्मारकों को वैसा बनाये रखने, दिखाने और आकर्षित करने वाला बनाने के लिए क्या प्रयास किए हैं? हममें से कितने लोग हैं जो देश के दस प्रसिद्ध और बड़े संग्रहालयों के नाम भी बता सकते हैं? ऐसा क्यों होता है कि जब हम अपने शहर या प्रांत से बाहर कहीं जाते हैं तो वहां के किसी संग्रहालय को देखना हमारी बकेट लिस्ट में प्राय: नहीं होता है! हममें से कितने हैं जिन्होंने अपने शहर के या उसके आस-पास के किसी संग्रहालय को ठीक से देखा है? जयपुर में एक बहुत समृद्ध संग्रहालय है – अल्बर्ट हॉल संग्रहालय। राज्य के बहुत सारे ज़िलों में भी राजकीय संग्रहालय हैं। लेकिन क्योंकि इनमें से ज़्यादातर सरकारी हैं, वे हमें आकर्षित नहीं करते हैं। एक रूखा-सूखा पन और उदासीनता उनका स्थायी भाव होता है। जो निजी संग्रहालय हैं उनकी स्थिति फिर भी थोड़ी बेहतर है। आप दुनिया के किसी बड़े संग्रहालय को देखें, उसकी व्यवस्थाओं को देखें, यह जानने का प्रयास करें कि लोग क्यों उसकी तरफ आकर्षित हो रहे हैं, यह देखें-समझें कि कैसे वे अपने यहां प्रदर्शित सामग्री को हाइलाइट करते हैं, उसकी खूबियों को प्रभावशाली तरीके से सामने लाते हैं,तो आपको अंतर समझ में आ जाएगा। मुझे बहुत बरस पहले का दुबई का एक अनुभव अनायास याद आ रहा है। दुबई के सन् 1787 में निर्मित अलफ़हिदी क़िले में स्थित सन् 1971 से बनवाया गया दुबई संग्रहालय वहां के प्रमुखतम आकर्षणों में से एक है। मैं जब इस सग्राहलय को देखने गया तो किसी स्कूल के कोई एक सौ बच्चे अपनी शिक्षिकाओं के साथ वहां घूम रहे थे। उन बच्चों की औसत आयु लगभग पांच वर्ष रही होगी। निश्चय ही वे बच्चे उस सग्रहालय को उस तरह नहीं देख रहे थे, जैसे मैं देख रहा था। लेकिन उन्हें वहां लाया जाना महत्वपूर्ण था। क्या हम ऐसा करते हैं? क्यों नहीं करते? और यह बात केवल संठाहालयों के बारे में नहीं है।

बार-बार घोषित किया जा रहा था कि क्रू के समय पर नहीं पहुंचने से प्रस्थान में विलंब हो रहा है। यह बहुत आश्चर्य की बात थी। आखिरकार काफी विलंब के बाद ट्रेन रवाना हुई और हम अपने गंतव्य पर पहुंचे गए। बाद में यहां घर लौटकर मुझे पता चला कि हमारे बच्चों ने इस विलंब की शिकायत की और उन्हें वहां की रेल की तरफ से बाकायदा एक बड़ी राशि रिफंड के रूप में मिली। क्या हम अपने देश में ऐसी किसी व्यवस्था की कल्पना भी कर सकते हैं? ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए?

दूसरी जिस बात की तरफ़ मेरा ध्यान गया वह यह कि इन दोनों शहरों में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और विकास पर खूब ध्यान दिया गया है। इन दोनों ही शहरों की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बहुत सुदृढ़ और समृद्ध है। हमने तमाम सुविधाओं का भरपूर उपयोग किया। नगर बस सेवा और मेट्रो रेल सेवा दोनों ही का जाल पूरे शहर में बिछा हुआ है और आप बिना अधिक प्रतीक्षा के कहीं से भी कहीं जा सकते हैं। ये सुविधाएं इतनी अधिक व्यापक और सुव्यवस्थित हैं कि लोगों को अपने वाहन या भारत की तरह किराये की टैक्सी (उबर ओला वगैरह) सेवाओं की तरफ देखने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती है। पेरिस में भूमिगत मेट्रो का जैसे जाल ही बिछा हुआ है। अगर इन देशों की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था से हम अपने देश की तुलना करें तो मन खिन्न हो जाता है। हमने शायद इस तरफ ध्यान देना ज़रूरी ही नहीं समझा है कि हमारे नागरिकों को ऐसी किसी सुविधा की ज़रूरत भी है। हमारे शहरों पर लोगों और वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। ट्रैफ़िक जाम अपवाद न रहकर आम हो गए हैं, पार्किंग की समस्या विकराल होती जा रही है लेकिन हमारे यहां इन समस्याओं को सुलझाने के लिए कोई गम्भीर प्रयास नज़र नहीं आते। कृपया यह न कहें कि हमारे पास साधनों का अभाव है। साधन हैं तो उन्हें वहां खपाया जाता है जहां उनकी बहुत कम ज़रूरत होती है। साधनों की बरबादी का एक छोटा-सा नमूना आए दिन अख़बारों में छपने वाले वे सरकारी विज्ञापन हैं जिनका एकमात्र उद्देश्य नेताओं की छवियों को हमारे मनों पर स्थायी बनाना है।कभी सोचकर देखें, इन पर कितना धन खर्च होता है। क्या इस धन का कोई और बेहतर उपयोग नहीं हो सकता, जो हमारी सुविधाओं का विस्तार करे!

मुझे बहुत बड़ी गड़बड़ हमारे शासन तंत्र के सोच में भी लगती है। एक उदाहरण से अपनी बात स्पष्ट करता हूं। इन दिनों पढ़ने को मिल रहा है कि कर्नाटक सरकार ने लगभग एक सप्ताह पहले बेंगलुरु शहर में बाइक टैक्सी सेवाओं पर रोक लगा दी है। इस रोक की वजह से वहां यातायात की समस्या जो पहले ही विकराल थी, अब और ज़्यादा विकट हो गई है। ऑटो और टैक्सी वाले मनमाना किराया वसूल कर रहे हैं और सड़कें दो पहिया वाहनों की जगह चार पहिया वाहनों के बोझ तले कराह रही हैं। इस सरकारी हुक्म की वजह से दिन के सामान्य घण्टों में वहां ट्रैफ़िक की भीड़ 18 से 22 प्रतिशत तक बढ़ गई है। न केवल विद्यार्थियों और कम खर्च में अपने कार्य स्थल तक पहुंचने वाले कार्मिकों की ज़िंदगी दूभर हो गई है, लगभग छह लाख बाइक चालकों के सामने रोज़ी-रोटी का संकट भी पैदा हो गया है। आप कोई व्यवस्था कर नहीं रहे और जो व्यवस्था चल रही है, उसे चलने नहीं देंगे। कैसी अजीब और मूर्खता की बात है। लेकिन है। अगर बाइक टैक्सी चालन में कुछ अनियमितताएं थीं तो उन्हें दूर करते।

एक और बात। हमें रेल से लंदन से पेरिस जाना था। टिकट वगैरह सब ले लिए थे। क्योंकि एक से दूसरे देश में जाना था इसलिए अन्य औपचारिकताएं भी पूरी हो गई थीं। लेकिन ट्रेन समय पर रवाना नहीं हुई। बार-बार घोषित किया जा रहा था कि क्रू के समय पर नहीं पहुंचने से प्रस्थान में विलंब हो रहा है। यह बहुत आश्चर्य की बात थी। आखिरकार काफी विलंब के बाद ट्रेन रवाना हुई और हम अपने गंतव्य पर पहुंचे गए। बाद में यहां घर लौटकर मुझे पता चला कि हमारे बच्चों ने इस विलंब की शिकायत की और उन्हें वहां की रेल की तरफ से बाकायदा एक बड़ी राशि रिफंड के रूप में मिली। क्या हम अपने देश में ऐसी किसी व्यवस्था की कल्पना भी कर सकते हैं? ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं होनी चाहिए?

इतना पर्याप्त नहीं है कि हम अपनी व्यवस्थाओं पर गर्व करते रहें और जैसा है वैसा चलता रहने दें। उसे बेहतर बनाने के प्रयास निरंतर करते रहने से और दूसरों को देखकर कुछ सीखने से ही बात बनेगी। फिलहाल इतना ही।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

सत्ता नहीं, सेवा का पखवाड़ा : पं. दीनदयाल से प्रेरित राजस्थान मॉडल

मदन राठौड़

राजस्थान की रेत में अब सिर्फ धोरों की लहर नहीं, बल्कि विकास की नई चेतना लहराती है। यह चेतना किसी चुनावी नारे का परिणाम नहीं, बल्कि उस विचारधारा की प्रतिध्वनि है जिसे पं. दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के रूप में परिभाषित किया था-समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति के उत्थान का दर्शन। इसी दर्शन को राजस्थान की धरती पर सबसे पहले साकार करने का श्रेय जाता है राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत जी को, जिन्होंने वर्ष 1977-78 में "अंत्योदय योजना" की शुरुआत की। उन्होंने प्रत्येक ग्राम पंचायत से सबसे गरीब पांच परिवारों को चिन्हित कर उन्हें आर्थिक, सामाजिक और स्वरोजगार के संसाधनों से जोड़ने का जो प्रयास किया, वह अंत्योदय को प्रशासनिक रूप देने वाला ऐतिहासिक कदम था। आज उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की भाजपा सरकार "पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा" का आयोजन कर रही है, तो यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सामाजिक पुनर्जागरण का उद्घोष है। यह पखवाड़ा समाज के उन वर्गों तक पहुंचने का प्रयास है, जिन्हें दशकों तक शासन की परिधि से बाहर रखा गया, जिनके नाम पर घोषणाएं तो हुईं लेकिन परिणाम धरातल पर नहीं उतरे।

24 जून से 9 जुलाई 2025 तक आयोजित इस पखवाड़े में राजस्थान सरकार खुद जनता के द्वार पर है-न फाइलों में उलझन, न दफ्तरों के चक्कर। प्रत्येक पंचायत में लगाए जा रहे सेवा शिविर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास का लाभ केवल कागज़ों में नहीं, बल्कि हाथों में नजर आए। भूमि सीमांकन, नामांतरण, रास्तों के प्रकरण, स्वामित्व पट्टे, जल कनेक्शन, बिजली के खंभों की मरम्मत, स्वास्थ्य कार्ड वितरण, खाद्य सुरक्षा के लंबित मामलों का निस्तारण, मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, मृदा परीक्षण, पौध वितरण, पशुओं का टीकाकरण और बीमा-ये सब काम तेज़ी से, लोगों के द्वार पर किए जा रहे हैं। भाजपा सरकार का दृष्टिकोण योजनाओं के प्रचार तक सीमित नहीं, बल्कि उनके प्रभावशाली और समयबद्ध क्रियान्वयन पर आधारित है। यह सरकार योजनाओं को सिर्फ पोस्टरों तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उन तक ले जाती है जिन्हें सबसे ज़्यादा आवश्यकता है।

यही कारण है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की प्रशासनिक मशीनरी आज गांव-गांव में सक्रिय है, और प्रत्येक परिवार को राज्य की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। आज यह नया राजस्थान केवल राजधानी या जिला मुख्यालयों तक नहीं, बल्कि ग्राम पंचायत स्तर पर भी बदलाव की मिसाल पेश कर रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर राज्य में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना लागू की गई है, जो प्रत्येक परिवार को गंभीर बीमारियों के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। साथ ही गरीब, श्रमिक और जरूरतमंद वर्ग के लिए गरिमापूर्ण भोजन की व्यवस्था श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के माध्यम से की गई है, जो मात्र कुछ रुपये में पौष्टिक और गरम भोजन सुलभ कराती है। सरकार की मंशा सिर्फ सहायता नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीवन देने की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का मंत्र राजस्थान सरकार की प्रेरणा है, लेकिन राजस्थान ने इसे केवल नारा नहीं, जमीनी क्रांति का आधार बनाया है। केन्द्र सरकार की दिशा और सोच राज्य की कार्यक्षमता को मजबूती देती है, पर असली अंतर पैदा करती है राज्य सरकार की इच्छाशक्ति, कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक संवेदनशीलता। यह तथ्य आज स्पष्ट है कि भाजपा सरकार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय सिद्धांत को व्यवहार में उतारा है। वर्षों तक गरीबों के नाम पर राजनीति हुई, लेकिन गरीबी वहीं की वहीं रही। आज जब सरकार पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है, तो यह स्पष्ट है कि शासन की नीयत बदली है और दृष्टि भी।

भाजपा का वैचारिक आधार "राष्ट्र प्रथम, व्यक्ति अंतिम" अंत्योदय और एकात्म मानववाद से प्रेरित होकर समावेशी विकास की संकल्पना को मूर्त रूप देता है। यही कारण है कि राजस्थान सरकार ने सरकारी तंत्र को केवल बजट खर्च करने की मशीन नहीं, बल्कि जनसेवा का जीवंत माध्यम बना दिया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस पखवाड़े के उद्घाटन अवसर पर कहा था कि हमारा संकल्प है कि राजस्थान का हर गांव और हर परिवार समृद्ध और आत्मनिर्भर बने। यह संकल्प अब केवल घोषणा नहीं, बल्कि धरातल पर उतरी हुई नीति बन चुकी है। जब सरकार की मंशा ईमानदार हो, दृष्टि स्पष्ट हो और कार्यप्रणाली पारदर्शी हो, तब प्रशासन केवल आदेशों का क्रियान्वयनकर्ता नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम बन जाता है। यही राजस्थान की नई पहचान है-एक ऐसा राज्य जो अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर आधुनिकता और समावेशी विकास की ओर दृढ़ता से अग्रसर है।

यह पखवाड़ा केवल योजनाओं का मेल नहीं, यह सामाजिक न्याय, गरिमा और आत्मनिर्भरता की पुनर्परिभाषा है। यह अंत्योदय के उस विचार का क्रियान्वयन है, जो दशकों तक पुस्तकों और भाषणों तक सीमित रहा। अब वह विचार घर-घर तक पहुंच रहा है और यही है राजस्थान की असली ताकत, यही है भाजपा सरकार का असली चरित्र।

मदन राठौड़
प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

राजस्थान : कोचिंग तो 'उद्योग', स्कूल 'डमी', बातें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान, एक ऐसा राज्य जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, रंग-बिरंगे परिदृश्यों और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है, आज एक नए परिदृश्य में उलझा हुआ है-कोचिंग उद्योग का तेजी से बढ़ता विस्तार। कोटा, जो कभी उद्योग नगरी के रूप में पहचाना जाता था, अब देश का सबसे बड़ा कोचिंग हब बन चुका है। लेकिन यह कोचिंग संस्कृति अब केवल कोटा तक सीमित नहीं है; यह जयपुर, सीकर, जोधपुर, उदयपुर, भरतपुर और राज्य के छोटे-बड़े शहरों में भी फल-फूल रही है। कोचिंग 'उद्योग' ने शिक्षा के पावन कार्य के बजाय इसे एक व्यवसाय का दर्जा दे कर समाज को काफी मुसीबत में डाल दिया है। आज सरकार की भी प्राथमिकता में बदलाव आ गया है है। यह स्थिति न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रही है, बल्कि युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संरचना और शिक्षा प्रणाली की नींव को भी हिला रही है। आश्चर्यजनक बात है कि कोचिंग को सरकार स्वयं उद्योग मानकर केंद्र और राज्य सरकारें इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठा रही हैं। कोचिंग उद्योग की बढ़ती मांग और स्कूलों व सरकार की इन पर बढ़ती निर्भरता कई सवाल खड़े करती है। वह समय गुजरे बहुत अरसा नहीं हुआ है जब कोचिंग, ट्यूशन, पासबुक, कुंजी, वनवीक सीरीज से पढ़ना पढ़ाना पाप समझा जाता था, बाद में कानून अपराध घोषित हुआ और अब सरकारी छत्रछाया में यह सम्पूर्ण उद्योग बनकर फल-फूल रहा है।

तो क्या अरबों रूपये खर्च कर चलने वाले सरकारी गैर सरकारी स्कूल कालेज निकम्मे ओर नाकारा साबित हो चुके हैं, क्या इनमें पढ़ाने वाले शिक्षक अयोग्य हैं, क्या सरकार ने कोचिंग की बिमारी को जरूरी लाइसेंस दे दिया है। लगता तो यही है सरकार की सहमति से पनप रहा यह उद्योग सम्पूर्ण समाज में एक व्याधि की तरह व्याप्त हो गया है। स्लो पाइजनिंग का असर इतना गहरा है कि शिक्षक स्वयं बच्चों को कोचिंग के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, अभिभावकों को इस कि सहायता के बिना अपने बच्चों की वैतरणी पार होती नजर नहीं आ रही और बच्चे घुण की तरह पिस रहे हैं। जब यह उद्योग है तो जाहिर है यहां से निकलने वाला प्रोडेक्ट भी इसी ट्रेढ का मार्का है। इसका आशय यह नही है कि ये प्रतिभाशाली बच्चे उचित दिशा में नहीं जा रहे लेकिन सोचिए ये ही वे बच्चे जरूर बन गए हैं जो संवेदना के स्तर पर काफी कमजोर और बाजार के लिए एक उपयोगी माल के रूप में उपस्थित हैं। कोटा, जिसे 'कोचिंग कैपिटल' के रूप में जाना जाता है, हर साल 1.5 से 2 लाख छात्रों को आकर्षित करता है, जो मेडिकल (NEET) और इंजीनियरिंग (JEE) जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। इस शहर में बड़े कोचिंग संस्थान अपनी सफलता बाजे-गाजे बजा रहे हैं। कोचिंग संस्थानों के मालिकों के यहां पड़ने वाले इन्कमटैक्स विभाग के छापों और उनसे निकले समाचारों से आपको इनकी काली पीली या लाल जो भी है उस कमाई का अनुमान हो सकता है। एक कोचिंग संस्थान मालिक ने तो हजारों करोड़ में विदेशों में होटल खरीद डालें हैं। तो जाहिर है कोटा अब केवल एक शिक्षा केंद्र नहीं, बल्कि मानसिक दबाव और आत्महत्याओं का पर्याय बन गया है। 2023 में कोटा में 25 छात्रों ने आत्महत्या की, जो 2015 के बाद सबसे अधिक है, और 2025 में अब तक 7 मामले सामने आ चुके हैं। यह स्थिति कोटा शहर की छवि को धूमिल कर रही है। आपको पता है इस उद्योग का आर्थिक मूल्य लगभग 7,000 करोड़ रुपये वार्षिक का है। कोटा की अर्थव्यवस्था इस उद्योग पर निर्भर है, जिसमें 3,000 हॉस्टल, मेस, और अन्य सहायक सेवाएँ शामिल हैं। लेकिन हाल के वर्षों में, कोचिंग में छात्रों की संख्या में 30-35 प्रतिशत की कमी आई है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। क्योंकि अब अभिभावकों में बच्चों की आत्महत्या के मामलों से भय व्याप्त हो गया है।

यह कोचिंग संस्कृति अब कोटा से आगे बढ़कर जयपुर, सीकर, जोधपुर, उदयपुर, और भरतपुर जैसे शहरों में फैल रही है। जयपुर, राजधानी होने के नाते UPSC, RPSC, और अन्य सरकारी नौकरी की परीक्षाओं के लिए कोचिंग का केंद्र बन गया है। सीकर अब स्वयं एक कोचिंग हब के रूप में उभर रहा है। यहाँ 130 से अधिक कोचिंग संस्थान हैं, जिनमें 15 बड़े संस्थान शामिल हैं, और हर साल लाखों छात्र इंजीनियरिंग, मेडिकल, डिफेंस, और शिक्षक भर्ती जैसी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। जोधपुर और उदयपुर में भी NEET, JEE, और UPSC की तैयारी के लिए बड़े कोचिंग संस्थान स्थापित हो चुके हैं।

उदयपुर में 100 और जोधपुर में 100 सीटें मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत और के लिए निर्धारित की गई हैं। भरतपुर जैसे छोटे शहरों में भी कोचिंग सेंटरों की संख्या बढ़ रही है, जहाँ स्थानीय स्तर पर 20 सीटें इस योजना के तहत उपलब्ध हैं। इन शहरों में कोचिंग उद्योग का विस्तार और सरकार प्रायोजित व्यवस्था ने चिंता पैदा करदी है क्या हम स्कूलों को बंद होते देखना चाहते हैं। सरकार के समर्थन से उपजे और कुकुरमुत्ते की तरह पनप रहे ये कोचिंग संस्थान स्कूलों को निगल रहे हैं तभी तो डमी स्कूलों का प्रचलन हमारे सामने है। वैसे नाकारा स्कूल संचालकों का इसमें जाता क्या है उन्हें तो बैठे-बिठाए मोटा पैसा मिल ही रहा है। शिक्षा के इस पावन कार्य को उद्योग का दर्जा देना एक गंभीर सामाजिक और सांस्कृतिक दुरावस्था को दर्शाता है। शिक्षा, जो कभी ज्ञान, नैतिकता, और समग्र विकास का माध्यम थी, अब एक व्यावसायिक मॉडल में बदल गई है। कोचिंग संस्थानों को 'उद्योग' का दर्जा देना यह दर्शाता है कि शिक्षा अब केवल एक सेवा नहीं, बल्कि एक लाभकारी व्यवसाय है। कोटा में यह उद्योग स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है, लेकिन यह शिक्षा के मूल उद्देश्य को कमजोर करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कोचिंग व्यवस्था को लेकर काफी किन्तु परन्तु लगे हुए हैं। शायद इसीलिए केंद्र सरकार इस उद्योग के नियमन के लिए समीक्षा कोचिंग के लिए बनाई गई नीतियों और गाइडलाइनों से स्पष्ट है। 2024 में, शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग सेंटरों के लिए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का दाखिला रोकने और भ्रामक विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने जैसे प्रावधान शामिल थे। लेकिन राजस्थान सरकार ने अपने कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक-2025 में 16 वर्ष की उम्र सीमा को हटा दिया, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या यह कोचिंग संस्थानों के दबाव में किया गया है। यह दर्शाता है कि केंद्र और राज्य सरकारें कोचिंग को एक आर्थिक गतिविधि के रूप में देख रही हैं, जिसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है, लेकिन इसकी मांग को पूरी तरह खत्म करना संभव नहीं मानतीं।

इसके साथ ही डमी स्कूलों का बढ़ता चलन इस समस्या को और गंभीर बनाता है। ये स्कूल छात्रों को केवल नाममात्र के लिए पंजीकृत करते हैं, ताकि वे कोचिंग में पूरा समय दे सकें और बोर्ड परीक्षाओं में शामिल हो सकें। हाल ही में, ने राजस्थान और दिल्ली के 21 डमी स्कूलों की मान्यता रद्द की, जो इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। राजस्थान के कोचिंग सेंटरों से निकलने वाले छात्रों में स्थानीय और बाहरी राज्यों के छात्रों का अनुपात भी विचारणीय है। कोटा में पढ़ने वाले छात्रों में लगभग 70-80 प्रतिशत बाहरी राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, और मध्य प्रदेश से आते हैं, जबकि राजस्थान के छात्रों का हिस्सा 20-30 है। जयपुर और सीकर में यह अनुपात थोड़ा अलग है, उदयपुर, जोधपुर, और भरतपुर जैसे शहरों में स्थानीय छात्रों की संख्या और भी अधिक है, क्योंकि ये शहर छोटे और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए कोचिंग को अधिक किफायती बनाते हैं। मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना, जो, SC, ST, OBC, और EWS वर्ग के छात्रों को मुफ्त कोचिंग प्रदान करती है, ने भी स्थानीय छात्रों की भागीदारी बढ़ाई है। इस योजना के तहत जयपुर और कोटा में 250-250 सीटें, सीकर में 160, और जोधपुर व उदयपुर में 100-100 सीटें निर्धारित हैं।कोचिंग सेंटरों के भय से ठास्त स्कूल और सरकार भी अब पढ़ाई के बजाय कोचिंग पर जोर दे रही हैं। इसका एक प्रमुख कारण प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती मांग और स्कूलों की इन परीक्षाओं के लिए अपर्याप्त तैयारी है। स्कूलों में पाठ्यक्रम और शिक्षण पद्धित प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप नहीं है, जिसके कारण अभिभावक और छात्र कोचिंग को प्राथमिकता देते हैं। सरकार भी इस मांग को स्वीकार कर रही है, जैसा कि अनुप्रति कोचिंग योजना जैसे कार्यक्रमों से स्पष्ट है, जो मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को कोचिंग के लिए प्रोत्साहित करती है।

यह स्थिति एक विरोधाभास को जन्म देती है: सरकार एक ओर कोचिंग उद्योग को नियंत्रित करने के लिए विधेयक ला रही है, वहीं दूसरी ओर मुफ्त कोचिंग योजनाओं के माध्यम से इसे बढ़ावा भी दे रही है। कोटा में कई कोचिंग संस्थानों ने सर्वे किए, जिनमें 40 प्रतिशत अभिभावकों ने कोटा को महंगा और 35 प्रतिशत ने आत्महत्याओं के कारण असुरक्षित बताया। फिर भी, कोचिंग संस्थान टॉपर्स और रिजल्ट्स के दम पर अपनी साख बनाए रखते हैं। सीकर में कोचिंग उद्योग ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को नया आयाम दिया है, जहाँ 5,000 से अधिक फैकल्टी और लाखों छात्र इस उद्योग का हिस्सा हैं। लेकिन इस चमक के पीछे मानसिक दबाव, तनाव, और आत्महत्याओं का अंधेरा सच भी छिपा है। मानसिक स्वास्थ्य इस उद्योग की सबसे बड़ी चुनौती है। कोटा में आत्महत्याओं की बढ़ती संख्या ने प्रशासन को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर किया है। 2023 में 23 छात्रों की आत्महत्या के बाद, प्रशासन ने मनोरंजक गतिविधियों को अनिवार्य किया और दो महीने तक टेस्ट न लेने का आदेश दिया। इसके अलावा, K-SOS (Kota-Safety of Students) ऐप में पैनिक बटन और हेल्पलाइन नंबर (18002333330, 1800914416) जैसी सुविधाएँ शुरू की गई हैं।

जयपुर और सीकर जैसे शहरों में भी कोचिंग सेंटरों में काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर जोर दिया जा रहा है। फिर भी, ये उपाय केवल सतही हैं, क्योंकि मूल समस्या अत्यधिक दबाव और असफलता का डर अभी भी बरकरार है। हालांकि सरकार के नियामक प्रयास इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं। राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक-2025 में कई प्रावधान शामिल हैं, जैसे पंजीकरण अनिवार्य करना, फीस को चार किस्तों में लेना, और भ्रामक विज्ञापनों पर रोक। केंद्र सरकार की नौ सदस्यीय समिति, उच्च शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में, कोचिंग पर निर्भरता कम करने और डमी स्कूलों की समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। लेकिन इन प्रयासों का प्रभावी कार्यान्वयन एक चुनौती है, क्योंकि कोचिंग संस्थान आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव रखते हैं। इस स्थिति का समाधान केवल नियमन से संभव नहीं है। स्कूली शिक्षा में सुधार, जैसे क्रिटिकल थिंकिंग और विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ावा देना, शिक्षकों का प्रशिक्षण, और आधुनिक पाठ्यक्रम लागू करना आवश्यक है। साथ ही, समाज को यह समझने की जरूरत है कि शिक्षा केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व के समग्र विकास का आधार है। अभिभावकों को बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालने से बचना होगा, और सरकार को कोचिंग के बजाय स्कूलों को सशक्त बनाने पर ध्यान देना होगा।कोचिंग उद्योग का विस्तार राजस्थान के छोटे-बड़े शहरों में शिक्षा की मांग और आपूर्ति के बीच की खाई को दर्शाता है।

यह उद्योग न केवल आर्थिक अवसर सृजित करता है, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौतियाँ भी पैदा करता है। कोटा, जयपुर, सीकर, जोधपुर, उदयपुर, और भरतपुर जैसे शहरों में कोचिंग सेंटरों की बाढ़ ने शिक्षा को एक व्यवसाय में बदल दिया है, लेकिन इसके दुष्परिणाम मानसिक दबाव, आत्महत्याएँ, और डमी स्कूलों का चलन हमारे सामने एक भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। सरकार और समाज को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना होगा, ताकि शिक्षा फिर से अपने मूल उद्देश्य ज्ञान और नैतिकता के प्रसार को प्राप्त कर सके।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं चिन्तक

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 30 जून, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, मघा नक्षत्र प्रात: 7:21 तक, सिद्धि योग सायं 5:20 तक, बालव करण प्रात: 9:24 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से प्रात: 7:21 तक है। रवियोग प्रात: 7:21 से आरम्भ होगा। आज स्कन्ध पंचमी, द्वारकाधीश पाटोत्सव, कुमार षष्ठी, हेरा पंचमी है। आज साँई टेऊराम जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:22 तक, शुभ 9:05 से 10:48 तक, चर 2:13 से 3:55 तक, लाभ-अमृत 3:55 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

वृष
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को परेशानी अभी यथावत बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
स्वास्थ्य से संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

'अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने रचा नया इतिहास'

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 123वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निज निवास पर इस कार्यक्रम को सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हाल ही में भारत के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के इंटरनेशनल स्पेस सेंटर पर पहुंचने की उपलब्धि की चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत ने एक नया इतिहास रचा है। मोदी ने शुभांशु शुक्ला के साथ अपनी बातचीत का भी जिक्र किया। मोदी ने 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि विशाखापत्तनम के समुद्र तट पर 3 लाख लोगों द्वारा एक साथ योग किया गया। प्रधानमंत्री ने 3 जुलाई से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा और उडीसा में आयोजित भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा के बारे में बात करते हुए कहा कि ये यात्राएं 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के भाव का प्रतिबिंब है।

- **प्रधानमंत्री मोदी हर नागरिक को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए करते हैं प्रेरित : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अपने निवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

प्रधानमंत्री ने भारत को हाल ही में मिली दो बड़ी उपलब्धियों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को ट्रेकोमा मुक्त घोषित कर दिया है।

उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। आज देश के लगभग 95 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े हुए हैं, जबकि वर्ष 2015 तक 25 करोड़ से कम लोगों तक सरकारी योजनाएं पहुंच पाती थी।

मोदी ने वर्ष 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में संविधान की हत्या की गई और अभिव्यक्ति की आजादी का भी गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा उन लोगों को याद करना चाहिए, जिन्होंने आपातकाल का डटकर मुकाबला किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सफर में उपलब्धि के रूप में आए हर एक पडाव को, वे इस कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों के साथ साझा करते है।

प्रधानमंत्री देश के हर नागरिक को भी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित करते है। उनके प्रेरणादायी उद्बोधन से मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

वहीं भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री के "मन की बात कार्यक्रम" को सुनने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, मंत्री वासुदेव चावना, स्टेफी चौहान, पूर्व विधायक धर्मेंद्र मोची, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सहप्रभारी रजनीश चनाना, प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा, अपूर्वा सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

अशोक राठौड़ और मालिनी अग्रवाल को डी.जी. पद पर पदोन्नति

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक आदेश जारी कर आई.पी.एस. अशोक राठौड़ और मालिनी अग्रवाल को ए.डी.जी. से डी.जी. पद पर क्रमोन्नत किया है। प्रदेश में इस साल 4 वरिष्ठ पुलिस अफसर महानिदेशक बनेंगे। चार माह में डीजी रैंक के दो अफसर रिटायर होंगे। होमगार्ड के डीजी राजेश निर्वाण के केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से 1 और सीट खाली हो गई। इस तरह पद 3 खाली है। सरकार ने 1994 बैच के अशोक कुमार राठौड़ और मालिनी अग्रवाल को प्रमोशन दिया है।

हुक्का बार पर रेड

जयपुर। अशोक नगर पुलिस ने रमेश मार्ग सी स्कीम जयपुर स्थित मिक्सटेप कैफे में चल रहे अवैध हुक्का बार में रेड मारी और भारी मात्रा में हुक्के मय पाइप-चिलम फ्लेवर आदि के बरामद हुए। इसके अलावा अवैध हुक्का पीते हुए मिले 10 व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में दो-दो हजार रुपये का चालान भी काटा गया।

जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र सोनी का सम्मान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को प्रो. पी.सी. महालनोबिस पुरस्कार से सम्मानित किया। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह में सांख्यिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी का सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आर्थिक नियोजन एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की सघन मॉनिटरिंग एवं प्रभावी क्रियान्वयन में सांख्यिकी के तार्किक एवं विश्लेषणात्मक प्रयोगों के साथ-साथ नवाचारों के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी को इस सम्मान से नवाजा है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने यह सम्मान टीम जिला प्रशासन जयपुर को समर्पित किया है। गौरतलब है कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में कार्यालय, संयुक्त निदेशक, आर्थिक एवं

सांख्यिकी कार्यालय ने राज्य में सर्वप्रथम जिला स्तरीय सतत विकास लक्ष्य सूचकांक 2024 जारी किया गया, इसका उद्देश्य जिले की पंचायत समितियां के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित कर उनका सर्वांगीण विकास करना है। राज्य में सर्वप्रथम जयपुर जिले द्वारा जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन के नियमों/अधिनियमों को सरल रूप में प्रस्तुत कर जन्म मृत्यु व विवाह पंजीकरण मार्गदर्शिका का प्रकाशन किया गया है। इससे जिले के रजिस्ट्रार उप रजिस्ट्रार एवं ई-मित्र संचालकों को लाभ मिलेगा।

चाकू की नोंक पर मारपीट कर लूटपाट करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू की नोक पर मारपीट कर लूटपाट करने वाले एक आरोपी को पकडा है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चाकू की नोक पर मारपीट कर लूटपाट करने वाले आरोपित राहुल सिंह राठौर उर्फ राम सिया निवासी मकराना जिला नागौर हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।वहीं गलता गेट थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जान से मारने की नियत से घर में घुसकर अपनी भाभी की बहनों पर धारदार चाकू से जानलेवा करने वाले एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। जिसके पास से वारदात में प्रयुक्त लिया गया धारदार चाकू भी बरामद किया गया है।

कार्यवाहक डी.जी.पी. आज होंगे रिटायर

जयपुर। राजस्थान पुलिस को सोमवार को नया महानिदेशक मिल सकता है। 30 जून को कार्यवाहक डीजीपी डॉ रवि प्रकाश मेहरडा रिटायर हो रहे है। सोमवार को आरपीए में उनकी फेयरवेल पार्टी को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। नए डीजीप के स्वागत के लिए राजस्थान पुलिस तैयार है। नए डीजीपी सरकारी गाड़ी से आरपीए पहुंचेंगे। नए डीजीपी को डीसीपी तेजस्विनी गौत्तम एस्कॉर्ट करेगी। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट के कई और अधिकारियों को भी अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। नए डीजीपी आरपीए में परेड का निरीक्षण करेंगे।

संघ लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार को तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेजा है। इस पैनल में राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल शामिल हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को इनमें से किसी एक या अन्य को डीजीपी बना सकते है। पुलिस विभाग और प्रशासनिक गलियारों में इस नियुक्ति को लेकर उत्साह और उत्सुकता बनी हुई है।

यूपीएससी ने नियमों के अनुसार यह पैनल तैयार किया है। इसमें अधिकारियों की वरिष्ठता, सेवा रिकॉर्ड और केंद्र और राज्य स्तर पर अनुभव को ध्यान में रखा गया है। यह प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जा रही है। पैनल में शामिल तीनों अधिकारी अनुभवी और काबिल हैं। राजीव शर्मा, राजेश निर्वाण और संजय अग्रवाल में से किसी एक को राजस्थान पुलिस की कमान सौंपी जा सकती है।

दुकानदार से मारपीट, रुपए नहीं देने पर फायरिंग

जयपुर। सोडाला थाना इलाके में दो बदमाशों ने एक दुकानदार से मारपीट की और फिर देशी कट्टे से फायर कर दिया। हालांकि फायरिंग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पुलिस के अनुसार लक्ष्मीनगर रांकडी निवासी हितेंद्र सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह दुकान करता है। 27 जून की रात को वह अपनी दुकान से घर आ रहा था घर के नजदीक उसे हनी जंडेल और गौरव कश्यप मिले। आरोपी शराब के नशे में थे। आरोपियों ने उसे रोक लिया और उससे शराब के लिए रुपए मांगे। जब उसने रुपए देने से मना कर दिया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाशों ने उस पर देशी कट्टे से फायर कर दिया। लेकिन वह बच गया। धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोग घरों से बाहर निकल आए। इस पर बदमाश मौके से भाग निकले। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। जांच अधिकारी एसआई जयसिंह ने बताया कि दुकानदार से मारपीट और फायरिंग का मामला दर्ज हुआ है। आरोपी को थाने पर बुलाया गया है उससे मामले की जानकारी लेकर घटना स्थल से सीसीटीवी फुटेज जुटाए जाएंगे। इसके बाद भी मामले की असली कहानी सामने आएगी। थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि हितेंद्र अपने पिता की दुकान पर बैठता है। दोनों आरोपी उसके परिचित है। आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की और देशी कट्टे से फायर कर दिया।

हालांकि जांच में मौके पर गोली का खोल नहीं मिला है। घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज जुटाए जारहे है। इसके बाद ही पूरे मामले का पता चल सकेगा।

NAME CHANGE

I Akshay S/o Rajesh Guliyani R/o. Address:C-25, F3, Jagdamba Nagar, behind Heerapura Power House, Vaishali Nagar, Jaipur, Rajasthan has changed my Name from Akshay to Akshay Guliyani S/o Rajesh Guliyani for all future purposes.

खोया पाया

आवास संख्या 117/713 का मूल नियमितीकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र कन्वेंस डीड अलाटी व परिपच्युल प्लीज कहीं गिर /गुम हो गया है समीर चतुर्वेदी 9660811728

आवास संख्या 43/31/12 मानसरोवर, जयपुर का आंवटन पत्र गिर / गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। चित्रलेखा शर्मा मो. 9314384458

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.rajasthan.gov.in
क्रमांक: ज.वि.प्रा/उपा./जोन-4/2025 दिनांक यथा हस्ताक्षरित
प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन

जयपुर क्षेत्र में स्थित किसान गृह निर्माण सहकारी समिति लि.की योजना इन्कम टैक्स कॉलोनी के भूखण्ड संख्या के-34 क्षेत्रफल 355.55 वर्गगज की लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड लीजडीड जविप्रा के द्वारा दिनांक 26.12.2023 को श्री नीरज सिंह राठौड पुत्र श्री एन.एस.राठौड के द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम-2010 व राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 के प्रावधानों के अन्तर्गत उक्त भूखण्ड का भू-उपयोग मास्टर /जोनल विकास योजना में दर्शित मिश्रित भू-उपयोग के अनुसार आवासीय से मिश्रित भू-उपयोग प्रयोजनार्थ किये जाने हेतु आवेदन किया गया है।
उक्त भूखण्ड के साइट प्लान अनुसार उत्तर दिशा की ओर 100 फीट रोड, दक्षिण दिशा की ओर अन्य भूमि, पूर्वी दिशा की ओर भूखण्ड संख्या के-35 एवं पश्चिमी दिशा की ओर भूखण्ड संख्या के-33 स्थित है।
अत: नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम-2010 व राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 के प्रावधानों के अन्तर्गत उक्त भूखण्ड का भू-उपयोग मास्टर/जोनल विकास योजना अनुसार आवासीय से मिश्रित भू-उपयोग प्रयोजनार्थ किया जाना प्रस्तावित है। उपरोक्त उपान्तरण के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो, राजस्थान राज्य स्तरीय समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस की कालावधि के भीतर आपत्ति/सुझाव निम्न हस्ताक्षरकर्ता अथवा उपायुक्त जोन-04 को प्रस्तुत कर सकते है। यह विज्ञप्ति आज दिनांक 24.06.25 को जारी की गयी।

उपायुक्त जोन-4
जविप्रा, जयपुर।

जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं से मिले मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देश देकर त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाए।

गंगापुर, झुंझुनूं, सीकर और चूरू सहित अनेक क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपने क्षेत्र की समस्याएं प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष रखीं। राठौड़ ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल संवाद किया और आवश्यक निर्देश जारी किए।

मदन राठौड ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव जनसेवा को प्राथमिकता देती है। हमारा उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को बनाए रखना है। हमारी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता और संगठन के बीच की सबसे मजबूत कड़ी है। राठौड़ ने प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए भाजपा कार्यकर्ताओं से भी संवाद किया और उनके सुझाव और अनुभवों को ध्यानपूर्वक सुना।

बजरंग दल मनाएगा सेवा सप्ताह

जयपुर। बजरंग दल जो कि विश्व हिन्दू परिषद् का युवा आयाम है, अपने मूल मंत्र "सेवा, सुरक्षा, संस्कार" के आदर्श को साकार करते हुए 1 जुलाई से 7 जुलाई तक पूरे जयपुर प्रांत में "सेवा सप्ताह" का आयोजन करने जा रहा है। यह कार्य विश्व हिन्दू परिषद् के वार्षिक सेवा कार्यों में एक है, सेवा सप्ताह के अंतर्गत प्रांत के सभी 25 जिलों की खंड प्रखंड एवं बस्तियों में एकसाथ जनकल्याणकारी गतिविधियों की श्रृंखला चलाई जाएगी।

हर जिले की प्रमुख बस्तियों में चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे ताकि निर्धन, श्रमिक, ग्रामीण और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाइयाँ और चिकित्सकीय परामर्श मिल सके। इसके अलावा जिन सरकारी अस्पतालों में बाहर से रक्त नहीं लिया जाता, वहाँ पूर्व स्वीकृति के साथ बजरंग दल के रक्तवीर जाकर रक्तदान करेंगे।

जालोर में तेज बारिश, मोदरा व भीमपुरा के बीच रेललाइन पर पानी भरा

सायला में 90 एमएम (साढ़े तीन इंच) बारिश दर्ज, कई जगह पर जल भराव हो गया

जालोर जिले के मोदरा-भीमपुरा के बीच फाटक संख्या 76 पर पटरियों पर पानी भर गया।

■ सायला के तुरा में आकाशीय बिजली गिरने से दस भेड़ों की मौत हो गई

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में रविवार को कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। सुबह आठ बजे तक जिले में 8.7 एमएम बारिश दर्ज की गई। वहीं सायला में 90 एमएम (साढ़े तीन इंच) बारिश दर्ज की गई।

जालोर जिले के मोदरा व भीमपुरा के बीच फाटक संख्या 76 पर पटरियों पर पानी जमा होने से रेल यातायात प्रभावित हुआ। सायला के तुरा में आकाशीय बिजली गिरने से दस भेड़ों की मौत हो गई। जिला मुख्यालय पर रविवार सुबह छह बजे से नौ बजे तक जमकर बारिश हुई। बस स्टैंड व बागोडा रोड पर बस स्टैंड के बाहर पानी भर गया। वहीं जालोर जिले के मोदरा व भीमपुरा के बीच निमार्णाधीन अंडरब्रिज के पास पानी भर जाने से रेल यातायात भी करीब तीन घंटे तक बंद रहा। जालोर जिला मुख्यालय पर रविवार सुबह छह बजे मौसम में बदलाव होने के साथ ही तेज हवाओं के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ, जो कभी तेज तो कभी रिमझिम जारी रहा। जिससे जालोर के रोडवेज बस स्टैण्ड, गिटको होटल के सामने, शिवाजी नगर की कई गलियों में पानी भर गया, जो बारिश के बाद करीब 2 से 3 घंटे तक भरा रहा। जालोर में शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को दिन के तापमान में 2.7 डिग्री गिरावट होकर 33.6 डिग्री व रात के तापमान में 25.9 डिग्री रहा। शुक्रवार को दिन का तापमान 30.9 व रात का तापमान 25.9 डिग्री रहा था। वहीं आगामी दिनों में तापमान में गिरावट की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञ भूपेन्द्र सिंह ने बताया कि जालोर में पिछले कुछ दिनों से बारिश का दौर जारी हैं। यह बारिश आगामी दो दिन तक जारी रहने की संभावना हैं। इस दौरान जिले के कई क्षेत्रों में तेज तो कई मध्यम बारिश हो सकती है।

रेल यातायात हुआ प्रभावित :- समदड़ी भीलड़ी रुट पर मोदरा व भीमपुरा के बीच फाटक संख्या 76 पर निमार्णधीन अंडरब्रिज पर बारिश का पानी आने से पटरियों पर पानी भर गया तथा पटरियों के नीचे कंकरीट व मिट्‌टी पानी के साथ बह गई तथा ज्यादा बारिश का पानी आने से अंडरब्रिज भी दब गया था, जिससें चैन्नई सुपरफास्ट गाड़ी को मोदरा स्टेशन पर करीब तीन घंटे तक रोकना पड़ा। वहीं इस ट्रैक संचालित जोधपुर-गांधीधाम, पालनपुर-जोधपुर सहित अन्य गाड़ियों को अलग-अलग स्टेशन पर रोकना पड़ा। जानकारी मिलने पर रेलवे की टीम ने पटरियों को दुरस्त कर रेल यातायात को सुचारु करवाया।

सायला में ढाई घंटे में 90 एमएम बारिश दर्ज :- सायला शहर में रविवार सवेरे हुई बारिश लोगों के लिए राहत के साथ आफत लेकर आई। जानकारी के अनुसार सवेरे 6.40 बजे बारिश का दौर शुरू हुआ, जो करीब 2.30 घंटे तक जारी रहा। जिससे करीब 90 एमएम बारिश दर्ज की गई। बारिश से पुराना बस स्टैण्ड, पंचायत समिति परिसर, राजाराम नगर गोलियां, पीडब्ल्यूडी कार्यालय परिसर, तहसील परिसर में एवं उपखण्ड कार्यालय मार्ग पर जलभराव हो गया। साथ ही मुख्य सड़क पर भी जगह-जगह जलभराव हो गया। बारिश से सायला के वागरियों का वास में नगाराम पुत्र देवीलाल का कच्चा मकान भी ढह गया। इसी प्रकार शहर के आसपास स्थित खेत भी बारिश के पानी से लबालब हो गए। सायला के निकटवर्ती तूरा गांव में रविवार प्रातः आकाशीय बिजली गिरने से 10 भेडों की मौत हो गई।

उपसरपंच बलवन्तसिंह तूरा ने बताया कि प्रातः नौ बजे के लगभग जोइताराम पुत्र पाबुजी देवासी के रहवासी मकान के पास स्थित पशुओं के बाडे में आकाशीय बिजली गिर गई। जिससे दस भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पटवारी देरावरसिंह मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का मौका मुआयना किया। साथ ही नुकसान का आकलन कर मौकाफर्द तैयार की। इसके बाद मृत भेडों का पशु चिकित्सक के निर्देशन में पोस्टमार्टम किया गया। साथ ही उपसरपंच बलवन्तसिंह तूरा ने पशु मालिक जोइताराम को सरकार द्वारा उचित सहायता दिलवाने का भरोसा दिलाया।

लाखूसर में अज्ञात लोगों ने खेजड़ी के 180 पेड़ काटे

■ ग्रामीणों ने विरोध किया तो उनकी गाड़ी पर तोड़फोड़ की, हमलावरों पर फायरिंग करने का आरोप भी लगाया

बीकानेर, (निसं)। छत्तरगढ़ तहसील के लाखूसर गांव में अज्ञात लोगों ने खेजड़ी के 180 पेड़ काट डाले। ग्रामीणों ने विरोध किया तो उनकी गाड़ी पर तोड़फोड़ की गई। हमलावरों पर फायरिंग करने का आरोप भी लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार खेजड़ी को बचाने के लिए दो ग्रामीण रात को पहरा दे रहे थे। उसी दौरान 8-10 गाड़ियों में सवार 30-40 लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने बड़ी संख्या में मशीनों से खेजड़ी के पेड़ काट डाले। ग्रामीणों ने विरोध किया तो उनकी गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। आरोप है कि अज्ञात लोगों ने फायरिंग भी की। ग्रामीणों ने पुलिस थाने सूचना दे दी, लेकिन छत्तरगढ़ पुलिस करीब दो घंटे बाद पहुंची। तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। शुक्रवार को ग्रामीणों ने तहसीलदार से शिकायत की तो उन्होंने पटवारी सुमन स्वामी को जांच के लिए भेजा। पटवारी की जांच रिपोर्ट के अनुसार खसरा नंबर 98 में 5, 104 में 24, 105 में 50, 108 में 5, 109 में 5, 114 में 48, 115 में 13 और 119 नंबर खसरे में खेजड़ी के 30 पेड़ कटे हुए मिले। करीब 180 पेड़ कटे हुए पाए गए, जिन पर मार्किंग की गई। रिपोर्ट में बताया है कि कुछ खसरे सन ब्रिज कंपनी ने लीज पर ले रखे हैं और कुछ खरीद लिए हैं। इस दौरान किसान सोलर संघर्ष समिति के संयोजक चंद्रसिंह भाटी, रेवंतराम, जगदीश, मोहनलाल, उपसरपंच शीशपाल, अखिल भारतीय किसान सभा के जेठाराम, रामलाल सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इस घटना को लेकर हमने छत्तरगढ़ एसएचओ भजनलाल से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

महिला का शव मिला

उदयपुर, (निसं)। नाई थाना क्षैत्र में खेत पर काम करने वाली महिला का शव मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सांय नाई थना क्षैत्र बूझड़ा गांव में स्थित खेत पर काम करने वाली महिला पीपलवास नाई निवासी सूरता (40) पत्नी लक्ष्मण गमेती का शव मिला, जिसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए। इसकी सूचना मिलने पर एएसआई अमीनलाल ने मौके पर पहुंचकर सूरता को चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित करने पर मोर्चरी में रखवा पीहर पोपलटी सूचना दी है। मृतका का सोमवार को पोस्टमार्टम होगा। सूरता व उसका पती दोनों बूझड़ा में स्थित खेत पर सिजारी का काम करते हैं, जहां उसका शव मिला। इस दौरान पति लक्ष्मण गायब था जिसके मिलने पर ही मौत के कारण व घटना का पता चल पाएगा।

चेन व मोबाइल चोरी करने वाले 67 आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर पुलिस ने भगवान जगन्नाथ यात्रा में महिलाओं व अन्य लोगों की चेन व मोबाइल चोरी करने वाले 67 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 27 जून को जगदीश मंदिर से भगवान जगन्नाथजी की रथ यात्रा निकाली गई थी। जगदीश चौक से दोपहर में रथ यात्रा प्रारंम्भ हुई। यात्रा में अलग-अलग स्थान से कई गिरोह के सदस्य चोरी, पॉकेटमारी व चेन स्नेचिंग जैसी वारदातों को अंजाम देने रथ यात्रा में शामिल हुए थे। इधर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगन पुरोहित, कैलाश चन्द्र बोरीवाल, डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू सहित सभी थानाधिकारियों के नेतृत्व में गठित दल ने वारदात करने वाले गिरोह के 67 सदस्यों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से मोबाइल, नकदी व अन्य चोरी का सामान जब्त किया गया। इनके अलावा 25 संदिग्ध नाबालिग को सूरजपोल व घंटाघर थारा पुलिस ने डिटेन किया है। जिनसे भी पूछताछ की जा रही है। इस मामले में हिरणमगरी सविना, बडगांव पुलिस थाने में 3-3, अम्बामाता व सुखेर पुलिस थाने में 4-4, सूरजपोल में 16 तथा घंटाघर में 11 व धानमण्डी में 15 भुपालपुरा में 2 प्रकरण दर्ज हुए हैं, जबकि प्रतापनगर पुलिस ने 6 महिला अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

भाजपा नेता अशोक चांडक और बेटे से गैंगस्टर रोहित गोदारा ने 30 करोड़ की फिरौती मांगी

■ गैंगस्टर रोहित गोदारा ने फिरौती नहीं देने पर भाजपा नेता को जान से मारने की धमकी दी है

■ गैंगस्टर ने धमकाया कि कमाई खाने वाला कोई नहीं बचेगा, पंजाब के ठेके कोई और चलाएगा

श्रीगंगानगर, (निसं)। भाजपा नेता और व्यापारी अशोक चांडक और उनके बेटे से गैंगस्टर रोहित गोदारा ने 30 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है। गैंगस्टर ने फिरौती नहीं देने पर भाजपा नेता को जान से मारने की धमकी दी है। गैंगस्टर ने वॉट्सऐप कॉल कर कहा कि आपको ऐसा झटका देंगे कि याद रखोगे। आपके साथ जो गार्ड हैं, वो भी नहीं बचा सकेंगे। आपकी सारी कमाई किसी काम नहीं आएगी, कोई खाने वाला नहीं बचेगा। पंजाब के ठेके कोई और चलाएगा। अशोक चांडक ने धमकी के बाद कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दी और सुरक्षा की मांग की। एसपी गौरव यादव ने बताया कि शिकायतकर्ता की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अशोक चांडक ने रिपोर्ट में बताया कि मेरा परिवार पिछले 70 सालों से श्रीगंगानगर में रह रहा है। बीते कुछ दिनों से मुझे और मेरे बेटे को रोहित गोदारा की गैंग 20 जून से लगातार जान से मारने की धमकियां दे रही हैं और 30 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी जा रही है। चांडक ने बताया कि 17 जून को दिनदहाड़े मेरे बिजनेस पार्टनर आशीष गुप्ता पर फायरिंग हुई थी। गुप्ता ने किसी तरह भागकर जान बचाई थी। इस हमले के बाद से ही गैंगस्टर लगातार मुझे और मेरे बेटे को धमकी दे रहे हैं। 20 जून को दोपहर 12:26 बजे मेरे मोबाइल पर विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आई। इसमें फोन करने वाले ने खुद को रोहित गोदारा बताया और 30 करोड़ की फिरौती मांगी। इसके बाद 22 जून को भी मेरे मोबाइल पर तीन बार कॉल आई, लेकिन मैंने कॉल रिसीव नहीं की। इसी दिन बेटे राघव चांडक के पास भी मिस्ड कॉल आई। कुछ देर बाद एक मैसेज आया- बात करो। जब राघव ने फोन किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद का नाम हैरी बॉक्सर बताया और रोहित गोदारा गैंग से जुड़ा होने की बात कही। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए फिरौती मांगी। भाजपा नेता ने बताया कि 24 जून को हैरी बॉक्सर ने राघव को फिर कॉल की और धमकी दी कि यदि फिरौती नहीं दी गई तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। इसके बाद राघव के पास एक और मैसेज आया। इसमें लिखा था कि कॉलोनाइजर आशीष गुप्ता पर हमला सुनील पहलवान की शह पर हुआ था। मैसेज में दावा किया गया कि गैंगस्टर गोल्डी बराड़ का भांजा 'डब्बा' कॉल करता है और सुनील पहलवान उसका सहयोगी है। यह भी कहा गया कि गोल्डी बराड़ के भाई गुरलाल के कत्ल के आरोपी मनी फरीदकोट और बंटू को कत्ल के बाद सुनील पहलवान और सरवन ने पनाह दी थी। मैसेज में यह भी कहा कि अगली बार गोल्डी बराड़ का फोन आए तो उसे बता देना कि कार्रवाई सुनील पहलवान ही करवा रहा है और इस बात की जानकारी बाजार से भी ली जा सकती है। अशोक चांडक ने लगातार मिल रही धमकियों को लेकर पुलिस सुरक्षा देने के साथ ही इन कॉल्स और मैसेज की गंभीरता से जांच करने और धमकी देने वालों की पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि गैंगस्टरों की संलिप्तता और आशीष गुप्ता पर हुए हमले की पृष्ठभूमि की भी गहराई से जांच की जाए।

हां मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं, यह मेरे लिये गर्व की बात है : देवनानी

■ पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को आरएसएस का कार्यकर्ता बताने पर विधानसभा अध्यक्ष ने गहलोत पर पलटवार किया

■ 'बाप पार्टी के विधायक द्वारा सवाल के बदले रिश्वत के मामले की जांच ''सदाचार कमेटी'' को रैफर की'

भीलवाड़ा, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को भीलवाड़ा में प्रेस से मुखातिब होते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने बाप पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल द्वारा सवाल के बदले रिश्वत के मामले की जांच ''सदाचार कमेटी'' को रैफर की, जहां विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदाचार कमेटी रिपोर्ट विधानसभा के सदन में रखेगी, तब विधानसभा द्वारा बाप पार्टी के खिलाफ क्या कारवाई करनी है वह मसौदा तैयार होगा। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा विधानसभा अध्यक्ष को आरएसएस का कार्यकर्ता बताने पर विधानसभा अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि हां मैं निश्चत रूप से आरएसएस का कार्यकर्ता हूं। यह मेरे लिए गर्व की बात है, बाकी पूर्व मुख्यमंत्री को आरएसएस की समझ नहीं है। गहलोत को आरएसएस की शाखा में जाकर घिसाई करने के साथ ही आरएसएस को समझने के लिए एक जन्म ओर लेना पड़ेगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रविवार को भीलवाड़ा सर्किट हाउस में पहुंचने पर कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, एसपी धर्मेंद्रसिंह यादव, सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने गुलदस्ता भेटकर स्वागत किया। स्वागत के बाद विधानसभा अध्यक्ष हरीसेवा उदासीन आश्रम मे धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रोफेसर वासुदेव देवनानी ने प्रेस से मुखातिब होते हुए विधानसभा की कारवाई शुरू होने को लेकर कहा कि विधानसभा सत्र शुरू होने को लेकर अभी तक निर्णय नहीं हुआ। सरकार व संसदीय मंत्री से चर्चा करने के बाद तारीख तय होगी लेकिन इतना तो तय है कि 23 सितंबर से पहले-पहले विधानसभा सत्र आयोजित होगा क्योंकि 6 महीने में सदन का सत्र बुलाना आवश्यक होता है 23 मार्च को सदन का सत्र समाप्त हुआ था। जुलाई के अंतिम सप्ताह या अगस्त के पहले सप्ताह में विधानसभा सत्र की शुरुआत हो सकती लेकिन इसकी चर्चा संसदीय कार्य मंत्री व मुख्यमंत्री से चर्चा कर तारीख का निर्धारण करेंगे।

बाप पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल ने सवाल के बदले रिश्वत ली है, उस मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष प्रोफेसर वासुदेव ने कहा कि 3 वर्ष से ज्यादा किसी को सजा होती है तो उनकी विधानसभा के सदस्य के पद से सदस्यता समाप्त होती है। यह सुप्रीम कोर्ट व चुनाव आयोग निर्देश है। इसी तहत हमने हाडौती क्षेत्र के विधायक कंवरलाल मीणा के खिलाफ कारवाई की है। बाप पार्टी के विधायक जयकृष्ण पटेल पर रिश्वत का मामला है यह मामला मेरे संज्ञान में आते ही हमने सबसे पहले इस मामले को ''सदाचार कमेटी'' मे रेफर कर दिया हैं। सदाचार कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद इसको विधानसभा के सदन में रखा जाएगा, सदन जो निर्णय करेगा उसके अनुसार विधायक जय कृष्ण पटेल पर कारवाई होगी। विधायक पर कानूनी कारवाई पुलिस व एसीबी कर रही है सदन की ओर से कार्रवाई सदन शुरू होने के दौरान होगी। इस कमेटी की रिपोर्ट जल्द से जल्द आ जाएगी और विधानसभा के इसी सत्र में रखी जाएगी।

आईपीओ में इंवेस्टमेंट का झांसा देकर महिला ने बिजनेसमैन को 56 लाख की चपत लगाई

■ महिला ने खुद को इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग इन्वेस्टमेंट की विशेषज्ञ बताया

■ अजमेर निवासी एक बिजनेसमैन को निवेश पर बड़ा मुनाफा देने का लालच देकर 25 अलग-अलग बैंक खातों में से रकम ट्रांसफर करवाई

अजमेर, (कासं)। शहर में दिन प्रतिदिन सायबर ठगी की वारदातें बढ़ती जा रही है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जिसमें एक महिला ने खुद को इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग इन्वेस्टमेंट की विशेषज्ञ बताकर अजमेर निवासी एक बिजनेसमैन को निवेश पर बड़ा मुनाफा देने का लालच देकर 25 अलग-अलग बैंक खातों में से रकम ट्रांसफर करवाकर करीब 56 लाख 77 हजार रुपए की ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। सायबर ठगी के शिकार बिजनेसमैन ने सायबर थाना पुलिस में मामला दर्ज कराया है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित बिजनेसमैन अजय पारीक ने मामले की शिकायत जिला पुलिस अधीक्षक बंदिता राणा से की थी। एसपी के निर्देश पर सायबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच सायबर थाना प्रभारी डीएसपी नमी सिंह को सौंपी गई। सब इंस्पेक्टर राधा अहीर ने बताया कि फिलहाल आईपी एड्रेस और ट्रांजैक्शन हिस्ट्री के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बड़े मुनाफे का दिया लालच :- वैशालीनगर निवासी बिजनेसमैन अजय पारीक ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि एक एक्स अकाउंट के जरिए डीके मुथुकृष्णन नाम के शख्स से बात हुई थी, इसके बाद उसी अकाउंट से उसे वॉट्सएप पर एक लिंक भेजा गया, जहां उसका संपर्क अनन्या नाम की एक महिला से हुआ। महिला ने खुद को आईपीओ इन्वेस्टमेंट से जुड़ा विशेषज्ञ बताया और निवेश पर बड़ा मुनाफा होने का लालच देकर अजय पारीक को झांसे में ले लिया।

25 बैंक खातों में 56 लाख 77 हजार रुपए किए ट्रांसफर :- पीड़ित अजय पारीक ने बताया कि 29 अप्रैल से 25 जून तक अलग-अलग 25 बैंकों में ट्रांजैक्शन के माध्यम से 56.77 लाख रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए, जिसके बाद जब पीड़ित ने कुछ टाइम बाद इन्वेस्टमेंट पर जानकारी मांगी तो शातिरों ने पीड़ित को बताया कि उसकी जमा राशि अब बढ़कर 1 करोड़ 76 लाख 5 हजार 327 रुपए हो गई है। इसके बाद जब अजय पारीक ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने उन पर एक करोड़ रुपए और जमा करने का दबाव बनाया। इससे पीड़ित को शक हुआ और जब उसने और सवाल पूछे तो महिला ने उसे वॉट्सएप पर ब्लॉक कर दिया। तब जाकर अजय पारीक को एहसास हुआ कि उसके साथ ठगी हो गई है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म, दो युवक गिरफ्तार

■ पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर उसे परिजन के सुपुर्द किया

■ दोनों आरोपियों को पुलिस ने पुष्कर से डिटेन किया, कोर्ट ने जेल भेजा

अजमेर, (कासं)। पीसांगन थाना क्षेत्र से एक नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोप में दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को पुलिस ने पुष्कर से डिटेन किया। पुलिस ने पीड़िता के बयान दर्ज कर परिजन के सुपुर्द किया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से कोर्ट ने उन्हें जेल भेज दिया।

पीसांगन सीआई प्रहलाद सहाय ने बताया कि 18 जून को परिजन ने 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री के गुम होने की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर एएसपी (ग्रामीण) दीपक कुमार शर्मा के निर्देशन एवं पुलिस उपाधीक्षक वृत ग्रामीण रामचंद्र चौधरी के सुपरविजन में टीम का गठन कर गुमशुदा बालिका की तलाश की, पुलिस ने बालिका को दस्तयाब कर उसे बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश कर बयान लिए, जिसके बाद परिजन को सुपुर्द कर दिया।

पुलिस ने मामले में दो युवकों रमेश बागरिया एवं सोनू रावत को पुष्कर से डिटेन कर गिरफ्तार किया और दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया। पुलिस टीम में एएसआई रामेश्वर लाल, सुरेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल गणेशराम, कांस्टेबल प्रकाश, शाहरुख, भोमाराम, प्रीति आदि शामिल रहे।

उपचार के नाम पर अजमेर के पूर्व सभापति शेखावत से 18.95 लाख की ठगी

अजमेर, (कासं)। आधुनिक चिकित्सा सुविधा के आधार पर इलाज करने के नाम पर अजमेर के पूर्व सभापति व भाजपा नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत ठगी के शिकार हो गए। इलाज के नाम पर धोखाधड़ी कर करीब 18 लाख 95 हजार रुपए की राशि हड़प ली। शेखावत ने अलवर गेट थाने में हैदराबाद रिसर्च सेंटर के चिकित्सकों के खिलाफ धोखाधड़ी कर रकम हड़पने व उनका जीवन संकट में डालने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाका मदार निवासी अजमेर नगर परिषद के पूर्व सभापति व भाजपा नेता सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने अलवर गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी शारीरिक बीमारी से परेशान थे। वर्ष 2023 के जुलाई माह में सांईटफिक रिसर्च एंड डवलपमेंट ऑफ यूरोपियन वेलनेस बायोमेट्रिक ग्रुप 37, जुबली हिल्स हैदराबाद का एजेंट अंकित शर्मा उन्हें मिला, जिसे अपनी सारी बीमारी बताई तो उसने हैदराबाद में मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक रवि तेज अलाम स्टेमसेल थैरेपी से असंभव बीमारी का भी इलाज के बारे में बताया। जब मैंने रवि तेज से सम्पर्क किया तो हैदराबाद मिलने बुलाया। पीड़ित का आरोप है कि टीम ने एक संगठित आपराधिक षड्यंत्र के तहत इलाज के नाम पर उनसे 18 लाख 95 हजार रुपए की राशि हड़प ली और उनके जीवन को गंभीर खतरे में डाला है।

शेखावत ने बताया कि बाद में उन्हें बेरिटास रिव्हेब एण्ड हॉस्पिटल में भर्ती कराया और फिर अनेकों टेस्ट करे। डिस्चार्ज होने पर वह अजमेर आ गए, काफी समय से जब कोई आराम नहीं मिला तो 26 जुलाई 2024 को हैदराबाद बुलाया और वहां पर पुनः फर्जी इंजेक्शन लगा दिया, इससे पहले उससे सवा दो लाख करीब हॉस्पिटल का खर्चा जमा करवाया। शेखावत ने आरोप लगाया कि रवि तेज अलाम अपने नाम के सामने डॉक्टर लिखकर लोगों को भ्रमित कर रहा है। वास्तव में मेडिकल डॉक्टर नहीं है और उनके पास मेडिकल डॉक्टर की भी कोई योग्यता नहीं है। यह भी पता चला कि स्टेनमेल के कोई भी इंजेक्शन रवि तेज द्वारा आयातित नहीं किए गए।

शेखावत ने बताया कि जब उन्हें कोई फायदा नहीं दिखा तो अजमेर व जयपुर के डॉक्टर्स से विचार विमर्श किया। उन्होंने बताया कि भारत में जानवरों के भ्रूण में से निकाले गए स्टेनमेल का इलाज अभी तक एमसीआई व आईसीएमआर द्वारा प्रमाणित नहीं है और उनसे भारत में उस थैरेपी में इलाज नहीं किया जा सकता। पीड़ित शेखावत ने आरोप लगाया कि रवि तेज और अन्य डॉक्टरों ने हैदराबाद में आयोजित कान्फ्रेंस में इलाज की पूरी गारंटी ली थी, विश्वास में लेकर उन्हें अस्पताल में भर्ती किया, जहां डॉक्टर साइमन, डॉक्टर माइक जान और अन्य चिकित्सकों ने गलत इलाज करते हुए वैधानिक नियमों की अनदेखी की।

शेखावत की शिकायत पर अलवर गेट पुलिस ने डॉ. रवि तेज, डॉ. आलम, डॉ. माइक जान, डॉ. साइमन सहित अस्पताल के अन्य चिकित्सकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी कर बयान के लिए अजमेर तलब किया है। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और चिकित्सा रिकॉर्ड, भुगतान विवरण और इलाज संबंधित सभी दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

चौबीस लाख की शराब से भरा कंटेनर जब्त

उदयपुर, (निसं)। चौबीस लाख की अवैध शराब तस्करी मामले में शराब भरा कंटेनर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, सहायक पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार आईपीएस के निर्देशन में डबोक थानाधिकारी हुकुमसिंह के नेतृत्व में मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर 28 जून को नाकाबंदी के दौरान ट्रक कंटेनर शराब लेकर चित्तौड़ से आने की सूचना मिली। इस पर कंटेनर को रोक चालक का नाम पूछा तो उसने अपना नाम साजिद पुत्र खलील अहमद निवासी कोल गांव थाना फिरोजपुर हरियाणा बताया पूछताछ करने पर कंटेनर में चावल भरा होना बताया। इस पर तलाशी ली तो कट्टों के निचे अवैध अंग्रेजी शराब के 275 कार्टन पाये गए।

स्कूलों का नया सेशन एक जुलाई से

■ शीतकालीन अवकाश 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक

बीकानेर, (निसं)। राज्य में 1 जुलाई (मंगलवार) से स्कूलों का नया सत्र 2025-26 शुरू हो रहा है। सरकार ने कैलेंडर (शिविरा पंचांग) जारी कर दिया है। नए सत्र के 365 दिनों में 134 दिन स्कूलों में छुट्टी रहेगी, जबकि 231 दिन स्कूल चलेंगे। इनमें 48 दिन रविवार की छुट्टियां हैं, शेष दिनों में त्योहार, जयंती और विभिन्न दिवसों पर अवकाश रहेगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी शिविरा पंचांग में पूरे सत्र के कार्यक्रम तय कर दिए गए हैं। नए साल में मध्यावधि छुट्टी 16 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक होगी, वहीं सर्दी की छुट्टियां 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक होगी। गर्मी की छुट्टियां 17 मई से 30 जून तक रहेगी। इस दौरान सरकारी स्कूलों में जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन की चार छुट्टियां अतिरिक्त होंगी। कुछ छुट्टी रविवार के दिन ही पड़ रहे हैं। दशहरे के दिन ही गांधी जयंती और शास्त्री जयंती होने के कारण दो के बजाय एक ही दिन छुट्टी मिलेगी। इसी तरह 6 जुलाई को मुहर्रम भी रविवार को ही है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट के मुताबिक, एक पारी स्कूल का समय गर्मी में एक अप्रैल से 30 सितंबर तक सुबह साढ़े सात बजे से एक बजे तक रहेगा। वहीं सर्दी में एक अक्टूबर से 31 मार्च तक सुबह दस बजे से दोपहर चार बजे तक रहेगा। दो पारी स्कूल एक अप्रैल से 30 सितंबर तक सुबह की पारी सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगी। प्रत्येक पारी साढ़े पांच घंटे की होगी। वहीं एक अक्टूबर से 31 मार्च तक सुबह साढ़े सात बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक संचालित होंगे। सर्दी में प्रत्येक पारी पांच घंटे की होगी।

युवक की मौत

निवाई, (निसं)। मुंबई-जयपुर जाने वाली ट्रेन से रविवार को सुबह चनानी व निवाई रेलवे ट्रेक के समीप एक युवक की ट्रेन से गिरने से मौत हो गई। सूचना पर निवाई थाना अधिकारी व रेलवे पुलिस सब इंस्पेक्टर संदीप मय जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक के क्षत विक्षत शव को कब्जे में लेकर निवाई उप जिला अस्पताल मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी। पुलिस सहायक उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने ने बताया कि रविवार को सुबह करीब 10:30 बजे मुंबई से जयपुर जाने वाली ट्रेन से चनानी व निवाई रेलवे ट्रेक के समीप एक युवक का संतुलन खराब होने से वह गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक नरेंद्र सिंघवी (33) पुत्र इंद्रलाल सिंघवी निवासी बाड़मेर अपने ससुराल मुंबई में छुट्टियां मनाने के बाद पत्नी व चार वर्षीय बच्ची के साथ मुंबई-जयपुर ट्रेन से लौट रहा था। वह जयपुर हाईकोर्ट में एडवोकेट था। मृतक के परिजन जयपुर से निवाई उपजिला अस्पताल पहुंचने पर पुलिस ने पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

फिर मिली जयपुर एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी

एयरपोर्ट अथॉरिटी को ई-मेल के जरिए भेजी गई थी धमकी

- ई-मेल में लिखा था कि ''एयरपोर्ट बिल्डिंग के अंदर विस्फोटक रखा है।'' इस सूचना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया।
- एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई, संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में बम की धमकियों का ई-मेल मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बार-बार मिल रही इन धमकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। हालांकि हर बार सर्च ऑपरेशन के दौरान कोई भी विस्फोटक नहीं मिला है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हर बार पूरी गंभीरता से जांच कर रही हैं।

रविवार को एक बार फिर जयपुर एयरपोर्ट को बम से उडाने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट अथॉरिटी को ईमेल के जरिए यह धमकी भेजी गई। जिसमें लिखा गया था कि जयपुर एयरपोर्ट बिल्डिंग के अंदर विस्फोटक रखा है और जल्दी ही धमाका होगा। साथ ही चेतावनी दी गई कि अगर बिल्डिंग खाली नहीं कराई गई तो सभी लोग मारे जाएंगे। इस धमकी भरे ई-मेल की सूचना मिलते ही जयपुर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। जहां सूचना मिलने पर पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वायड और सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। इसके अलावा डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड ने सघन तलाशी अभियान चलाया,लेकिन कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जहां सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी को ईमेल के जरिए धमकी दी गई थी कि एयरपोर्ट बिल्डिंग के अंदर विस्फोटक रखा गया है,जल्द ही धमाका होगा। अगर बिल्डिंग खाली नहीं कराई तो सभी लोग मारे जाएंगे। ईमेल मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड, बम स्क्वायड , सिविल डिफेंस सहित डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड ने एयरपोर्ट की टर्मिनल बिल्डिंग और परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। किसी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं इस दौरान किसी भी फ्लाइट के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। लेकिन मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए पुलिस अब साइबर एक्सपट्र्स की मदद से धमकी भरे ईमेल की जांच कर रही है और मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी जयपुर एयरपोर्ट को कई बार इसी तरह की धमकियां मिल चुकी हैं। हाल ही में 26 जून को जयपुर के एक अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जहां सर्च ऑपरेशन के दौरान कुछ नहीं मिला। इसके अलावा 9 मई को जयपुर मेट्रो और इससे पहले एसएमएस स्टेडियम को भी बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं।

सहायक प्रोग्रामर सुरेश चंद्र अटल सम्मानित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह में मुख्यमंत्री कार्यालय के सहायक प्रोग्रामर सुरेश चंद्र अटल को सम्मानित किया। यह समारोह प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित हुआ। सुरेश चंद्र अटल को मुख्यमंत्री सूचना तंत्र सीएमआईएएस पोर्टल पर सीएम बजट घोषणाओं, सीएम संकल्प पत्र, सीएम डायरेक्शन, सीएम इंपॉर्टेंट अचीवमेंट मॉड्यूल में अद्यतन जैसे कार्य गुणवत्तापूर्वक और पारदर्शिता के साथ समयबद्ध पूर्ण करने के लिए राज्य स्तरीय 'प्रोफेसर पीसी महालनोबिस सांख्यिकी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

'होटल स्काई इन' से 24 गिरफ्तार

जयपुर। भांकरोटा पुलिस ने ''होटल स्काई इन'' में अवैध गतिविधियों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 24 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और साथ ही पार्टी में मौजूद सात महिलाओं के खिलाफ 172 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने यह जानकारी दी है।

'सांख्यिकी क्षेत्र वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक-आर्थिक नियोजन का आधार'

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया तथ्यपूर्ण, निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से डेटा एकत्र करने का आव्हान

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर आयोजित समारोह में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस समय में सांख्यिकी क्षेत्र का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस आंकड़ों के महत्व से ही नहीं जुड़ा है बल्कि यह हमें वैज्ञानिक सोच के साथ सामाजिक और आर्थिक नियोजन के लिए प्रेरित करता है। राज्यपाल बागडे रविवार को हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान के सभागार में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में विभिन्न क्षेत्रों में आंकड़ों का एकत्रीकरण, उनका विश्लेषण और उपयोग प्रभावी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण है। नीति-निर्माण के लिए डेटा आज के युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

बागडे ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर प्रख्यात भारतीय सांख्यिकीविद् प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस को भी स्मरण किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सांख्यिकी के जनक प्रो. महालनोबिस की पहल और सोच से ही देश में 1950 में नेशनल सैंपल सर्वे की की स्थापना हुई। राज्यपाल ने नेशनल सैंपल सर्वे अपने 75 वर्ष पूरे होने की बधाई देते हुए अधिकारियों का आव्हान किया कि वे तथ्यपूर्ण, निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से डेटा एकत्र करने के साथ उनके विश्लेषण में भी सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि आंकड़ों का महत्व सिर्फ रिपोर्टों तक ही सीमित नहीं है। आंकड़ों से ही देश की नीतियों का निर्धारण होता है, जन कल्याण की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है। इसलिए इसमें सावधानी और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, यह 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य तभी साकार होगा जब हमारे पास विश्वसनीय, समावेशी और रियल टाइम आँकड़े होंगे। इसके लिए अधिकारी प्रभावी प्रयास करें। इससे पहले उन्होंने सांख्यिकी सेवा के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया।

नर्मदेश्वर महादेव का जलाभिषेक

जयपुर समाचार पत्र वितरक संघ की ओर से हुआ आयोजन

जयपुर। अल्बर्ट हॉल स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में समाचार पत्र वितरक महासंघ जयपुर द्वारा सहस्त्र घट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने शिवलिंग का जलाभिषेक दुग्ध अभिषेक रुद्राभिषेक के साथ विधि विधान से ओम नमः शिवाय के मंत्र उच्चारण के साथ पूजन और आरती की। इस दौरान नर्वदेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का विशेष श्रृंगार कर भव्य झांकी सजाई गई। शिवजी के जलाभिषेक के साथ भक्तों ने बिल पत्र आक-धतूरा फल इत्यादि अर्पित कर सुख समृद्धि शिव कृपा की कामना की। भक्तों ने ओम नमः शिवाय हर-हर महादेव के जयकारे लगाए।

समाचार पत्र वितरक महासंघ के संगठन महामंत्री एवं पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि श्रावण मास में भगवान शिव की पूजा अर्चना का विशेष महत्व होता है, इसलिए हर वर्ष प्रदेश में अच्छी बारिश समाचार पत्र वितरक एकता सुख समृद्धि की कामना के लिए समाचार पत्र वितरक महासंघ द्वारा भगवान भोलेनाथ के सहस्त्र घट का आयोजन किया जाता है। इसमें जयपुर शहर के सभी वितरण केंद्रों के वितरक बंधु हिस्सा लिया। भोलेनाथ की महाआरती हुई और भक्तों ने पंगत प्रसादी का आनंद लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधानसभा विधायक गोपाल शर्मा भाजपा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल नगर निगम जयपुर हैरिटेज कुसुम यादव रही।

इस दौरान कोषाध्यक्ष हनुमान सैनी, कन्हैया लाल यादव, सावंत सिंह राठौड, संजय यादव, राजेश यादव, अनिल यादव, टीकम यादव, घनश्याम यादव, सत्यनारायण शर्मा, बी.एल मीणा, गोविंद गुर्जर, कैलाश मीणा, अनिल यादव, महेश यादव एडवोकेट ओमप्रकाश यादव शिवराज सिंह राठौड़ गजेंद्र सिंह जुगल बागड़ा किशन तनेजा महेंद्र जैन एस एन सैनी, जी.एल.यादव, अशोक सिंह उपस्थित रहे।

वोडाफोन आईडिया पर 40 हजार रु. हर्जाना लगाया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग (प्रथम) ने वोडाफोन आईडिया लिमिटेड पर 40 हजार रु. हर्जाना लगाया है। साथ ही परिवादी से वसूली गई अतिरिक्त राशि का भुगतान भी 9 प्रतिशत की दर से करने के आदेश दिए है।

ज्ञात रहे कि परिवादी घनश्याम दास पमनानी ने जनवरी 2021 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत विभिन सेवाओ का दोषी ठहराते हुए वोडाफोन आईडिया लि. के खिलाफ परिवाद दायर किया था। परिवादी ने अतिरिक्त राशि वसूलने को लेकर वाद दाखिल किया था। इस मामले में सुनवाई करते हुए उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सूबे सिंह यादव और सदस्य हेमलता अग्रवाल व आशुतोष चौधरी ने वोडाफोन आईडिया कंपनी का सेवा दोष मानते हुए समस्त तर्क खारिज कर दिए। साथ ही परिवादी को 7 जनवरी 2021 से वर्तमान दिनांक तक 9 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि लौटाने तथा मानसिक प्रताड़ना तथा परिवाद व्यय के एवज़ में 40 हजार रुपये 45 दिवस के भीतर देने के आदेश दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस याचिका की पैरवी उपभोक्ता घनश्याम दास पमनानी ने स्वयं की थी।

''महिमा फ्लोरेंज़ा'' के निवासियों ने तीन घंटे किया विरोध-प्रदर्शन

- महिमा ग्रुप द्वारा 3 वर्ष बाद भी सोसायटी को बिल्डिंग हस्तांतरण नहीं करने और निर्माण-रखरखाव की घटिया सेवाओं पर जताई नाराजगी

जयपुर। राजधानी जयपुर में रविवार को महिमा फ्लोरेंज़ा परिसर में निवासियों ने सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक करीब 3 घंटे तक विरोध-प्रदर्शन किया। सभी लोग काले बैज पहनकर विरोध में शामिल हुए।

यह प्रदर्शन महिमा बिल्डर द्वारा रखरखाव शुल्क में एकतरफा और जबरदस्ती की गई वृद्धि, तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी सोसाइटी को बिल्डिंग का हस्तांतरण न किए जाने तथा निर्माण एवं रखरखाव एजेंसी फाइनटेक द्वारा दी जा रही घटिया सेवाओं के खिलाफ किया गया।

निवासियों ने सामूहिक रूप से निर्णय लिया है कि जब तक उनकी जायज़ माँगें पूरी नहीं की जाती, तब तक यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। सभी निवासियों ने प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि फ्लोरेंज़ा के निवासियों की समस्याओं पर शीघ्र संज्ञान लिया जाए और हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाए।

सार-समाचार

गौ-सेवा और जरूरतमंदों की मदद के साथ 'राहत-2025' का दूसरा चरण शुरू

जयपुर। 'सोसाइटी फॉर पब्लिक ग्रीवान्सेस (एस.पी.जी.) इंडिया' की ओर से ''राहत 2025'' अभियान का दूसरा चरण शुरू कर दिया गया है। अध्यक्ष प्रो. बी. डी. रावत एवं सचिव डॉ. गोविंद रावत वरिष्ठ अधिवक्ता ने बताया कि रविवार प्रातः 5 बजे राजस्थान के सात विभिन्न स्थलों पर गायों को चारा खिलाने और सेवा कार्य से अभियान का शुभारंभ किया गया। इसके बाद 11 स्थानों पर कबूतरें को दाना एवं ज्वार अर्पित कर जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और संवेदनशीलता का परिचय दिया गया। इसके बाद समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को गर्मी और मानसून की बारिश से बचाव के लिए छतरियां वितरित की गईं। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष गिर्राज देवी ने बताया कि श्रद्धा और भक्ति के साथ रुद्राभिषेक एवं शहस्त्रघट अनुष्ठान संपन्न हुए तथा अनेक मंदिरों में मूर्तियों को 'पोशाक धारण' (परंपरागत वस्त्र अर्पण) कराए गए। ''राहत 2025'' के शुभारंभ अवसर पर राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जे.के. रांका (सेवानिवृत्त) की उपस्थिति रही। उन्होंने आधिकारिक रूप से ''सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रीवेंस (एसपीजी) इंडिया' के संरक्षक के रूप में पदभार ग्रहण किया। संयोजक विजय लक्ष्मी एवं प्रेम कांत ने बताया कि किया कि राधा दामोदर मंदिर, चौड़ा रास्ता में भक्ति कार्यक्रम एवं पोशाक अर्पण का आयोजन किया गया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कार्यकारिणी सदस्य पुनरी विक्रांत व्यास एवं महंत मलय गोस्वामी ने युवाओं को धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी के लिए प्रेरित करने पर बल दिया, ताकि अगली पीढ़ी में नैतिक मूल्य एवं आध्यात्मिक उत्तरदायित्व का भाव जाग्रत हो सके। संयोजक डॉ. गुंजन खंडेलवाल, दक्षेश एवं दर्श ने बताया कि 'राहत 2025' चरण 2 के अंतर्गत अगले 20 दिनों तक विविध सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी।

प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना का सम्मान

जयपुर। कायस्थ इन्टीग्रेटेड फ़ोरम व चित्रांश हितकारिणी सभा जयपुर के बापू नगर में श्री चित्रगुप्त ज्ञान मंदिर में आयोजित सम्मान समारोह में जयपुर के वरिष्ठ होम्योपैथ प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना को उत्कृष्ट, सर्वश्रेष्ठ व सर्वोपरि समाज सेवा कार्यों के लिए ''अंतराष्ट्रीय कायस्थ रत्न'' से नवाज़ा गया। पुरूस्कार स्वरूप उन्हें संस्था के पदाधिकारियों, देवेंद्र मधुकर, डॉ. अनिल सक्सेना व चित्रगुप्त पीठ वृंदावन के पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानन्द महाराज ने उन्हें शॉल, दुपट्टा उढाकर प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा प्रो. डॉ. सक्सेना के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वर्तमान में प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में, वरिष्ठ आचार्य एवं चिकित्सक हैं।

धाकड़ महासभा की कार्यकारिणी गठित

जयपुर। राजस्थान धाकड़ महासभा की जनरल बॉडी मीटिंग रविवार को जयपुर के झोटवाड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में जोश और उत्साह के साथ संपन्न हुई। बैठक में प्रदेशभर से समाज के प्रमुख पदाधिकारी और वरिष्ठजन जुटे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक एवं कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बी. एल. वर्मा ने की। बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। पूर्व अपर एवं जिला न्यायाधीश रमेश सिंह धाकड़ को संगठन का नया अध्यक्ष बनाया गया, जबकि जयपुर नगर निगम के पार्षद शेर सिंह धाकड़ को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए लालाराम धाकड़ को चुना गया। शेर सिंह धाकड़ ने बताया कि बैठक में 27 मई को खानपुर में आयोजित महाअधिवेशन के कार्यों की समीक्षा की गई।

1.56 किलो अफीम जब्त, तस्कर पकड़ा

जयपुर। भांकरोटा थाना पुलिस ने अफीम की तस्करी करते दो लोगों को पकड़ा है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 1.56 किलो अफीम जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में कन्नोज यूपी निवासी 20 वर्षीय रोहित और सौरभ को अरेस्ट किया है। आरोपियों को पुलिस ने रिंग रोड के पास से पकड़ा है। पुलिस अब आरोपियों के नेटवर्क को तलाशने में जुट गई है।

संगीत आश्रम में सुर साधकों की तैयारी का उम्दा प्रदर्शन

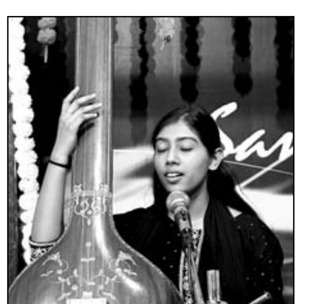

जयपुर। संगीत आश्रम संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय शास्त्रीय संगीत समारोह के दूसरे दिन रविवार को शास्त्रीनगर स्थित संस्थान परिसर में संजोए क्लासिकल म्यूजिक कॉन्सर्ट में संस्थान के ही अनेक संगीत साधकों ने विभिन्न राग-रागनियों के सुर साध कर अपनी तैयारी पक्ष उम्दा प्रदर्शन किया।

तमाम सुर साधकों ने सुर, लय और ताल में विभिन्न रागों की बंदिशों की दिलकश प्रस्तुतियों से मुतास्सिर किया। कलाकार वनिता हीरानी ने राग कामोद की बंदिश कारे जाने न दूंगी..., सुमित्रा अग्रवाल ने राग मारु बिहाग की रचना कलना परे तुम बिन श्याम...,खुशबू कंवर ने राग नंद की रचना अजहूं न आए मेरे श्याम...,जयति कुमारी ने राग चारुकेसी की बंदिश सपनवा में आओ ना हरि..., हिमांशु वर्मा ने राग बागेश्री की रचना कौन करत तोरी विनती..., लक्ष्य शर्मा और विमर्श स्वामी ने राग कामोद की बंदिश सोहेलरा गावो रे..., की सुरीली प्रस्तुति में सुरों के खूबसूरत लगाव, ठहराव का खूबसूरत संयोजन दर्शाकर मौजूद श्रोताओं के दिलों को छू लिया। इसी प्रकार गिटार के कलाकार नितेश कुमावत, आलिया, सतकृति ने राग देस और नीत खत्री ने राग भीमपलासी में रजाखानी गत पेश की। तबले पर लक्ष्य शर्मा और हारमोनियम पर हरीश नागौरी ने संगत की। संगीत आश्रम संस्थान सचिव अमित अनुपम ने बताया कि सोमवार को शाम 5.30 बजे शास्त्रीय कथक नृत्य संध्या होगी।

पुरु शर्मा ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय के पंचवर्षीय विधि प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। गत 8 जून को ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा आयोजित हुई थी, तत्पश्चात 13 जून से 24 जून तक अभ्यर्थियों के ग्रुप डिस्कशन और व्यक्तिगतसाक्षात्कार हुए थे, इसमें जयपुर के पुरु शर्मा ने प्रथम स्थान अर्जित किया है। पुरु शर्मा ने 12वीं कक्षा केंद्रीय विद्यालय संख्या एक, बजाज नगर, जयपुर से उत्तीर्ण की है। पढ़ाई के साथ ही साथ वह बॉक्सिंग के भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और स्कूल स्तर पर कई पदक जीते हैं और हाल ही में यूथ नेशनल भी खेला है। पुरु शर्मा की मां पल्लवी शर्मा जयपुर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर मेट्रो द्वितीय है और पिता पवन शर्मा विद्युत विभाग में सहायक निदेशक हैं। पुरु ने खेल के साथ निरंतर पढ़ाई जारी रखी।

प्रताप नगर में ज्वैलर से 10 किलो चांदी और एक किलो सोना लूटा

- स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने बाइक सवार ज्वैलर को टक्कर मारकर की लूटपाट, 20 हजार की नकदी भी छीनी
- पुलिस ने वारदात की सूचना पर नाकाबंदी करवाई, परंतु बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने बाइक सवार ज्वेलर को टक्कर मारकर 10 किलो चांदी, एक तोला सोना और 20 हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका-मुआवना कर इलाके में नाकाबंदी भी करवाई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लग पाया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी मनोज बेरवाल ने बताया कि सेक्टर 26 स्थित प्रेम मंदिर के पास शनिवार रात स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने बाइक सवार ज्वेलर चन्द्र प्रकाश सोनी को टक्कर मारकर 10 किलो चांदी, एक तोला सोना और 20 हजार रुपए लूट लिए। घटना रात की है, जब चन्द्र प्रकाश अपनी दुकान शुभम ज्वेलर्स बंद कर बाइक से घर जा रहे थे।

इस दौरान बदमाशों ने स्कॉर्पियो से ज्वैलर की बाइक को टक्कर मारी, जिससे वह गिर गए। इसके बाद बदमाशों ने मारपीट कर उनका बैग छीन लिया और फरार हो गए। बैग में 10 किलो चांदी, एक तोला सोना और 20 हजार रुपए थे। लूट की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस सहित आसपास के थानों की टीमें मौके पर पहुंचीं और बदमाशों की तलाश में छापेमारी शुरू की।वहीं कंट्रोल रूम के निर्देश पर पूरे शहर में ए-श्रेणी की नाकाबंदी की गई, लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और साथ ही संदिग्धों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

शिव-पार्वती विवाह देखकर झूम उठे श्रद्धालु

श्री शिव महापुराण कथा में उमडा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम

बनीपार्क में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिवस रविवार को भगवान शिव और पार्वती का विवाह की जीवंत झांकी सजाई गई।

जयपुर। कांति चंद रोड, बनीपार्क स्थित कथा पांडाल में चल रही श्री शिव महापुराण कथा के चौथे दिवस का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। व्यासपीठ से पूज्य संतोष सागर महाराज ने सती चरित्र, माता पार्वती का जन्म एवं भगवान शिव और पार्वती विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण व सजीव वर्णन प्रस्तुत किया।

महाराज ने अपने दिव्य प्रवचन में कहा कि आत्मा का परमात्मा से मिलन ही शिव में लीन होना है। शिव वैराग्य, योग और भक्ति के प्रतीक हैं। गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी शिव की तरह साधना, समर्पण और धर्म का पालन किया जा सकता है।

कथा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह महोत्सव का दृश्य अत्यंत हर्ष और उल्लास से मनाया गया। भक्तगण विवाह के प्रतीकात्मक आयोजन में झूम उठे। भगवान शिव की बारात भव्य स्वागत के साथ पहुंची, जिसमें वर पक्ष का नेतृत्व रवि प्रकाश सैनी और वधू पक्ष का संचालन मनोज पंसारी ने किया। विवाह के सभी पारंपरिक संस्कार प्रतीकात्मक रूप से किए गए। कथा पांडाल हर हर महादेव के जयघोषों से गुंजायमान हो गया और श्रोताओं ने भजनों पर नृत्य कर शिव विवाह की आनंदमयी छटा को जीवंत कर दिया।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक कैलाश , विश्व हिंदू परिषद के संगठन मंत्री राजा राम योगगुरु ढाका राम, जयपुर हैरिटेज नगर निगम की मेयर कुसुम यादव, पूर्व चेयरमैन अजय यादव, गौसेवक भगवती चौधरी तथा माहेश्वरी समाज के प्रतिष्ठित नागरिक उमेश सोनी, प्रमोद हुरकट, प्रकाश माहेश्वरी, श्री राम कोड़िया, चंद्रप्रकाश खंडेलवाल, गिर्राज नाटाणी, चेतन कुमावत, त्रिलोक खंडेलवाल, दीपक गोयल, हरीश बागड़ी, शिव थिरानी आदि उपस्थित रहे।

संतोष सागर महाराज ने शिव परिवार के विभिन्न वाहन-नंदी, शेर, मूषक, मोर-का उल्लेख करते हुए कहा कि ये जीवन में विविधताओं के साथ सहिष्णुता व समरसता का संदेश देते हैं। मछुआरे और मछली की कथा द्वारा यह समझाया गया कि ईश्वर से दूरी ही दुखों की जड़ है, जबकि ईश्वर से जुड़ाव ही सच्चा सुख देता है।

कार्यक्रम में श्री शिव महापुराण कथा समिति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व सैकड़ों श्रद्धालुजन भी उपस्थित रहे, जिन्होंने कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

गोविन्द देवजी मंदिर में गायत्री महायज्ञ संपन्न

- सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया 1 वर्षीय जप साधना का संकल्प

जयपुर। गोविंद देवजी मंदिर प्रांगण में रविवार सुबह पंच कुंडीय साधना संकल्प गायत्री महायज्ञ वैदिक विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुआ। जयपुर सहित आस-पास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित हुए।

यह आयोजन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की महिला टोली-गायत्री कचोलिया और गायत्री तोमर के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुआ। उन्होंने प्रज्ञा गीतों और युग प्रवचनों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को प्रेरणा दी तथा यज्ञ में गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र से आहुतियाँ अर्पित करवाईं। पूरे विश्व में मंडराए युद्ध के बादल छंटे और भारत विकसित राष्ट्र बनकर विश्व गुरू बने इस कामना के साथ विशेष आहुतियां भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में ठाकुर श्री राधा गोविंद देव जी, वेदमाता गायत्री, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं भगवती देवी शर्मा का पंचोपचार पूजन विधिपूर्वक किया गया। यज्ञ में उपस्थित सैकड़ों साधकों ने एक वर्ष तक गायत्री महामंत्र के नियमित जप का संकल्प लिया। नए साधकों ने प्रतिदिन तीन माला जप का संकल्प लिया, जबकि अनुभवी साधकों ने वर्ष भर में पाँच लाख मंत्रों के जप का व्रत लिया।

मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सम्पन्न इस कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के सह व्यवस्थापक मणिशंकर पाटीदार ने कहा कि नवयुग सृजन साधना अभियान का उद्देश्य आत्मपरिष्कार और वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करना है। उन्होंने कहा, घर-घर साधना, गांव-गांव आराधना और नगर-नगर आत्मजागरण के उद्देश्य से यह अनुष्ठान अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध हो रहा है।

Looking Towards the Sky

On June 30, International Asteroid Day has everyone looking towards the skies. The day was founded after the 2014 release of the film *51 Degrees North*, which explores what would happen if an asteroid were to strike London. The film's creative team (many of whom are scientists) wanted to raise more awareness about the threat of asteroids to earth. In 2015, they celebrated the world's first International Asteroid Day. There are over one million asteroids in space that could potentially strike the earth, but modern scientists have only discovered about one per cent of them. The day focuses on spreading the word of the declaration and helping fellow Earthlings prepare for a potential asteroid impact.

His Death Shaped U.S.-Iran Relations for Decades

Imbrie's assignment to Persia came as the U.S. was eyeing access to the country's oil reserves, which the U.K. had dominated since the first geyser in the region spouted in 1908. The U.S. was lagging behind and seeking an entry point to the lucrative industry. Direct American engagement with Persian politics was limited. But Arthur Millspaugh, an American financial adviser employed by the Persian government, was working to restructure the foreign country's finances, including increasing revenue through taxes. His involvement made him, alternatively, friend and foe to an ascendant politician: Reza Shah Pahlavi (then known as Reza Khan), an officer in the Russian-style Persian Cossack Brigade.

Arrival of body of Maj Imbrie at Wash Navy Yard.

● Francine Uenuma

Editors' note, June 23, 2025: The United States bombed three sites in Iran on June 22, joining Israel's military campaign against the country. As the conflict enters a new phase, Smithsonian magazine is resurfacing this 2024 article about an American diplomat who was assassinated in Tehran in July 1924.

American diplomat Robert Imbrie arrived in Tehran in May 1924, two months after Prime Minister Reza Khan, a military officer who'd seized control of the country in a 1921 coup, tried, and failed, to turn Persia (now Iran) into a republic.

A crowd attacked Imbrie on July 18. Reza capitalized on the assassination to impose martial law and present himself to the U.S. as the only leader capable of maintaining order. He named himself Persia's monarch the following year.

American Vice Consul Robert Imbrie approached the crowd gathered at a sacred fountain in Tehran, the capital of Persia (now Iran), on the morning of July 18, 1924, wary due to ominous outbreaks of violence in recent weeks. His status as a diplomat did little to shield him when a member of the throng accused him of poisoning the water source. Incensed, the mob attacked Imbrie and pursued him through the streets. Four hours later, Imbrie died of his injuries, becoming the first United States Foreign Service officer to be assassinated abroad.

Imbrie's killing angered the U.S. and inadvertently fueled the rise of an autocratic Iranian ruler who benefited from his death. The vice consul's story also intersects with two flashpoints in Iranian-American relations: a 1953 coup backed by the CIA and the 1979 Iran hostage crisis. On a more personal level, Imbrie bore the grim distinction of being the victim of 'the most atrocious assault upon an official of the United States government in the history of this republic,' as one member of Congress put it in 1927.

Imbrie was not only a diplomat but also a lawyer, a wartime volunteer and a spy. Born in Washington, D.C. on April 23, 1883, he was taken in by relatives upon the deaths of his parents. After graduating from Yale Law School, he worked as an attorney in between travels to Europe and a 1911 expedition to Congo, which piqued his sense of adventure.

During World War I, Imbrie volunteered as an ambulance driver in Europe, bolstered by his belief in the Allied cause. (The U.S. had not yet entered the war when he arrived in France in late 1915.) The conflict proved to be the most consequential event of Imbrie's youth. As he later recounted in his 1918 book, *Behind the Wheel of a War Ambulance*, he found himself alongside the likes of cowboys, mercenaries, a prospector and a football player.

"At the outbreak of the war, the restless ones of the earth flocked to France, drawn there by the prospect of adventure and a desire to sit in the game," Imbrie wrote of his comrades and, by extension, of himself. Volunteering offered an opportunity to test his mettle: Hearing the rumble of gunfire for the first time, he 'wondered whether my nerve would hold when confronted with the conditions I had come to seek.'

Imbrie didn't hesitate when next offered a stint on the Eastern Front, which took him to Greece and Albania. His lengthy service earned him distinction.

"His curiosity, his interest in people and his adventuresomeness are just part of his personality," says Susan M. Stein, author of *On Distant Service*, a 2020 biography of Imrie.

After leaving the French Army in April 1917, Imbrie pivoted to the diplomatic realm. He was appointed the U.S. vice consul in Petrograd (now St. Petersburg) and arrived in Russia shortly before the Bolsheviks rose to power that November. It was a high-stakes first posting: In early 1918, the advance of the German Army prompted the relocation of the consulate's American staff. But Imbrie soon returned to become the U.S.'s sole representative in Petrograd.

While in Russia, Imbrie witnessed a peasant shot dead by a guard over a miniscule amount of food, a portent of the Great Famine that would soon claim millions of lives. Referencing the Bolsheviks in a 1919 telegram, the vice consul wrote, "For every reason, economic, political, humanitarian, should this menace to the world's peace be stamped out."

The rise of Bolshevism, and Imbrie's defiance of it, defined his tenure. He was tasked with gathering intelligence and assisting detained American citizens, a task that led to confrontations with the feared secret police. Imbrie's work placed him in such peril that unsubstantiated rumours of Bolshevik involvement in his death persisted for years.

"I'm never looking for trouble," Imbrie told the *New York Times* in 1918, "but if it comes, I'll welcome it with open arms."

By August 1918, the Bolsheviks were arresting foreigners, making Imbrie a marked man. Norwegian diplomats helped him escape.

Imbrie never returned to Petrograd, but his next destination was about as close as he could get: In early 1919, he arrived in Viborg, Finland (now part of Russia), where 'his work consisted largely of securing intelligence reports on the Russian situation. It was a thrilling life,' the *New York Times* reported.

The next year, Imbrie was sent to the ascendant Turkish nation, then forming out of the remnants of the Ottoman Empire. Initially posted to Constantinople (now Istanbul), he met a young Allen Dulles, future head of the CIA, who began his posting there around the same time.

Imbrie also met Katherine Gillespie, a relief worker whom he married in Constantinople on December 26, 1922. The newlyweds lived in a converted boxcar in Angora (now Ankara), where they were 'the center of much admiration in local social circles,' *Time* noted. The Imbries' next move was to Persia, an assignment supported by Dulles, then chief of the State Department's Near Eastern Affairs Division. Upon the couple's arrival in May 1924, the department asked Imbrie to delay his posting to Tabriz so that he could fill in for the Tehran-based consul, who was on leave. Persia itself was in a state of flux. In 1906, the successful Constitutional Revolution created a new parliamentary body, challenging the waning vestiges of the centuries-old monarchy. Clerical leaders, representing the majority Shiite Muslim population, secured political clout under the new constitution. Caught in the middle of a longstanding rivalry between the United Kingdom and Russia, Persia was also transformed by the turbulence of World War I.

Imbrie's assignment to Persia came as the U.S. was eyeing access to the country's oil reserves, which the U.K. had dominated since the first geyser in the region spouted in 1908. The U.S. was lagging behind and seeking an entry point to the lucrative industry.

Direct American engagement with Persian politics was limited. But Arthur Millspaugh, an American financial adviser employed by the Persian government, was working to restructure the foreign country's finances, including increasing revenue through taxes. His involvement made him, alternatively, friend and foe to an ascendant politician: Reza Shah Pahlavi (then known as Reza Khan), an officer in the Russian-style Persian Cossack Brigade.

In 1921, Reza supported a coup that won him control of Persia's armed forces; in 1923, he rose to the position of prime minister. He tried to take his restructuring one step further, pushing for a republic-style government in March 1924, but met with opposition, particularly from Shiite clerical leaders like Sayyid Hassan Modarres. In December 1925, Reza declared himself monarch (shah) of Persia, founding the Pahlavi dynasty just a year and a half after Imbrie was killed.

"There was quite a bit going on in addition to all of the oil interests in the country, so political, religious, commercial, all of these factors were coming together as Imbrie entered Persia," says Stein.

Once again, Imbrie was ready to venture into new terrain. Recounting his journey to Persia from Baghdad, the vice consul wrote dryly to his friend John Oliver La Gorce, vice president of the National Geographic Society: "I began to feel, when I saw men wearing knives, that at last we were in a he-country. We had poor luck, not being held up or shot at, but aside from this had a very good trip."

The term 'he-man' (or, in this case, 'he-country') is one that Imbrie used often in his writing. According to Stein, it was indicative of the model of manhood he wanted to emulate. As Dulles once wrote, Imbrie was 'a man of … impetuous disposition.'

Many of the Americans living in Tehran at the time were Presbyterian missionaries, who had established schools and medical facilities there. The Imbries quickly befriended a prominent member of that community, Harry P. Packard, a physician who had spent nearly two decades in Tehran. Soon, Packard would attend to the mortally wounded Imbrie.

The weeks leading up to Imbrie's killing saw a spate of violent incidents against the Baha'i, a minority religious group viewed as a heretical sect by the majority Shiite Muslim population. Imbrie sensed the inflaming of religious belief for political ends, noting in a June 11, 1924 dispatch that the demonstrations were 'engineered by the mullahs (Muslim clergy), subsidized by the government.' He added, "Mobs fired by oratory and hashish swarmed through the streets, unhindered by the police, crying against Baha'ists."

For Reza, anger at the Baha'is was a far preferable focus for mullah-led opposition than his own tenuous grasp on political power. "The violence in the streets, which is aimed against the Baha'is is, in a sense, Reza's way of yielding to the clergy," says Michael Zirinsky, an emeritus historian at Boise State University, who has written extensively about this period.

Reza's stature had been eroded by his failed bid that sprung to form a republic. It was made even more precarious by a wave of demonstrations over the July 3 killing of a popular newspaper editor by two police agents. "There was this wide hostility to the idea of a republic, and there were demonstrations against Reza, and in early 1924, it looked very much like he had lost his grip," says Zirinsky.

Imbrie waded directly into this tumult, defending two American Baha'i women, physician Susan Moody and nurse Elizabeth Stewart, after angry crowds gathered outside of their home. By demanding government protection, Moody later asserted to reporters that the diplomat had drawn the ire of the crowd. She harbored 'no doubt' that Imbrie had 'sacrificed his life for us.'

Around 11 A.M. on July 18, Imbrie, accompanied by Melvin Seymour, a prisoner of the U.S. consulate, approached a fountain where, rumour had it, a Baha'i had been struck blind for failing to pay proper homage to Shiite saints. Some reports claimed a camera carried by Imbrie set the crowd off; another account by Packard asserted that 'a Mohammedan priest suddenly cried out, pointing at Major Imbrie: "He has put poison in the well!"' Still other reports suggested the crowd believed the men to be Baha'is themselves.

As the mob turned on Imbrie and Seymour, they hastily retreated to their carriage, making their way to the nearby Cossack barracks, which Reza then commanded. But they found no harbor there, and blows rained down on them from demonstrators and Cossack soldiers alike. The bloodied men escaped to the hospital, where Packard rushed to attend to Imbrie's wounds, but the rioters soon breeched the building, tearing tiles from the floor of the operating room and using them to inflict grievous wounds on Imbrie's skull. According to Packard's post-mortem report, Imbrie sustained more than 138 wounds, many from sharp objects. He was conscious throughout the attack.

Four horrific hours later, at 3 P.M., Imbrie succumbed to his injuries. He was 41 years old. Seymour, meanwhile, eventually recovered and returned to the U.S.

News of Imbrie's death was met with shock and umbrage. While the possibility of violence against a foreigner amid the anti-Baha'i agitation was well known, the fact that Imbrie's status as an American Foreign Service officer had done nothing to save him, was especially disturbing.

The U.S. threatened to withdraw its representation in Persia and issued a series of demands, among them full financial compensation for the repatriation of Imbrie's body, with full military honours, and additional compensation for his wife, Katherine, who was attacked in a car after her husband's death.

"The thing that struck me about the archives was that they reflect ignorance, arrogance and a determination to get revenge on the Persians," says Zirinsky. "And a lot of this seems to be directed by Allen Dulles," Imbrie's friend and boss.

Imbrie's body arrived in Quantico, Virginia, in late September. His funeral at Washington's storied New York Avenue Presbyterian Church was attended by President Calvin Coolidge, and Dulles was among his pallbearers. The words 'French Army' and 'Foreign Service,' highlighting the start and end of Imbrie's career overseas, are inscribed on his headstone at Arlington National Cemetery, where he is buried alongside Katherine, who died in 1968.

Initially, the Persian government claimed the deaths were an 'accident' caused by Imbrie and Seymour's 'own carelessness in going to a sacred place and persisting in taking pictures.' Millspaugh, the economic adviser, similarly argued that 'a foreigner should have realized the extreme danger with respect to any religious manifestation, of provocative action or inappropriate intrusion.'

Whatever role Imbrie might have played in inciting the crowd, Persian representatives moved quickly to assure American officials that 'the culprits will receive drastic punishment after their trial,' as *Time* reported. The trial would take place under martial law, freshly imposed by Reza.

The Persian prime minister could 'make use of the present crisis to rid himself of clerical opposition,' the *New York Times* predicted in an article about the decline of 'Mohammedan' influence in the country. "His chance for putting through reorganization will be measurably better."

'Reorganization' was a euphemism for what came next. Reza oversaw the arrest and trial of three teenage scapegoats. Though the court sentenced all three to death, the Persian government commuted two of these sentences to life imprisonment, a reversal that attracted the ire of Dulles and leading politicians in Washington. Ultimately, the Persians moved forward with the three executions, fulfilling their promise that American representatives could bear witness to the proceedings.

The teenagers, ranging in age from 14 to 19, would pay for the mob's actions with their lives. As Zirinsky wrote in a 1986 journal article, "Despite strong evidence of high-level military involvement in the riot that led to Imbrie's death, the United States did not insist on punishment of high-ranking officers, nor did it distance itself from a prime minister who also had been implicated."

Whether Reza effected, enabled or cunningly took advantage of Imbrie's death is impossible to prove. Speaking to reporters, Packard suggested that the death of an American in Persia was a political maneuver planned as an excuse to declare martial law. "The speed with which Reza moves is just amazing," says Stein, highlighting the prime minister's fall 1924 military campaign to bring outlying regions firmly under his control. "It just seems so much was in readiness." The executions seemed sufficient to quell the diplomatic outrage, in part by affording Reza the opportunity to present himself to the U.S. as the only viable alternative to the 'fanatical mobs,' as they were described in contemporary accounts.

"The choice is between a military dictator and chaos under clerical leaders like Modarres," says Zirinsky.

By the end of 1925, Reza had named himself monarch. On April 25, 1926, he was crowned in a dazzling coronation, marking the culmination of his ascension to the famed Peacock Throne of Persia.

Two decades later, Reza's rule was interrupted by the geopolitical shuffle of World War II. Known as Iran since 1935, the shah's domain boasted oil and a vital location as a supply corridor. In the aftermath of Germany's 1941 invasion of the Soviet Union, which bordered Iran at the time, the U.K. forced Reza to abdicate, replacing him with his more acquiescent eldest son, Mohammad Reza Pahlavi.

The younger shah faced his own major crisis involving foreign powers. In 1951, Iranian politician Mohammed Mossadegh, who had opposed granting Reza monarchical powers in 1925, was named prime minister. Mossadegh attempted to nationalize Iran's lucrative oil reserves, attracting the ire of the U.K., which had retained control of the oil fields after World War II. To take down Mossadegh, the British turned to the CIA, then under the leadership of none other than Imbrie's one-time friend Dulles. Fearful of the Soviet Union's growing influence in Iran, the American agency orchestrated a coup that ousted Mossadegh from power in August 1953.

After fleeing the country during the tumult of Mossadegh's overthrow, the shah was promptly reinstated. Over the next two decades, his brutal repression of dissent engendered resentment, as did the U.S.'s support of him.

On November 4, 1979, student supporters of the Shiite cleric Ayatollah Ruhollah Khomeini stormed the U.S. Embassy in Tehran, taking dozens of American citizens hostage for 444 days. The Islamic Revolution that directly preceded this attack was a seismic event, putting Khomeini, a former student of the clerical leader Modarres, in full control of Iran and ending the Pahlavi dynasty's nearly 54-year reign.

When it comes to risk, the line between justifiable curiosity and roguish recklessness is a thin one, as it was during Imbrie's fatal encounter in Tehran just over a century ago. Imbrie chose to go to the outer fringes of American diplomatic relations, affording him a life of adventure and consequence, one that ended prematurely but influenced the trajectory of his country's relationship with Iran. As Zirinsky says, "The events of 1924 show threads in Iranian culture and politics which had been there for a very long time, and they culminate again in the Islamic Revolution."

rajeshsharma1049@gmail.com

#AMERICAN DIPLOMAT IN PERSIA

Robert Whitney Imbrie, 1883-1924.

Imbrie Yale

Imbrie poses in front of a vehicle in Tehran in 1924.

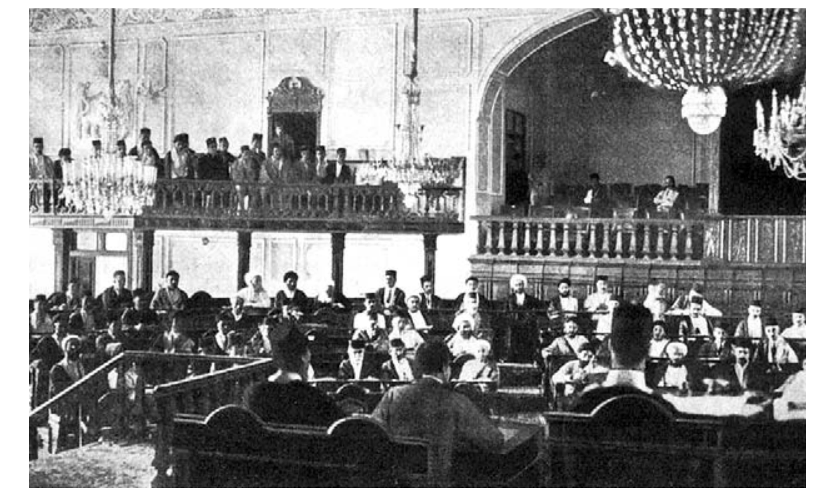

Parliament, Tehran,1906.

Reza Shah's uniform.

Allen Dulles.

Mohammad Mossadegh.

Imbrie's wife Katherine.

Reza Shah's coronation.

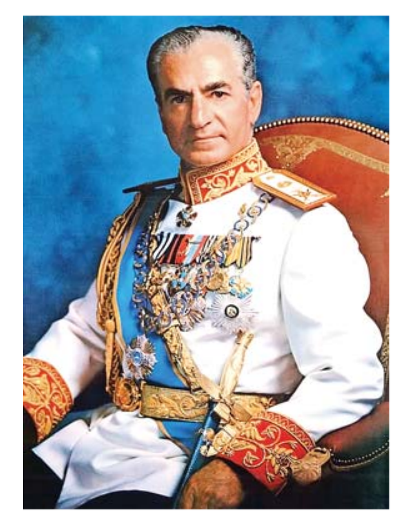

Mohammad Reza Pahalvi Shah of Iran.

Reza addresses parliament on December 6, 1925.

Iran hostage crisis- iraninan students come up US Embassy in Tehran.

THE WALL

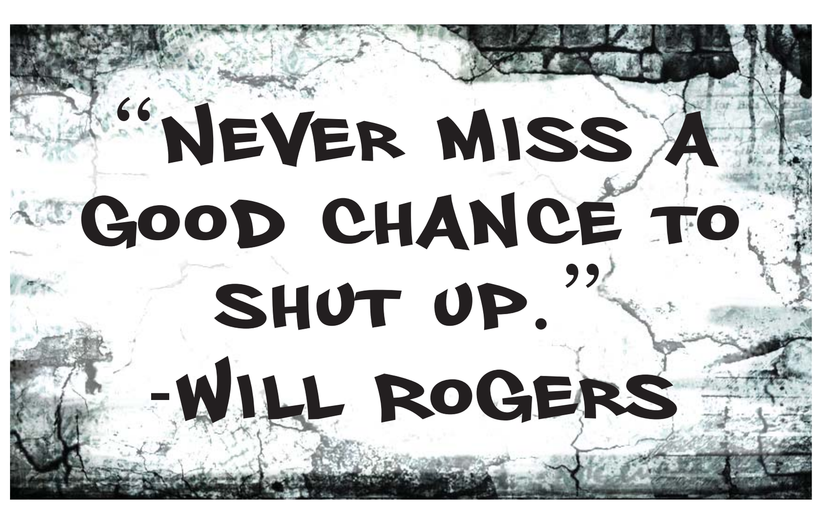

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

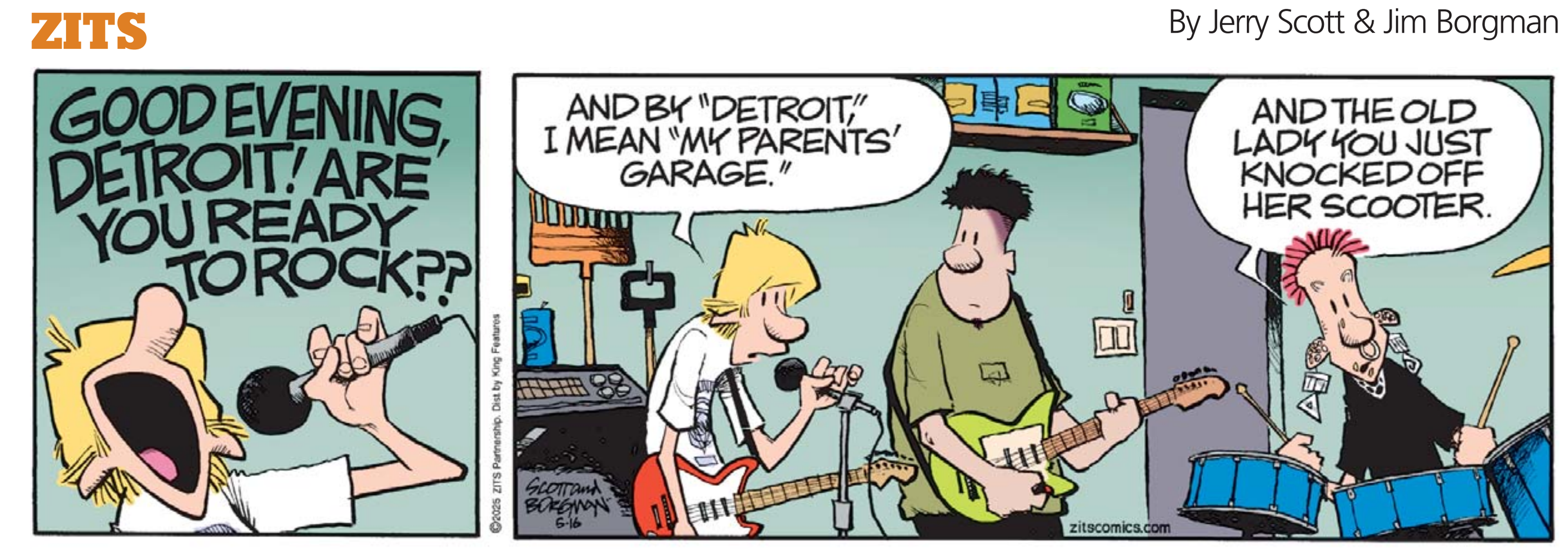

17 किलो चांदी चोरी की घटना का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

अभियुक्तों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, केरल, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, गुजरात, महाराष्ट्र में पूर्व में दर्जनों नकबजनी के मुकदमे दर्ज हैं

- **पाली में तरूण ज्वैलर्स से 17 किलो चांदी चोरी की घटना का पांच दिन में पर्दाफाश कर पुलिस ने बांसवाड़ा की अन्तर्राज्यीय गैंग के दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया**

पाली, (निसं)। पाली में तरूण ज्वैलर्स से 17 किलो चांदी चोरी की घटना का पांच दिन के भीतर ही पर्दाफाश कर पुलिस ने बांसवाड़ा की अन्तर्राज्यीय गैंग के दो अभियुक्त गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी बरामद की। अभियुक्तों के खिलाफ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, केरल, मध्यप्रदेश, तमिलनाडू, गुजरात, महाराष्ट्र में पूर्व में दर्जनो नकबजनी के मुकदमे दर्ज हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 23 जून की रात्रि में पाली शहर के मुख्य बाजार सूरजपोल पर तरूण ज्वैलर्स के छत से ताले तोड़कर 17 किलो चांदी नकबजनी की वारदात को गम्भीरता से देखते हुए विशेष टीम का गठन किया गया।

प्रार्थी तरूण खजवानिया पुत्र सूरेशचन्द निवासी पाली ने उपस्थित थाना होकर रिपोर्ट पेश की कि 24 जून को सुबह दस बजे रोजाना की तरह आकर दुकान खोली तो दुकान में सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था तथा सभी काउंटर के ड्रॉवर, दरवाजे टूटे हुये थे। जिनमें रखी चांदी गायब थी तथा दुकान के उपर जाकर देखा तो द्वितीय मंजिल पर भी ताले तोड़े हुए थे। उपर छत के रास्ते से मैन दरवाजे के ताले तोड़ अंदर घुसकर करीब 17 किलो चांदी के जेवरात चोरी कर के ले गये। इस बड़ी नकबजनी की घटना को गंभीरता से लेते हुए तुरन्त मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाली विपिन शर्मा आरपीएस, सहायक पुलिस अधीक्षक वृत पाली शहर उषा यादव आई.पी.एस. एवं अनिल कुमार नि.पु. थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली मय टीम ने घटनास्थल का गहनता से निरीक्षण किया। मौके पर एमओबी टीम को बुलाकर फुट प्रिन्ट एंव फिंगर प्रिन्ट लिये गये।

थानाधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में टीम का गठन किया जाकर घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को गहनता से विश्लेषण किया गया। रात के समय शहर के अन्दर आने और जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति एंव वाहन को वेरिफाई किया गया तथा करीब 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे चैक कर घटना कारित करने वाले अभियुक्तों की पहचान की गई। तत्परता दिखाते हुए टीम द्वारा दिन रात मेहनत करके बासंवाड़ा की अन्तर्राज्जीय गैंग के दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। अभियुक्त बालेरो गाड़ी से अपने घर बासंवाड़ा से रवाना होकर देशभर में बड़े शहरों में दिन के समय में रैकी कर वारदात को अजांम देते हैं। पुलिस ने दिनेश पुत्र मनजी मईडा भील निवासी पाडला गणेशीलाल पुलिस थाना भंगड़ा जिला बासंवाड़ा, राजू पुत्र बापूलाल निनामा भील, निवासी गांव चिप पुलिस थाना भंगड़ा जिला बासंवाड़ा को गिरफ्तार किया।

जुआ खेलते सात जने गिरफ्तार, नगदी व ताश पत्ती बरामद

विराटनगर थाना पुलिस ने जुआ खेल रहे सात लोगों को गिरफ्तार किया।

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस द्वारा पालड़ी ग्राम के पास जुआ खेल रहे 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 6860 रुपये की नगदी और 104 ताश पत्तों को बरामद किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल के नेतृत्व में गठित टीम उपनिरीक्षक कश्मीर सिंह, कांस्टेबल देवीलाल, कांस्टेबल कृष्ण लाल द्वारा मुखबिर की सूचना पर पालड़ी ग्राम के लिए पास जुआ खेलने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए 7 अभियुक्तों हरफूल पुत्र सुगल चंद उम्र 22 साल निवासी पालड़ी, प्रहलाद पुत्र भागीरथ उम्र 59 साल निवासी पालड़ी, महेश कुमार पुत्र मन्नालाल उम्र उम्र 45 साल निवासी पालड़ी, घनश्याम पुत्र उमराव उम्र 23 साल निवासी झाड़ौदिया की ढ ाणी, शंकर लाल पुत्र रामचंद्र उम्र 35 निवासी श्यामपुरा, गजेन्द्र सिंह पुत्र प्रहलाद सहाय उम्र 30 साल निवासी पालड़ी, रोशन पुत्र लीलाराम उम्र 19 साल निवासी पालड़ी को 6860 रुपये की नगदी और 104 ताश पत्तों के साथ गिरफ्तार किया जाकर अभियुक्तों के खिलाफ आरपीजीओ में मामला दर्ज किया।

अवैध रूप से गौवंश परिवहन करने पर कंटेनर जब्त

कंटेनर में 33 जीवित गौवंश (बछड़े) रस्सियों से बंधे होकर भरे हुये मिले

रूपनगढ़ में पुलिस ने अवैध रूप से गौवंश परिवहन करने वाले कंटेनर को जब्त किया।

रूपनगढ़, (निसं)। रूपनगढ़ में पुलिस ने अवैध रूप से गौवंश परिवहन करने वाले कंटेनर को जब्त किया। वहीं चालक मौके का फायदा उठाकर भाग गया।

वंदिता राणा पुलिस अधीक्षक, अजमेर के दिशा निर्देशन व डॉ. दीपक शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण अजमेर तथा उमेश गौतम, वृताधिकारी वृत किशनगढ़ ग्रामीण के सुपरविजन में थानाधिकारी सत्यवानसिंह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु लोकल एवं स्पेशल एक्ट के तहत अवैध गौवंश के विरूद्व कार्रवाई करते हुये सिणगारा रोड़ पर नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी में वाहनों की चैंकिग के दौरान एक कंटेनर चालक द्वारा नाकाबंदी देख वाहन को नाकाबंदी स्थान से पूर्व ही रोककर वाहन को छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर खेत में लगे पेड़ों में ओझल हो गया, जिसकी काफी तलाश की गई मगर नहीं मिला। कंटेनर को खोलकर देखा तो कंटेनर में 33 जीवित गौवंश (बछड़े) रस्सियों से बंधे होकर भरे हुये मिले। जिस पर अवैध रूप से गौवंश का परिवहन करने से वाहन को जब्त किया गया। 33 जीवित गौवंश (बछड़े) श्री माधव गोशाला सेवा समिति रूपनगढ़ में दाखिल करवाया गया। इस सम्बन्ध में मामला दर्ज किया जाकर अग्रीम अनुसंधान जारी है।

नाबालिग लड़की और युवक की लाश मिली

शव करीब सात दिन पुराने लग रहे हैं, शवों के पास पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड मिले

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास 15 साल की नाबालिग लड़की और युवक की लाश पड़ी मिली। शव करीब सात दिन पुराने लग रहे हैं। शवों के पास पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड मिले हैं। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि लड़की और युवक पाकिस्तानी हो सकते हैं। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तारबंदी के करीब 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय सीमा के साधेवाला इलाके में शव मिले हैं। तनोट पुलिस ने दोनों शवों को

रामगढ़ सीएचसी की मॉर्च्यूरी में रखवाया है। पोस्टमॉर्टम के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। लड़की और लड़के भारत के रहने वाले थे या पाकिस्तान के इसकी जांच की जा रही है। बॉडी के पास मिले आईडी कार्ड में युवक का नाम रवि कुमार (18) है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की सिम और कार्ड के साथ मिले शवों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों, सीमा सुरक्षा बल, जैसलमेर पुलिस जांच में जुटी है।

दुकान से जेवरात चोरी : उदयपुर में दुकान पर खरीददारी करने आए दो बदमाश सोने की बालियां चुरा ले गए। ललितसिंह ने डबोक पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 26 जून को सवेरे जूनावास स्थित मेरी दुकान पर बाइक सवार दो व्यक्ति खरीददारी करने आए थे, जहां उन्होंने अंगुठी देखने के बहाने मेरा ध्यान हटाया तथा चकमा देकर मौके पर रखी 25 ग्राम सोने की बालियों का पैकेट चुरा ले गए।

उत्तराखंड हादसा : पति-पत्नी का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार

उदयपुर, (निसं)। रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड) में बस हादसे में अपनी जान गंवाने वाले उदयपुर के वकील और उनकी पत्नी का रविवार शाम को एक ही चिता पर अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या वकील शामिल हुए और उन्हें अतिम विदाई दी। भट्टजी की बाडी स्थित उनके घर से अंतिम यात्रा निकाली गई, जो अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में पहुंची।

जानकारी के अनुसार वकील संजय सोनी (55) का शव हादसे के करीब 24 घंटे बाद घटना स्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर मिला था। इसके बाद शनिवार को सजंय की पत्नी चेतना सोनी का शव भी घटना स्थल से 10 किमी दूर मिला, जो वाहन के जरिए उत्तराखंड से रविवार करीब 4 बजे उदयपुर पहुंचा। इसके बाद शाम करीब 6.15 बजे एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। हादसे में ड्रिमी सोनी (17) निवासी उदयपुर के पदराडा हाल सूरत की मौत हुई है। उनका अंतिम संस्कार भी पदराडा में कर दिया गया। ड्रिमी पदराडा पूर्व सरपंच रामलाल सोनी की पौत्री है। उन्होंने हाल ही 12वीं की परीक्षा पास की है और नीट की तैयारी कर रही थी। हादसे में अभी तक उदयपुर के 4 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें उदयपुर गोगुंदा निवासी ललित सोनी (48) का शव रविवार शाम को मिला।

हादसे में सिरोही के सेंट्रल को.आपरेटिव बैंक के सीनियर मैनेजर भी घायल हुई। हादसे के चौथे दिन रविवार शाम को उदयपुर के गोगुंदा निवासी ललित सोनी का शव मिल गया है। उनका शव घटना स्थल से 150 किलोमीटर दूर हरिद्वार के कनखल में मिला। शव संभतय: सोमवार तक उदयपुर पहुंचेगा। ललित सोनी की बेटी मयूरी और मौली अभी तक लापता हैं। हादसे में ललित सोनी की पत्नी हेमलता गंभीर घायल हो गई थी, जिन्हें एयर एंबुलेंस से ऋषिकेश पहुंचाया गया था। अभी हेमलता सोनी ऋषिकेश एम्स में भर्ती है।

टैक्सी में मृत पशु के अवशेष मिलने पर लोगों में रोष

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के झंवर रोड पर टैक्सी में मृत पशु के अवशेष मिलने पर लोगों में रोष फैल गया। भीड़ होने पर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मौजूद लोगों से समझाइश की।

लोगों ने बताया कि झंवर के गंगाना रोड पर बुझावड़ के पास एक टैक्सी में कुछ कट्टे भरे हुए थे। मौके से निकले तो एक टैक्सी चालक सड़क पर बिखरे कुछ मांस के टुकड़ों को कट्टों में भर रहा था। संदेह होने पर उससे पूछताछ की। इसमें सामने आया कि इन कट्टों को माचिया सफारी पार्क ले जाया जा रहा है।

मामले में लोगों ने डीएफओ को फोन कर किया तो उन्होंने माचिया सफारी पार्क में ऐसी कोई टैक्सी मंगवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद लोग धरने पर बैठ गए और जांच की मांग की। सूचना मिलने के बाद एसीपी प्रताप नगर रविंद्र बोथरा राजीव गांधी नगर थाना अधिकारी सुरेश पोटलिया पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने धरने पर बैठे लोगों से समझाइश की और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

बनास नदी में डूबने से दो बालकों की मौत

मांडलगढ़, (निसं)। बीगोद थाना क्षेत्र में खेरपुरा के पास बनास नदी में डूबने से दो बालकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि बजरी माफ़िया ने बनास नदी में बड़े और गहरे गड्ढे कर अवैध बजरी का खनन किया था। इन गड्ढों में बारिश का पानी भर गया। इसी पानी मे बच्चे नहाने गए और हादसे का शिकार हो गए। खेरपुरा गांव में बनास नदी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों को अचेत हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीगोद पर लाया गया। जहां दोनों की हालत गंभीर होने पर भीलवाड़ा महात्मा गांधी अस्पताल रैफर किया।

बीगोद थाना प्रभारी जय सुल्तान ने बताया कि खेरपुरा गांव के यहां बनास नदी में नहाने के दौरान मोहम्मद अरसलान पिता आमीन लुहार निवासी गुलमंडी भीलवाड़ा और मोहम्मद मुकीम पिता अब्दुल हमीद मेव हाल मुकाम खेरपुरा निवासी हरियाणा की डूबने से मौत हो गई।

अ.भा. बिश्नोई महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया रेप केस में गिरफ्तार

हरियाणा की स्टेट क्राइम ब्रांच ने देवेंद्र बूड़िया को रेप केस में जोधपुर से गिरफ्तार किया

- **बूड़िया पर जनवरी में हिसार के आदमपुर थाने में 20 वर्षीय युवती ने रेप केस दर्ज कराया था**

जोधपुर, (कासं)। अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बूड़िया को हरियाणा की स्टेट क्राइम ब्रांच ने रेप केस में जोधपुर से गिरफ्तार किया है। बूड़िया पर 24 जनवरी 2025 को हिसार के आदमपुर थाने में 20 वर्षीय युवती ने रेप केस दर्ज करवाया था।

गिरफ्तारी के बाद बूड़िया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि 25 जून को मुक्ति धाम मुकाम में लिए गए निर्णयों का पालन करते हुए आज स्टेट क्राइम ब्रांच हरियाणा के आईओ पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में जांच में सहयोग के लिए उपस्थित हुआ, ताकि मेरे खिलाफ चल रहे षड्यंत्र का पर्दाफाश हो सके। जोधपुर के रातानाडा थानाधिकारी दिनेश लखावत ने बताया कि देवेंद्र बूड़िया को हरियाणा की स्टेट क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। इसके लिए हरियाणा की पुलिस ने स्थानीय पुलिस को सूचित करके जाब्ता मांगा था।

बूड़िया अग्रिम जमानत के लिए निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक गए, लेकिन राहत नहीं मिली। इस बीच हिसार पुलिस लगातार देवेंद्र बूड़िया की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान में दबिश देती रही। 14 मार्च को बूड़िया के पीए कल्पेश को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पीए को 4 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी।

फर्जी आइडी बनाकर धोखाधड़ी की : उदयपुर के पांच सितारा होटल के नाम से फर्जी आइडी बना कर धोखाधड़ी करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र स्थित पांच सितारा होटल लेकेण्ड व्यू अलकापुरी के रिजर्वेशन मैनेजर प्रदीक व्यास पुत्र हेतनारायण व्यास ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि अज्ञात बदमाश होटल के नाम से फर्जी आइडी बनाकर ग्राहकों व होटल प्रबंधन के साथ धोखाधड़ी कर रहा है। इस मामले में साईबर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

एनिकट में डूबने से युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप नाई थाना क्षैत्र में एनिकट में डूबने से युवक की मौत हो गई।

नाई थाना क्षैत्र अलसीगढ़ के समीप स्थित कालीवास एनीकट में डूबने से हिरणमगरी सेक्टर 4 निवासी लवकुमार जोशी (22) पुत्र अरूण जोशी की मौत हो गई। लवकुमार पढ़ाई करता था एवं रविवार सवेरे दोस्तों के साथ घर से निकला था। दोपहर में संपर्क नहीं होने से परिजन तलाश में निकले थे। इधर सूचना मिलने पर नाई थाना पुलिस ने एवं सिविल डिफेंस की टीम ने उसे बाहर निकाला। जहां एएसआई पर्वतसिंह ने उसे उपचार के लिए चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। इधर लव से संपर्क नहीं होने पर तलाश में निकले परिजन मोर्चरी पहुंचे। जहां अरूण ने मृतक की अपने पुत्र लवकुमार जोशी के रूप में शिनाख्त की। मृतक का सोमवार को पोस्टमार्टम होगा।

सरकारी जमीन का फर्जी आवंटन करने के मामले की जांच पूरी नहीं

8122 बीघा जमीन खुर्दबुर्द करने में सस्पेंड 29 अफसर व कर्मियों को जांच से पहले ही फील्ड पोस्टिंग दी

बीकानेर, (निसं)। यहां पूगल और छत्तरगढ़ में 8122 बीघा सरकारी जमीन का फर्जी आवंटन करने के मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। इस मामले में निलंबित किए गए दो आरएएस सहित 29 अधिकारियों-कर्मचारियों को बहाल कर फील्ड पोस्टिंग दे दी गई है।

सोलर कंपनियों से मोटी कमाई करने के लिए पूगल में 2010 बीघा सरकारी जमीन 31 लोगों को आवंटित कर सरकार को लगभग 40 करोड़ रुपए का चूना लगाया था। वहीं छत्तरगढ़ में 6112 बीघा सरकारी जमीन 101 लोगों को आवंटित कर 25 करोड़ का चूना सरकार को लगाया। दोनों तहसीलों में 132 काश्तकारों को फर्जी तरीके से जमीनें आवंटित कर दी गई। एसीबी की स्पेशल ब्रांच में इसे लेकर मार्च में दो अलग-अलग केस दर्ज हुए थे। अब तक प्रकरणों की जांच करने वाली कमेटी में प्रशिक्षु आईपीएस यक्ष चौधरी को छोड़ सभी के बयान हो चुके हैं। अब आरोपी लोक सेवकों और उसके बाद लाभार्थियों से पूछताछ होगी। इस मामले में दोनों आरएएस अधिकारियों सहित 33 अधिकारियों और कर्मचारियों निलंबित कर दिया गया, जिसमें से बाद में एक ही मृत्यु हो गई। चार रिटायर हो गए। हैरानी की बात ये है कि जांच खत्म होने के पहले ही सभी को बहाल कर फील्ड पोस्टिंग दे दी गई है। आरएएस सीता शर्मा आईसीडीएस कोटा में डीडी और मनोज खेमादा कुशलगढ़ एसडीएम हैं।

पटवारियों और भू अभिलेख निरीक्षकों के तीन-तीन इंक्रीमेंट रोक चार्जशीट जारी कर दी है। इन सभी को जिले में ही अन्य तहसीलों में फील्ड पोस्टिंग दी गई है। दोनों प्रकरणों की जांच प्रशिक्षु आरपीएस यक्ष चौधरी, डीएसओ सुभाष चौधरी, वरिष्ठ आरएएस अधिकारी मदनलाल नेहरा, सहायक राजस्व लेखाधिकारी श्रवण सिंह चारण, कपिल तंवर और लालचंद प्रजापत की कमेटी ने की थी। आरोप है कि तत्कालीन अधिकारियों और कर्मचारियों ने 55 साल पुराने आवंटन आदेशों की आड़ में मृत व्यक्तियों की तथा खारिज हो चुकी जमीनें शुद्धि पत्रों के जरिए फर्जी तरीके से आवंटित कर दी।

छत्तरगढ़ के मामले में सुरेंद्र कुमार जाखड़ सेवानिवृत्त तहसीलदार, कुलदीप कस्वां तहसीलदार, दिप्ती तहसीलदार, राजेश कुमार नायब तहसीलदार, सरवरदीन भू-अभिलेख निरीक्षक, मकसूद अली भू-अभिलेख निरीक्षक, सुभाष चंद्र भू-अभिलेख निरीक्षक, मुकेश गोदारा भू-अभिलेख निरीक्षक, जसवीर सिंह पटवारी, सुरेंद्र कुमार भू-अभिलेख निरीक्षक, राजकुमार मीणा पटवारी, वीरेंद्र सिंह पटवारी, अजेन्द्र सिंह भाटी पटवारी, जयसिंह गुर्जर पटवारी, देवराजसिंह पटवारी, विकास पूनिया पटवारी, अनिता शर्मा पटवारी, पेमाराम सारण पटवारी व अन्य है।

पूगल के प्रकरण में उपखंड अधिकारी सीता शर्मा और मनोज खेमदा, रामेश्वरलाल गढ़वाल राजस्व तहसीलदार, आदित्या तहसीलदार, कालूराम तहसीलदार, महेंद्र सिंह मुवाल तहसीलदार, राजेश कुमार शर्मा नायब तहसीलदार, इकबाल सिंह भू अभिलेख निरीक्षक, जयसिंह चौहान भू अभिलेख निरीक्षक, भंवरलाल मेघवाल ऑफिस कानूनगो, राजेंद्र स्वामी पटवारी, विकास पूनिया पटवारी, लूणाराम पटवारी, मांगीलाल पटवारी। राजस्थान भू राजस्व नियम 1970 के अनुसार तत्कालीन उपखंड अधिकारी बीकानेर उत्तर द्वारा वर्ष 1971 और उसके बाद भूमिहीन श्रेणी के काश्तकारों को कृषि के लिए 10 साल के लिए के लिए गैर खातेदारी श्रेणी में आवंटन किया गया था। इस श्रेणी के आवंटियों को खातेदारी अधिकार देने का प्रावधान था। आवंटियों को नियमानुसार आवंटित भूमि का कब्जा व गैर खातेदार, खातेदार की प्रविष्टियां रिकॉर्ड में अंकित की जा चुकी थी। इसके चलते आवंटन शर्तों की पालना नहीं करने वाले आवंटियों के आवंटन भी निरस्त कर दिए गए। नियमों के तहत आवंटित भूमि का कब्जा नहीं लेने वालों की जमीनें राजस्व रिकॉर्ड में संरक्षित रही हैं। इन गांवों का भू-सर्वेक्षण, भू-प्रबंध वर्ष 1990-92 तक होने पर खसरा नंबर, खसरा मानचित्र व भूमि की ईकाई में परिवर्तन हो चुका है। वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड इसी के अनुसार है। इन गांवों की सरकारी जमीनों को सरकारी खाते से हटाकर तथाकथित व्यक्तियों के नाम से पूर्व अवधि के आवंटन आदेशों की फर्जी तरीके से नकलें बनाई।

अवैध रूप से भंडारित नीम कोटेड यूरिया के 52 कट्टे जब्त

बिना लाइसेंस दुकान में रखे कट्टे जब्त, नीम कोटेड यूरिया का नमूना जांच के लिए भेजा

- **कुचील गांव में कृषि विभाग ने फिर बिना लाइसेंस यूरिया भंडारण करने के खिलाफ कार्रवाई की**
- **महावीर प्रसाद ओझा की दुकान से चंबल फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स गड़ेपान कोटा प्लांट से निर्मित यूरिया के कट्टे पाए गए, जिनका कोई वैध लाइसेंस नहीं था**

अजमेर/किशनगढ़-मदनगंज, (कासं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा द्वारा किशनगढ़ उपखंड क्षेत्र में अवैध व नकली यूरिया बनाने वाली फैक्ट्रियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद से ही किशनगढ़ में कृषि विभाग की कार्रवाई जारी है। कुचील गांव में कृषि विभाग ने फिर बिना लाइसेंस यूरिया भंडारण करने के खिलाफ कार्रवाई की है। कृषि विभाग द्वारा खरीफ सीजन को देखते हुए चलाए जा रहे गुण नियंत्रण अभियान के तहत अवैध रूप से भंडारित नीम कोटेड यूरिया के 52 कट्टों को जब्त कर नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे हैं।

कृषि विभाग के उर्वरक निरीक्षक अनिल कुमार गुर्जर ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कुचील के मुख्य बाजार में महावीर प्रसाद ओझा की दुकान से चंबल फर्टिलाइजर एवं केमिकल्स गड़ेपान कोटा प्लांट से निर्मित यूरिया के कट्टे पाए गए, जिनका विक्रेता के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं था। मौके से एक यूरिया का नमूना लेकर उसे जांच के लिए राजकीय उर्वरक परिक्षण प्रयोगशाला भिजवाया गया है। कार्रवाई के दौरान गांधीनगर थाना किशनगढ़ से पुलिस जाप्ता मौके पर तैनात रहा। कार्रवाई में विभाग की सहायक निदेशक अनुप्रिया यादव, सहायक निदेशक कृषि शिवलाल यादव, उर्वरक निरीक्षक अदिति माथुर, सहायक कृषि अधिकारी जगदीश धायल तथा कृषि पर्यवेक्षक निंबार्क तीर्थ व दीपा कुमावत मौजूद रहे।

संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) संजय तनेजा ने बताया कि यह कार्रवाई कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के निर्देश पर की जा रही है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि बिना लाइसेंसधारी व्यक्ति से उर्वरक खरीद न करें, केवल बिल और आधार सत्यापित लाइसेंसशुदा दुकानों से ही उर्वरक खरीदें। यहां उल्लेखनीय है कि 28 व 29 मई को कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने किशनगढ़ क्षेत्र की उर्वरक फैक्ट्रियों पर छापेमारी कर नकली व मिलावटी उर्वरकों की बड़ी खेप जब्त की थी, जिसके बाद से विभाग की सख्त कार्रवाई जारी है।

संक्षिप्त

'जल सेवा से बढकर कोई सेवा नहीं'

फुलेरा। फुलेरा जंक्शन पर पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी में रेलों मे यात्रियों को निस्वार्थ भाव से की जा रही निशुल्क जल सेवा का समापन समारोह रविवार को सांय 5 बजे ओबीसी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के मुख्य आतिथ्य एवं दैनिक रेल यात्री महासंघ फुलेरा के अध्यक्ष विष्णु कयाल की अध्यक्षता में किया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथियो में उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य वाणिज्यक प्रबंधक कमलकान्त शर्मा, सीएमआई विनय कुमावत, जीआरपी थानाधिकारी सीआई गुलजारी लाल, रेलवे पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष रमेश चन्द वर्मा, भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्रणव कयाल, नेता प्रतिपक्ष संजय पारीक, पार्षद महावीर जैन, संत बेलूबाई आश्रम के महन्त सत्यनारायण सैनी रहे। कार्यक्रम के दौरान आगन्तुक अतिथियों का माला साफा एवं दुपट्टा पहनकर स्वागत अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के दौरान भामाशाहों व जल सेवकों सहित लगभग दो दर्जन से अधिक जल सेवको को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में मुख्य अतिथि निर्मल कुमावत ने जल सेवकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह सेवा मानवीय गुणों वाला व्यक्ति ही कर सकता है। जब किसी प्यासे व्यक्ति को शीतल जल पिलाया जाता है, तो वह अपने अंतकरण से जल सेवक का आभार व्यक्त करते हुए उसकी मंगल कामना करता है। वही कार्यक्रम में महासंघ के अध्यक्ष विष्णु कयाल ने बताया कि यह जल सेवा 4 मई से 29 जून तक जल सेवको जन सहयोग से अनवरत सेवा की। इस जल सेवा का उद्देश्य मानव सेवा के साथ हमारे क्षेत्र से कोई भी रेल यात्री प्यासा नही जाये। हमारे द्वारा की गई जल सेवा के दौरान कई जल सेवकों ने अपनी सेवाएं दी। इसके लिए कयाल ने सभी जल सेवकों को उनके द्वारा दी गई सेवा के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन राजेन्द्र शर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर कंज्यूमर एक्शन एण्ड प्रोटेक्शन सोसाइटी के अध्यक्ष विजेन्द्र प्रकाश हलचल,भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष पूनम कुमावत, शेषनारायण सैनी, श्याम लाल सैनी, श्रवण वर्मा, भंवर लाल कुमावत, ए एस मल्होत्रा, गीता शर्मा, राजेन्द्र शर्मा सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

5 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड आज शनिवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में सार्वजनिक निर्माण विभाग से संबंधित करीब 3 करोड़ रुपये से अधिक की 5 सड़क विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। विधायक कुलदीप धनकड विधानसभा क्षेत्र में निर्मित एमडीआर रोड़ मण्ढा से ढाणी फतेहसिंह होते हुए ढाणी कोठी तक, संतोषी माता मंदिर से भैरुजी का बास, कैरली से आंतेला, तुलसीपुरा से ढाणी गुढ़ा की, बड़नगर से ढाणी दुल्हे सिह की सड़कों का लोकार्पण किया। इन विभिन्न परियोजनाओं की अनुमानित लागत करीब 3 करोड रुपये है। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि ये सड़कें क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर सिद्ध होंगी। बेहतर सड़क संपर्क से न केवल यातायात सुविधा में वृद्धि होगी, बल्कि स्थानीय व्यापार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को भी बल मिलेगा। इस दौरान प्रभारी सतवीर यादव, विकास सिंह प्रागपुरा मंडल अध्यक्ष, वीरेंद्र राठी बालाजी मंडल अध्यक्ष, सुरेश गिठाला पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष, रोहिताश ताखर एवं पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता विवेक रोलानिया, मनीष यादव एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि व ठाामीण मौजूद रहे।

गोपाल सैनी का सम्मान

निवाई। भाजपा श्योपुर मंडल के नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का रामाज ग्रुप के चेयरमैन महावीर टेलर व रामावतार टेलर के नेतृत्व में साफा, माला व दुप्पटा पहनाकर सम्मान किया गया। अध्यक्ष गोपाल सैनी ने रामाज रिर्सोट का अवलोकन करके रामाज रिर्सोट की व्यवस्थाओं को लेकर आवश्य चर्चा की एवं रामाज परिवार की सराहना की। इस अवसर पर पार्षद महेंद्र शर्मा, डॉ.जितेंद्र कोठारी, मोहित टेलर, कपिल लाटा, राघवेंद्र, अजय शर्मा, मोहन जोशी, कल्पज्ञ गौतम, सुरेंद्र सिंह, जय टेलर, अखिल द्विवेदी, जगदीश मीणा व सीताराम विजयवर्गी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

भरतपुर : चंबल परियोजना के गड्ढे में दबकर 4 की मौत, दो बेहोश

भरतपुर (निस)। उच्चौन ब्लॉक के नगला जंगी गांव में चंबल परियोजना के तहत खोदी जा रही पानी की पाइपलाइन लोगों के लिए काल बन गई। पाइपलाइन के गड्ढे से पीली मिट्टी लेने गए लोग ढाय गिरने से दब गए। ढाय में दबने से उत्तर प्रदेश गांव उत्तू निवासी चार लोगों की मौत गई जबकि दो घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है । भरतपुर जिला प्रशासन और आगरा जिला प्रशासन के अधिकारियों ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। भरतपुर जिला कलेक्टर ने मृतक के परिजनों के साथ साथ घायलों से वार्ता की। निजी अस्पताल के चिकित्सकों को घायलों का बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए हैं. मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर शव को सुपुर्द कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही जिला कलक्टर कमर चौधरी के निर्देश पर एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर ग्रामीणों की मदद से सभी लोगों को

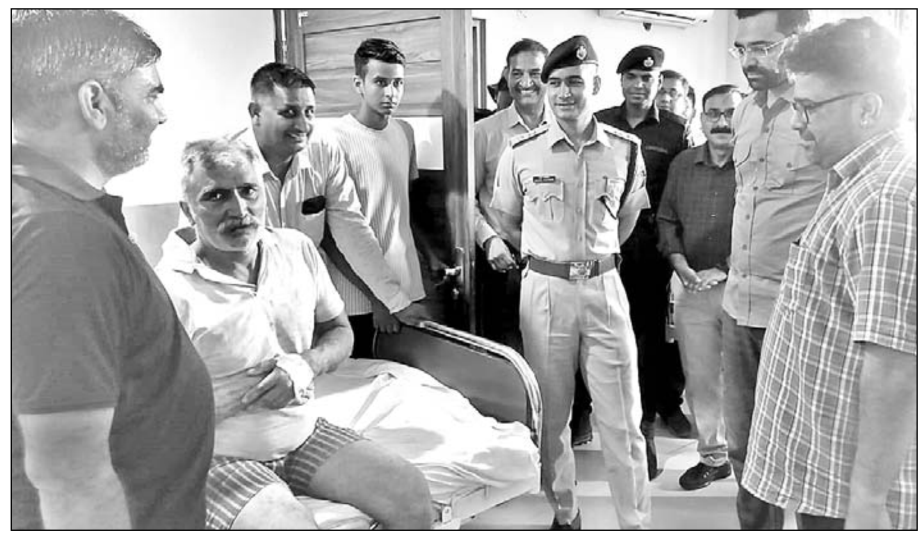

मिट्टी में दबने से बेहोश हुए दो जनो का अस्पताल में उपचार किया।

बाहर निकाला गया । जिला कलक्टर कमर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने घटना स्थल का मुआयना किया तथा अस्पताल पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूँछकर बेहतर इलाज की सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि चम्बल पेयजल प्रोजेक्ट की पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई नाली में चिकनी मिट्टी थी जिसको घरेलू उपयोग चूल्हा, आंगन की लिपाई के काम लेने के लिए प्रातः जल्दी समीप के गांव उट्टू से ये सभी लोग आये थे। नाली में मिट्टी गीली होने के कारण

- पाइपलाइन के गड्ढे से पीली मिट्टी लेने गए लोग ढाय गिरने से दब गए

खोदते समय ढाय गिर जाने से 9-10 जने दब गए थे।

जानकारी मिलते ही ग्रामीणों एवं स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा सभी लोगों को बाहर निकाला तथा अस्पताल पहुंचाया । मिट्टी भरते समय अंकुल पुत्र बिजेंद्र सिंह, बिमलेश देवी पत्नी श्रीपत की मौके पर मृत्यु हो गई जबकि विनोद देवी पत्नी मिश्रीलाल एवं योगेश कुमारी पत्नी अमित कुमार ने जिला अस्पताल रैफर करते समय रास्ते मे दम तोड़ दिया। घटना में घायल दिनेशचंद पुत्र नाहरसिंह एवं जयश्री पत्नी बिजेन्द्रसिंह का अस्पताल में इलाज चल रहा है । सभी मृतक एवं घायल उत्तरप्रदेश के किरावली तहसील के ग्राम उट्टू के एक ही परिवार के सदस्य हैं।

आदेश का स्वागत

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ-रुक्टा डेमोक्रेटिक ने उच्च शिक्षा विभाग एवं आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के 29.06.2025 के विद्या संबल गेस्ट फैकेल्टी से पूरे सत्र हेतु आवेदन एक बार ही आमंत्रित किए जाने के आदेश को शिक्षक एवं विद्यार्थी हित में स्वागत योग कदम बताया है। इससे करीब 4000 गेस्ट फेकल्टी शिक्षकों को लाभ मिलेगा। संघ के प्रदेश संयोजक प्रो.रमेश बैरवा ने कहा है कि संगठन की भी मांग रही है कि पूरे सत्र के लिए आवेदन एक बार ही भरवाए जाएं। यूजीसी मानकों के मुताबिक सेमेस्टर में अध्यापन कम से कम 90 दिवस करवाया जाए ताकि पाठ्यक्रम ठीक पूर्ण हो सके। समय पर गेस्ट फेकल्टी शिक्षकों को नहीं लगाए जाने एवं पाठ्यक्रम पूर्ण हुए बिना ही शिक्षकों को बीच सत्र में हटाए जाने से विद्यार्थियों का भी अहित होता रहा है। अनेकों स्थानों पर छात्रों ने आक्रोश जताया है।

मीना समाज का प्रतिभावान सम्मान समारोह संपन्न, 210 मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

नारायणपुर । कस्बे के पुरुषोत्तम दास आश्रम में रविवार को आदिवासी मीना सेवा समिति वाल क्षेत्र द्वारा 7वाँ प्रतिभावान सम्मान समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महामंडलेश्वर जनार्दन दास महाराज ने मीन भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीणा उपस्थित रहे। वहीं पूर्व आईआरएस केसी घुमरिया, आईआरएस चन्द्रप्रकाश मीणा, आईआरएस अर्जुन मीणा, ज्वाइंट कमिश्नर घनश्याम मीणा, आरपीएस भागचंद मीणा, विकास अधिकारी राजबाला मीणा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने समारोह की गरिमा बढ़ाई। आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों का

नारायणपुर में प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया।

माला व साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान मीना समाज के 210 मेधावी विद्यार्थियों एवं राजकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों को गोल्ड, सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल के साथ-साथ प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक कांति प्रसाद मीणा ने कहा कि समाज का भविष्य शिक्षा और संस्कारों पर आधारित है। आज के बच्चे आधुनिकता की दौड़ में अपनी मूल संस्कृति को भूलते जा रहे हैं, ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी दें। इस मौके पर कार्यक्रम में मौजूद अतिथि डॉ. सुरेश मीणा, अंजू जयसिंह मीणा, नोडल अधिकारी मूलचंद मीणा, डॉ. सरोज मीणा , थाना प्रभारी ओमप्रकाश मीणा, एबीडीओ गिर्राज मीणा व डेलीगेट रेखा मीणा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और समाज में एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया। मंच संचालन अविनाश एवं रामशरण मीणा द्वारा किया गया। समिति अध्यक्ष मातादीन मीणा, बुद्धराम मीणा, रत्तीराम मीणा, श्रवणलाल, पीटीआई सुमेर सिंह, मुरारीलाल, अशोक ज्ञानपुरा, सीताराम सहित बड़ी संख्या में मीना समाज के लोग समारोह में उपस्थित रहे।

पिकनिक मनाने आये युवक की बिसलपुर बांध में डूबने से मौत

टोंक । बीसलपुर बांध के देह में एक बार फिर एक 25 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई, युवक रविवार को अपने दोस्तों के साथ बीसलपुर बांध पर पिकनिक मनाने आया था। इस दौरान नहाते वक्त यह हादसा हुआ और युवक की जान चली गई।

पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार जयपुर निवासी चार युवक पिकनिक मनाने बीसलपुर बांध पर पहुंचे, जहां वे फोटो, वीडियो बना रहे थे और मौज मस्ती कर रहे थे। तभी चारों बांध में नहाने उतरे और एक युवक गहरे देह के पानी में चला गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक युवक राहुल पुत्र ओमप्रकाश रेगर निवासी कालाडेरा चौमू जयपुर है, अपने दोस्त विजय पुत्र रतनलाल रेगर व रवि पुत्र हंसराज,

25 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई

दीपक पुत्र हंसराज रेगर निवासी बोराज, जयपुर के साथ दो बाइक पर सवार होकर आया था। जहां राहुल की डूबने से उसकी मौत हो गई। राहुल के डूबने के बाद साथियों ने चिल्लाया और लोगों को डूबने के बारे में बताया, लेकिन तब तक राहुल पानी में समा चुका था। इसके बाद स्थानीय ग्रामीणों व नविको की मदद से शव को बाहर निकाला गया, सूचना पर देवली थाना पुलिस व बीसलपुर चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और शव को देवली चिकित्सालय में पोस्टमार्टम हेतु ले जाया गया है।

साथ आए युवकों ने बताया कि राहुल की गत 3 महीने पूर्व ही शादी हुई है और वह परिवार में इकलौता पुत्र है, राहुल के डूबने के बाद तीनों युवक सदमे में है। उधर, इस सूचना से परिवार में भी कोहराम मच गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले गत 20 जून को माला की ढाणी सांगानेर जयपुर निवासी जोरावर सिंह की भी बांध के देह में डूबने से मौत हो गई थी।

एक ट्रेलर व ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई । निवाई बरोनी थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन के मामले में अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रेलर व एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त करके चालक को गिरफ्तार किया है। बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि पुलिस गश्त के दौरान गांव चिरोंज मण्डावर रोड से अवैध बजरी से भरे हुए एक ट्रेक्टर-ट्रॅाली को जब्त किया है। जिसमें करीब 4 टन अवैध बजरी भरी हुई थी। इसी प्रकार पुलिस थाने के सामने से जा रहे बजरी से भरे एक ट्रेलर को जब्त किया है जिसमें करीब 63 टन बजरी भरी हुई थी। उन्होंने बताया कि अवैध बजरी खनन व परिवहन मामले में वाहन चालक बुद्धीप्रकाश पुत्र रामकिशन मीणा निवासी श्याला सुखपुरा थाना नगरफोर्ट जिला टोंक को गिरफ्तार किया।

आकाशीय बिजली गिरने से युवक की दर्दनाक मौत

कोटपूतली । कस्बे के वार्ड नंबर 4 स्थित ढाणी फौजावाली में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान 26 वर्षीय राहुल सैनी पुत्र रामसिंह सैनी के रूप में हुई है, जो खेत में काम कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, रविवार दोपहर के समय मौसम अचानक बदला और

- मौसम अचानक बदलने के बाद खेत में काम करते वक्त हुआ हादसा

तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गई। उसी दौरान राहुल खेत में कार्यरत था, तभी आकाशीय बिजली सीधे उसके ऊपर गिर गई। मौके पर ही वह अचेत हो गया। परिजन और ठाामीण तत्काल उसे कोटपूतली के राजकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। घटना के बाद परिजन गहरे सदमे में हैं। ठाामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

धर्मांतरण का आरोप, हिन्दू संगठनों ने जताया विरोध

दौसा। दौसा शहर के राजकीय अस्पताल के पीछे गणेशपुर रोड पर अगापे फैलोशिप चर्च हैं। पिछले करीब 22 साल से यह चर्च संचालित किया जाता है। शहर से बाहर एकांत में इस जगह पर आम लोगों की आवागमन ना के बराबर है लेकिन रविवार को यहां भीड़ जुड़ती है। आरोप है कि दौसा की पहाड़ी के पीछे इस अगापे फैलोशिप चर्च में अवैध रूप से धर्मांतरण का खेल खेला जाता है। पिछले कुछ वर्षों से प्रत्येक रविवार को यहां भीड़ एकत्रित होती थी जिसके बाद हिंदू संगठनों के लोग सक्रिय हुए और पूरे मामले को लेकर अपने स्तर पर भी जांच शुरू की तो पता चला कि यहां एक चर्च है और इस चर्च के पादरी थॉमस जॉर्ज द्वारा प्रेयर के नाम पर लोगो को बुलाया जाता है और धर्म परिवर्तन कराया जाता है, हिंदू संगठनों का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में करीब 4 से 5 हजार लोगों का दौसा में इस चर्च में धर्मांतरण हुआ है। चर्च के पादरी के द्वारा पहले कुछ हिन्दू समाज में अच्छी पहचान रखने वालों का धर्म परिवर्तन कराया ओर फिर उनके माध्यम से गरीब और निचले तबके के लोगों को प्रलोभन देकर इस अगापे फैलोशिप चर्च में बुलाया जाता और

चर्च के बाहर प्रदर्शन करते हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी तथा बाहर जमा भीड़।

प्रेयर कराई जाती, कुछ सप्ताह तो प्रेयर ही कराई जाती लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे हिंदू देवी देवताओं और भगवान में कोई शक्ति नहीं होती, लोगों का माइंड वॉश किया जाता था और फिर चर्च में ही एक गुप्त जगह पर ले जाया जाता और पानी में हाथ लगवाया जाता, चूड़ी उतरवाई जाती, सिंदूर व मंगलसूत्र भी हटवाया जाता, इसके बाद उन्हें बोला जाता कि आज से आप ईसाई बन गए। रविवार के दिन बड़ी संख्या में लोगों के द्वारा धर्मांतरण कराए जाने की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, व अन्य हिंदू संगठनों के लोग अगापे फैलोशिप चर्च के बाहर एकत्रित हो गए और प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान चर्च को सील करने, धर्मांतरण में लिप्त लोगों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया साथ ही जय श्री राम के नारे भी लगाए गए। इधर चर्च के बाहर हिंदू संगठनों का विरोध प्रदर्शन होने और धर्मांतरण की सूचना मिलने के बाद दोष के डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा सहित कोतवाली और जिला स्पेशल टीम मौके पर पहुंची और वहां मौजूद लोगों को काफी मशक्कत के बाद शांत कराया, इस दौरान पुलिस ने चर्च को अवलोकन किया, वहां मौजूद लोगों के बयान लिए। इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। हालांकि जिन लोगों का धर्मांतरण हुआ है, उनका माइंड वॉश किया है जो पुलिस को अलग अलग बयान देकर गुमराह कर रहे है। इस पूरे मामले में एक और जहां हिंदू संगठनों का दावा है कि यहां पर बड़ी संख्या में धर्मांतरण कराया जाता है और आज भी कराया जा रहा था वही पुलिस का कहना है कि पूरे मामले को लेकर शिकायत प्राप्त हो गई है और अब जांच की जा रही है।

सार-समाचार

दिव्य रथ पर सवार होकर निकले प्रभू जगन्नाथ

पावटा। उपखंड पावटा में पहली बार इस्कॉन अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ पावटा की ओर से रविवार को पहली बार संस्थापक आचार्य श्री कृष्ण कृपामूर्ति श्री श्रीमद एसी भक्ति वेदांत स्वामी प्रभु पाद की कृपा से परम पूज्य राधेश्यामानन्द महाराज इस्कॉन वृंदावन के सान्निध्य में भगवान जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा व कलश यात्रा का आयोजन किया गया। भक्तिमय माहौल में दिव्य रथ पर सवार होकर प्रभू जगन्नाथ निकले। रथयात्रा में सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा का जगह-जगह फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया। ढोल मंजीरों की धुन पर झूमते भक्तों ने भगवान का गुणगान किया। दोनों यात्रा में लगभग तीन हजार श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस की सुरक्षा के कडे इंतजाम रहे।इस्कॉन पावटा से कपिल प्रभु व विशाखा माताजी के ने बताया कि यह नगर भ्रमण रूपी शोभायात्रा व कलश यात्रा रविवार को पावटा स्थित इस्कॉन पावटा केंद्र, गोयल भवन, जे एम बी होटल के पीछे घंटाघर के पास पावटा से दोपहर 3.30 बजे प्रारंभ होकर शिशु वाटिका रामलीला मैदान के सामने पहुंची। इस भव्य रथ यात्रा में भगवान श्रीकृष्ण, बलराम एवं सुभद्रा की प्रतिमाएं भव्य रथ पर विराजमान होंगे और पूरे नगर में हरिनाम संकीर्तन, झांकियां, भक्तों की टोली और गगनभेदी जय घोष के साथ भगवान का स्वागत किया गया। इस दौरान इस्कॉन की ओर से शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था संभालते हुए ट्रैफिक नियंत्रण में सहयोग किया। इस अवसर पर इस्कॉन के वरिष्ठ संतों ने कहा कि यह यात्रा आध्यात्मिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है। इसमें हर आयु वर्ग के लोग एक साथ भगवान के चरणों में श्रद्धा व्यक्त करते हैं। रथ यात्रा के अंत में इस्कॉन मंदिर परिसर में विशेष आरती, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

किड्स समर कार्निवल संपन्न

टोंक। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय टोंक के राजयोग भवन में बच्चों का सुसंस्कारित जीवन बनाने एवं उनमें नैतिक व मानवीय मूल्यों को विकसित करने के उद्देश्य से छः दिवसीय किड्स समर कार्निवल का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों की आयु के अनुसार एंजेल व डायमंड ग्रुप बनाकर डांस, म्यूजिक, पेंटिंग, स्पोर्ट्स, जुंबा, वर्कशॉप, मेडिटेशन आदि कई प्रकार की रचनात्मक एक्टिविटी करवाई गई तथा प्रथम , द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्करित किया तथा कार्निवल में भाग लेने वाले सभी बच्चों को गिफ्ट दिया गया। साथ ही बच्चों में उत्पन्न तनाव से मुक्त जीवन के साथ पढ़ाई, पेरेंट्स और परिवार में सामंजस्य बनाने के गुर सिखाए गए। कार्निवल प्रभारी ब्रह्माकुमारी गुंजन ने बच्चों के शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक विकास के लिए एक्सरसाइज, राजयोग मेडिटेशन के साथ हेल्दी फूड का महत्व बताते हुए इसे जीवन में उतारने का दृढ़ संकल्प करवाया। उन्होंने एग्जाम के समय स्वयं को सकारात्मक रहने के अनेक टिप्स दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रैक्टिकल उदाहरण देकर बच्चों को बताया कि पॉजिटिव थिंकिंग हमारे जीवन के लिए कितनी आवश्यक है। साथ ही मोरल वैल्यूज को इंक्रीज करना सिखाया, वहीं एंजेलिक साइलेंस से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है। उन्होंने सवेरे उठने से लेकर रात सोने तक की दैनिक दिनचर्या को सेट करना सिखाया।

लिफ्टमशीन भेंट की

श्रीमाधोपुर। आजकल आमजन धर्म और संस्कृति की वापिस मुड़ने लगे हैं तभी तो धार्मिक, गऊशालाओ, शिक्षण संस्थानों आदि स्थानों में जाकर अपने बच्चों के जन्मदिवस या अपने किसी की पुण्यतिथि पर परिजनों, साथियों सहित दानस्वरूप कुछ न कुछ भेंट करने लगे हैं। श्रीराम गऊनंदी शाला हांसपुर के प्रबंधक बनवारी लाल मीणा ने बताया कि वार्ड न. 2 श्रीमाधोपुर निवासी सुरेश कुमार शर्मा अपने पोते अयानस के जन्मदिवस के मौके पर अर्धांगिनी माली देवी, पुत्र योगेश, पुत्रवधू अंशु शर्मा, शिवानी व विनोद के पिता साथ आए एवं समाजसेवी सांवरमल मीणा, डॉ. महादेव सिंह एवं शुभचिंतकों के साथ अपने पुत्र हर्षित के जन्मदिवस पर वहीं जयरामकाली निवासी धर्मेंद्र सैनी अपनी माता बिदामी देवी, चाचा बाबूलाल सैनी, अर्धांगिनी कविता, सुनीता, डिम्पल, जियाना, बड़े भाई विक्रम सैनी न्यू ग्लोबल स्कूल एवं एकेडमी आदि के साथ आए अपने पिता स्व. कल्याणजी सैनी की पुण्यतिथि पर पुण्यकार्य करते हुए घायल व मृत गौवंश को लाने ले जाने हेतु लिफ्ट मशीन दानस्वरूप भेंट करने की घोषणा की जो जल्द ही गऊशाला में पहुंच जाएगी, सुरेश शर्मा ने एक हजार नगद, दलिया, एक बैग पशु आहार एवं सावंरमल मीणा ने ग्यारह सौ रुपए नगद राशि भेंट की और कजोड़मल, नानूराम बिजारणियां की और से महिपाल बिजारणियां ने एक पिकअप गेहूं चारा (तूड़ा) भेंट किया। गऊशाला की ओर से इस मौके पर गऊशाला समिति के सदस्य प्रकाश शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, मनीष कुमार सैनी, पूर्णमल सैनी, कैलाश यादव आदि मौजूद थे।

गैंगस्टर को फॉलो करना भारी पड़ा

नारायणपुर । पुलिस ने अपराधियों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए रविवार को एक युवक को गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर को फॉलो करने और उसकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देने के मामले में पुलिस ने राहुल यादव उर्फ बॉक्सर को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस की साइबर सेल को सूचना मिली थी कि कुछ स्थानीय युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय गैंगस्टरों की पोस्ट पर लाइक और कमेंट कर रहे हैं। जांच में सामने आया कि राहुल यादव उर्फ बॉक्सर (उम्र 25 वर्ष) पुत्र अजय कुमार यादव निवासी सेंट्रल बैंक के पीछे नारायणपुर गैंगस्टर की गतिविधियों में दिलचस्पी ले रहा था और उसे बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल था। पुलिस के अनुसार गैंगस्टर सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं और उन्हें अपराध की ओर उकसाने की कोशिश करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर ये अपराधी अपनी छवि चमकाने के लिए पोस्ट शेयर करते हैं और समर्थकों को जोड़ते हैं। थानाधिकारी मीणा ने बताया कि पुलिस ऐसे तत्वों पर सख्त नजर रखे हुए है और आगे भी इस तरह की निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति को फॉलो न करें और ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

शिविर 30 जून व 1 जुलाई को

कोटपूतली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे के तहत जिले में 30 जून एवं 1 जुलाई को जिले की चयनित ठााम पंचायतों में शिविर आयोजित किये जायेंगे। प्रातः 9.30 बजे से लेकर सायं 5.30 बजे तक शिविर संचालित होंगे। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने बताया कि 30 जून को उपखंड बानसूर के महनपुर, बाबरी, लोयती, उपखंड नारायणपुर के कोलाहेड़ा में, बहरोड़ के गादोज और ढूंढरिया ठााम पंचायतों में, कोटपुतली के कल्याणपुरा कलां और चूरी ठााम पंचायतों में तथा पावटा के पाथरेड़ी और भैंसलाना ठााम पंचायतों में और विराटनगर में जवानपुरा और बागावास चौरासी और चतरपुरा ठााम पंचायत में कैंप आयोजित किए जाएंगे । 1 जुलाई को उपखंड बानसूर के श्यामपुरा राजनली, नारायणपुरा में तुराणा और नयाबास में, बहरोड़ के कोहराना और बसई ठााम पंचायतों में, कोटपुतली के खड़ा और शुक्लाबास ठााम पंचायतों में तथा पावटा के भौनावास और फतेहपुरा खुर्द ठााम पंचायतों में, विराटनगर के बड़ोदिया, पालड़ी और आमलोदा ठााम पंचायत में कैंप आयोजित होंगे।

रथ यात्रा महोत्सव को लेकर बैठक आयोजित

श्रीमाधोपुर। श्री जगन्नाथ रथ यात्रा महा महोत्सव के संबंध में श्रीमाधोपुर नगर के समस्त प्रबुद्ध नागरिकों, संगठनों, सामाजिक संगठनों, राष्ट्रीय संगठनों ,धार्मिक संगठनों, जातीय समाजों , स्वयं सेवी संगठनों,विद्यालयों, सांस्कृतिक संस्थाओं आदि की एक बैठक रविवार को भगवान श्री राधा गोपीनाथ के चरण कमल सानिध्य में संपन्न हुई ।बैठक में रथ यात्रा के सफल आयोजन एवं समयबद्ध सुचारू क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से विचार विमर्श किया गया ।सभी जाति समाजों ने भगवान जगन्नाथरथ यात्रा की पूजा अर्चना करने हेतु स्थान निर्धारित किया। व्यापार संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा एवं भक्तों को जलपान आदि की व्यवस्था किए जाने पर सहमति दी। सभी संगठनों द्वारा अपने कार्यकर्ताओं को समस्त व्यवस्थाएं दिए जाने हेतु कार्य निर्धारित किया गया। रथ यात्रा की जानकारी देते हुए मंदिर श्री गोपीनाथ जी का के महंत डॉक्टर मनोहर शरण दास ने बताया कि यात्रा में पंजाब का सेना बैंड, वृंदावन, जयपुर, चोमू, गोविन्द गढ़, टोंक, निवाई, नीमकाथाना, अजीतगढ़, खंडेला, सीकर तथा आसपास के कृष्ण भक्तों की सेवा प्राप्त होगी।

संक्षिप्त

आम रास्ते में भरा गंदा पानी

निवाई। ग्राम पंचायत रजवास में वीर तेजाजी मंदिर के आस-पास के क्षेत्र में स्थित गहरे गडढों में बरसात के पानी के भराव होने से गंदगी हो रखी है। पानी से भरे गहरे गडढों में आए दिन वाहन चालक गिरकर घायल हो रहे है। पूर्व वार्ड पंच सूरज गुर्जर सहित कई ठामीणों ने बताया कि तेजाजी मंदिर के आस-पास के क्षेत्र में कई दिनों से यह समस्या बनी हुई है जिससे आए दिन हादसे से हो रहे हैं। कई बार पानी से भरे इन गहरे गढडों में ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गए है। उन्होंने बताया कि आम रास्ते में हो रहे गहरे गढडों में से छोटे साधन तो निकल ही नहीं सकते हैं। इससे आमजन को को बहुत परेशानी हो रही है। इस समस्या को लेकर ठामीणों ने कई बार उच्च अधिकारियों को भी अवगत करवा दिया गया लेकिन आज तक इस समस्या का कोई निस्तारण नहीं हुआ है। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने उक्त समस्या का शीघ्र समाधान करवाने व आम रास्ते को सुचारू करवाने की मांग की है।

युवक की कुंड में डुबने से मौत

टोंक। लांबाहरिसिंह थाना क्षैत्र के हरिसागर कुंड में पानी की टंकी के पास घाट पर एक जने का शव मिलने से सनसनी फैल गई, जिसकी पहचान संपत कुमार डागा पुत्र किशन लाल उम्र 52 साल निवासी लांबाहरिसिंह कस्बे के रूप में हुई है, जो शराब का आदी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह शनिवार को हरिसागर कुंड में नहाने गया था, तभी नई पानी की टंकी के पास घाट पर संपत कुमार का आधार, जन आधार कार्ड, शर्ट, डायरी व चप्पल पड़े मिले, इधर-उधर तलाश करने पर जब वह दिखाई नही दिया तो वहां मोजूद ग्रामीणो ने पुलिस को सूचना दी। जहां मौके पर पुलिस और तैराक भारत प्रजापत, इलियास अहमद, शाहिद मसूरी आदि घाट पर पहुंचे, जहां तैराकों ने आधा घंटा की मशक्कत के बाद संपत के शव को कुंड में से बाहर निकाला। ग्रामीणों ने बताया कि संपत कुमार सुबह 5 बजे कुंड में नाहने जाता था, संभवतया पैर फिसलने से वह कुंड में गिर गया और गहरे पानी में चले जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पीएनबी प्रबंधन की नीतियों का विरोध

भरतपुर (निस)। भरतपुर पंजाब नेशनल बैंक के के उच्च प्रबंधन द्वारा मोबाइल से उपस्थिति दर्ज करने व ठााहक से क्यूआर कोड के माध्यम से कर्मचारी का व्यक्तिगत फीडबैक लेने एवं बैंक का विपणन कार्य के लिए अनुचित दबाव बनाना द्विपक्षीय समझौते को दरकिनार करना एवं गैरकानूनी रूप से अनुशासनात्मक कार्यवाही को प्रधान कार्यालय स्तर पर करने संबंधी कर्मचारी विरोधी नीतियों को थोपने का कार्य किया जा रहा है । पंजाब नेशनल बैंक एम्पलाइज यूनियन भरतपुर के सचिव सतीश कुमार अठावाल ने बताया कि कर्मचारी प्रबंधन की कथित विरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध करते हैं और आगमन ऐप को रद्द करने क्यूआर कोड वापस लेने व्यवसाय वृद्धि करने व ठााहक सेवा के नाम पर कामगारों को प्रताड़ित करने आदि मांगों को लेकर संगठनात्मक विरोध करते हुए सीधी कार्यवाही करेंगे ।

एक साल पूरा होने पर भूपेंद्र यादव ने दिया लेखा-जोखा, कहा संकल्प के साथ अलवर को आगे बढ़ाया जाएगा

अलवर। अलवर सांसद एवं पर्यावरण वन केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक वर्ष पूरे होने पर रविवार को अलवर के विकास के संकल्प के साथ शुरू करी अपनी एक साल की यात्रा का लेखा जोखा मीडिया के सामने रखा ओर कहा जो अलवर ने प्यार ओर आशीर्वाद दिया है उसके लिए वह जीवन भर रिणी रहेंगे और जो वायदा किया उसे पूरा करने की बात कही। इस अवसर पर मंत्री भूपेंद्र यादव ने 1 साल अलवर सांसद संपर्क संवाद पुस्तिका का विमोचन एवं अलवर टाइगर मैराथन 2025 की वेबसाइट का लोकार्पण किया।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने 1 साल अलवर सांसद पुस्तिका का विमोचन किया।

- 1 साल अलवर सांसद संपर्क संवाद पुस्तिका का किया विमोचन, अलवर टाइगर मैराथन 2025 की वेबसाइट का भी किया लोकार्पण

1 साल अलवर सांसद संपर्क संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानमंत्री मंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात प्रसारण के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार में वन पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा, विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, जिला प्रमुख, पार्टी जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मीडिया को संबोधित करते हुए 1 साल अलवर सांसद संपर्क संवाद व विकास की संकल्प यात्रा का विस्तार से लेखा-जोखा देते हुए पत्रकारों को बताया कि 365 दिन की इस यात्रा में 593 गांवों और नगरीय निकायों का दौरा कर 383 कार्यक्रमों में उनकी सहभागिता रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम व स्वच्छता पर तथा मुख्यमंत्री के हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पर्यावरण एवं स्वच्छता पर कार्य किए गए हैं। उन्होंने अलवर लोकसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या पानी की कमी को दूर करने के लिए 1 साल में किए गए महत्वपूर्ण कार्य एवं ईआरसीपी योजना से लाभान्वित होने वाले 854 गांवों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा सड़क, रेल, का नेटवर्क पहले से मजबूत हुआ है। शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र मे अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। आधुनिक तकनीक से शिक्षा हेतु 104 ई-लाइब्रेरियों से युवाओं को लाभ मिलेगा। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में नई संस्थाओं की स्थापना की जा रही है।

अलवर मेडिकल कॉलेज का कार्य अगस्त 2025 तक पूरा कराने का लक्ष्य है। खुशखेडा के स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण हेतु भूमि आवंटित की जा चुकी है तथा भिवाडी के सरकारी अस्पताल का पहला चरण दिसम्बर 2025 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इसके अलावा अन्य जगहों पर भी चिकित्सा के क्षेत्र में विस्तार होगा। अलवर सांसद खेल उत्सव एवं अलवर टाइगर मैराथन के माध्यम से खेल प्रतिभाओं को निखारने का काम किया गया।8 फरवरी से अंतरराष्ट्रीय स्तर की अलवर टाइगर मैराथन, 1 अगस्त से रजिस्ट्रेशन प्रारम्भ होंगे। उन्होंने कहा अलवर में इंदिरा गांधी स्टेडियम में सांई के हॉकी हॉस्टल को बरेली शिफ्ट होने से प्रस्ताव को वापस करवाया एवं इंदिरा गांधी स्टेडियम में ही यूआईटी द्वारा 7 करोड़ रूपए की लागत से सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया जाएगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष का भव्य स्वागत

टोंक। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान का जिला कार्यकारिणी गठन के बाद भाजपा जनसुनवाई कार्यालय पर जिला पदाधिकारियों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि अपने कार्यकाल में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन को नई ऊंचाई पर लेकर जाना है।

- भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि अपने कार्यकाल में कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर संगठन को नई ऊंचाई पर लेकर जाना है

जिलाध्यक्ष चौहान ने जिला पदाधिकारीयो से कहा कि पार्टी की नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करें, उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और पार्टी के कार्यकर्ताओं के हित में काम करने का वचन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य सरकार बेहतरीन कार्य कर रही है, भाजपा एक ऐसी पार्टी है, जो छोटे से छोटे कार्यकर्ता को भी बड़ा पद और सम्मान देती है। उन्होंने कहा, भाजपा में मेहनत और लगन का फल हर कार्यकर्ता को मिलता है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित कार्यक्रम मन की बात के तहत देश को संबोधित किया, जिसे भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यालय पर सुना तथा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर और देश की प्रगति में शामिल होने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, जिला उपाध्यक्ष शैलेन्द्र चौधरी, राजेश शर्मा, बबलू टैंकर, प्रधान काबरा, ममता जाट, रामचंद्र गुर्जर, राजेन्द्र सिंह राणावत, रमाकांत शर्मा, जिला कार्यालय प्रभारी ओमप्रकाश पांडे, जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र सिरोठा, जिला मंत्री नीलिमा आमेरा, बीना छामुनिया, हरिराम यादव, शीला मीणा, शकुंतला वर्मा, तरुण टिक्किवाल, मीडिया प्रभारी कमलेश यादव, सोशल मीडिया प्रभारी गणेश सैनी, प्रवक्ता रत्तीराम पहाड़िया, जुली शर्मा, शिव सिंह मीणा, योगेंद्र सिंह नाथावत, सह कार्यालय प्रभारी शम्भू शर्मा,सह कोषाध्यक्ष मोनिका जैन, सह सोशल मीडिया प्रभारी बलवंत मराठा, सह मीडिया प्रभारी हेमंत सैनी, सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

किसान पर कुल्हाड़ी व धारदार हथियार से वार

पावटा। घर पर फूल लगाते हुए ग्राम पंचायत वीटी नगर निवासी सुभाष बाज्या को गांव के ही कुछ लोगों ने कुल्हाड़ी व धारदार हथियार एवं डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए उपजिला अस्पताल पावटा में दाखिल करवाया गया है। प्रागपुरा थाना पुलिस ने परिजनों के बयान पर नौ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस को दिए बयान में पीड़ित परिजनों ने बताया कि वह अपने खेतों में फूलों का काम कर रहे थे । इसी दौरान गांव के ही रामस्वरूप बाज्या, हरिसिंह बाज्या, अनिल बाज्या, हंसा देवी, मनफूल देवी, रेखा, रिंकू, रवीना, मोहित धारदार हथियार व डंडों से लेस होकर आए व उन्होंने घर बैठे सुभाष बाज्या व रीतू देवी के साथ मारपीट शुरू कर दी। अनिल और हरिसिंह ने सुभाष बाज्या पर कुल्हाड़ी से वार किया तो रेखा कुशये से वार किया। वही रामस्वरूप बाज्या, हंसा देवी, मनफूल देवी, रिंकू, रवीना, मोहित धारदार हथियार व डंडों से मारना शुरू कर दिया। वही महिला रीतू देवी से अभद्रता की। आस पास ने चीखने चिल्लाने की आवाज पर दौड़ कर आए व बीच बचाव किया। इसी बीच आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गए। वही सुभाष बाज्या का पुत्र सूचना पर मौके पर पहुंचा व लहूलुहान हालत में सुभाष बाज्या को उपजिला अस्पताल पावटा में उपचार के लिए लेकर गया जहां चिकित्सकों ने सिर में गहरे घाव व गंभीर हालत को देखते हुए घायल को जयपुर रेफर कर दिया। वही पीड़ित परिजनों ने बताया कि प्रागपुरा थाना पुलिस को घायल की सूचना देने पर भी पुलिस घायल को देखने अस्पताल नहीं पहुंची। जांच अधिकारी पावटा चौकी प्रभारी रामजस ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित परिजनों के बयान पर गांव की रामस्वरूप बाज्या, हरिसिंह बाज्या, अनिल बाज्या, हंसा देवी, मनफूल देवी, रेखा, रिंकू, रवीना, मोहित के खिलाफ विभिन्न आईपीसी की धारा के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

घायल किसान का अस्पताल में उपचार किया।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

टोंक। जिला कांग्रेस कमेटी टोंक कार्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बेरवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से टोंक संगठन प्रभारी आमेर विधायक प्रशांत शर्मा व टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा उपस्थित रहे। बैठक में प्रशांत शर्मा ने कहा कि वर्ष 2025 कांग्रेस संगठन के लिए घोषित किया गया बूथ लेवल से लेकर राष्ट्रीय लेवल तक मजबूत किया जाएगा तथा प्रत्येक कार्यकर्ता पदाधिकारी बूथ लेवल पदाधिकारी को जिम्मेदारियां दी जाएगी। जो कांग्रेस विरोधी विचारधारा के लोग हैं, उन्हे संगठन से अलग किया जाएगा, उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर आज तक देश में जो भी विकास हुआ है वह कांग्रेस सरकारों की देन है। कांग्रेस देश की एकता अखंडता को बनाए रखने के लिए कार्य करती है, उन्होंने कहा कि आने वाले समय में प्रत्येक महीने में जिला कांग्रेस संगठन की बैठक आयोजित की जाएगी।

- बैठक में मुख्य रूप से टोंक संगठन प्रभारी आमेर विधायक प्रशांत शर्मा व टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा उपस्थित रहे

सांसद हरीश मीणा ने कार्यकर्ताओं से सम्बोधित हुए कहा कि आज के समय में कांग्रेस देश के लिए बहुत जरूरी है, आज देश में संविधान लोकतंत्र को बचाए रखने के लिए कांग्रेस का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश को बांटने का कार्य करती है, कांग्रेस ने संविधान की रक्षा के लिए कार्य किया, संविधान हमें एकता अखंडता बनाए रखने का सीख देता है। उन्होंने कहा कि देश में जातिगत जनगणना होना बहुत जरूरी है, इससे प्रत्येक व्यक्ति को उसका अधिकार मिलेगा, उसकी हिस्सेदारी मिलेगी। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि भाजपा सरकार पूंजीवाद को बढ़ावा दे रही है, चंद पूंजीपति देश की सरकार चला रहे हैं। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, के.सी. मीना, कमल बैरवा, सरपंच संघ उपाध्यक्ष हंसराज फागण, युवा कांग्रेस अध्यक्ष हंसराज गुर्जर, सेवा दल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, देहात अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, , सुशील पारीक, प्रकाश धाकड, , जय नारायण मीणा, जिला संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, सलीमुद्दीन खान, महमूद शाह, जिला सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, पूर्व जिला अध्यक्ष लक्ष्मण चौधरी गाता, कुलदीप सिंह राजावत, शैलेंद्र शर्मा, विजय बहादुर सिंह, रशीद नद्दाफी, अशोक महावर, रामलाल संडीला, शंकर कच्छावा, राहुल सैनी, आदिल निजाम, किशनलाल फागोड़ीया, सीपी श्रीवास्तव, मोहनलाल ठाकुरिया, राहुल बरसोरा, शिवजी राम मीणा, धर्मेंद्र सालोदिया, हंसराज चौधरी, आमिर फारूक, बजरंग लाल वर्मा, पार्षद विकास लोदी, अशरफ गुज, मोहम्मद कमर, इमरान पहलवान, पंकज यादव, भारत वर्मा, राम अवतार टॉक, तुलसीराम गुर्जर, युसूफ यूनिवर्सल, राजेश खटीक, रामलाल मीणा, मूलचंद बैरवा, शिवराज बैरवा, इंदिरा मेहता, महेंद्र बेरवा, आबिद मेवाती, पूर्व पार्षद शकील मियां, अरशद चिश्ती, जावेद चिश्ती, इम्तियाज खान, नंदकिशोर मीणा, चंद्र प्रकाश मीणा आदि के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

एक ही दिन में 89 बदमाश पकड़े

भरतपुर (निस)। भरतपुर पुलिस ने जिलेभर में डोमिनेशन एरिया अभियान चलाया। जिससे अपराधियों में हड़कंप मच गया। एक दिन के अभियान में 89 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की 68 टीमों ने 230 जगह दबिश दी। इन 68 टीमों में 272 पुलिस अधिकारी और जवान शामिल रहे। एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि 1 दिन के अभियान में 89 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इस अभियान के लिए पुलिस की विशेष टीमों का गठन किया गया था। 53 ऐसे बदमाशों को गिरफ्तार किया गया था जो, हार्डकोर, हिस्ट्रीशीटर, आदतन अपराधी, इनामी, वारंटी, महिला अत्याचार सहित अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे थे। अवैध शराब के मामले में 12 मामले दर्ज कर 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से 696 देशी शराब के पव्वे, 27 लीटर हथकड़ शराब जब्त की गई। आर्म्स एक्ट में 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 1 चाकू बरामद किया गया। एनडीपीएस एक्ट में 2 किलो 906 ठााम गांजा जब्त किया गया। अलग-अलग मामलों में 12 एफआईआर दर्ज कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। शांतिभंग के आरोप में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इस अभियान को पूरा करने के लिए 68 पुलिस की टीमों का गठन किया गया था। जिसमें 272 पुलिसकर्मी शामिल किए गए थे।

41 लाख रुपए की ठगी करने का आरोपी पकड़ा

बौंली -बामनवास । भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बामनवास थाना पुलिस ने 2 करोड रुपए का लोन दिलाने का प्रलोभन देकर 41 लाख रुपए की ठगी करने के आरोपी पंकज शर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी सोनेली थाना रोल जिला नागौर को गिरफ्तार किया है। इस मामले को लेकर परिवादी मोहर सिंह मीणा निवासी रामसिंहपुरा थाना बामनवास में 2 करोड रुपए का लोन दिलाने एवं 50 सब्सिडी दिलाने का झांसा देकर 41 लाख रुपए की ठगी करने का मामला दर्ज कराया था। इस पर उदय सिंह सीओ सवाई माधोपुर, बामनवास सर्किल इंस्पेक्टर राकेश शर्मा, हैड कांस्टेबल अतर सिंह, कांस्टेबल चैन सिंह व हेमराज की विशेष टीम ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर नागौर पुलिस की सहायता लेकर आरोपी पंकज शर्मा उम्र 22 वर्ष निवासी सोनेली थाना रोल जिला नागौर को नागौर से गिरफ्तार किया है । इस मामले में तीन आरोपी गण महेंद्र जाट उम्र 20 वर्ष, रामावतार उर्फ रामसा जाट उम्र 20 वर्ष, मूलाराम भांबू उर्फ मुन्ना जाट उम्र 20 वर्ष निवासी सोनेली थाना रोल जिला नागौर को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी से ठगी के रुपए की बरामद की के प्रयास व अनुसंधान जारी है।

बच्चों को पाठ्य सामग्री बांटी

पावटा। विधायक धनकड़ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह के तहत रविवार को भाजपाइयों द्वारा बंजारा बस्ती टसकोला रोड, पावटा में बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री व फूड पैकेटो का वितरण किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्त्ता श्रीराम स्वामी, भूपेंद्र यादव, सुभाष स्वामी, अशोक यादव, कृष्ण यादव, मंजीत ठुकरान, अजय बगवाड़िया, विकास स्वामी, कमलेश स्वामी, पवन स्वामी, जितेंद्र सैनी, संजय यादव, रघु सिंह शेखावत, हरिद्वारी लाल स्वामी, सुरेंद्र स्वामी सहित भाजपाइयों ने बच्चों को पाठ्य सामठाी देकर उसे शिक्षा की अहमियत को बताते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन में शिक्षा का होना निहायत जरूरी है। शिक्षा पर जोर देकर ही आज के बच्चे को कल देश का भविष्य बनाया जा सकता है। इसलिए वे बच्चों को पाठ्य सामठाी देकर शिक्षा के प्रति प्रेरित कर रहे हैं। यह पहल समाज में शिक्षा, सेवा और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम रही। वही विराटनगर विधायक कुलदीप धनखड़ के जन्मदिवस के अवसर पर सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत ठााम भाखरी (झारोड़ी की जोहड़ी) में परिंडे लगाए गए ताकि गर्मी में पक्षियों को राहत मिल सके और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में श्रीराम धनखड़, लीलाराम, सुरेश, राजू ककोड़िया, मोहरसिंह, मुकेश, सरजीत, अशोक, अजय, अमित, कृष्ण, अभिषेक, धौलाराम सहित अनेक माताएं-बहनें उपस्थित रहीं। इस आयोजन ने सेवा, समर्पण और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया।

सडक सुदृढीकरण के लिये 10 करोड़ स्वीकृत

भरतपुर (निस)। मथुरा बाईपास से मुरवारा तक की 2 किलोमीटर लम्बी सडक के चौडाईकरण एवं सुदृढीकरण के लिये राज्य सरकार द्वारा की गई बजट घोषणा के अनुरूप 10 करोड रुपये की राशि स्वीकृत करने पर पूर्व मंत्री, भरतपुर विधायक व राष्ट्रीय लोकदल के महासचिव डॉ. सुभाष गर्ग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि सडक के चौडाईकरण व सुदृढीकरण होने से वाहनों के आवागमन में सुविधायें बढेगी और बार-बार लगने वाले जाम से निजात मिलने के साथ ही अनायास होने वाली दुर्घटनाओं पर विराम लगेगा। डॉ. गर्ग ने बताया कि मथुरा बाई पास स्थित सेवर से मुरवारा तक सडक मार्ग की चौडाई कम होने के कारण वाहन चालकों को होने वाली परेशानी तथा स्थानीय लोगों के आवागमन में दिक्कते होने के साथ ही आये दिन दुर्घटनायें होने के सम्बन्ध में विधानसभा के बजट सत्र के दौरान आठाह किया था कि इस मार्ग पर वाहनों का दबाव रहता है। जिससे बार-बार जाम जैसी स्थिति हो जाती है और लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। बडे वाहनों का आवागमन इस मार्ग पर होकर बना रहता है। इस मार्ग के आस पास कई कॉलोनियां हैं तथा ठाामीण क्षेत्र भी इस मार्ग से जुडे हुये हैं। चौबीस घण्टे मथुरा बाईपास के मुरवारा रोड पर वाहनों का दबाव होने की वजह से इस सड़क का चौडाईकरण तथा सुदृढीकरण कराने की अति आवश्यकता है। गत बजट में 2 किलोमीटर लम्बे इस मार्ग के चौडाईकरण और सुदृढीकरण की घोषणा की गई जिससे फलस्वरूप इस मार्ग के लिये राज्य सरकार द्वारा 10 करोड रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है और शीघ्र ही टेंडर प्रक्रिया शुरु हो जायेगी। मार्ग के चौडे होने से वाहनों के आवागमन में सुगमता आयेगी और जाम की समस्याओं से निजात मिलने के साथ ही होने वाली दुर्घटनाओं में भी विराम लग सकेगा।

आरक्षण की मांग को लेकर जाट समाज की हुंकार सभा

भरतपुर (निस)। केंद्र ओबीसी वर्ग में आरक्षण की मांग को लेकर जाट समाज के द्वारा जयपुर - आगरा नेशनल हाईवे स्थित डहरा मोड़ पर हुंकार सभा का आयोजन किया गया. जिसमें भरतपुर ,डीग ,धौलपुर के जाटों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल भरतपुर सांसद संजना जाटव और धौलपुर सांसद भजनलाल जाटव हुंकार सभा में शामिल हुए. नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जाटों को केंद्र के ओबीसी वर्ग में आरक्षण देने चाहिए क्योंकि इनका हक है. उन्होंने सरकार को चेताते हुए कहा कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो दिल्ली कूच किया जाएगा. बरसात ने बिगाड़ा रैली का माहौल लोग बरसात से बचने के लिए सुरक्षित स्थान तलाशते रहे।

- सरकार मांग जल्द करे पूरी नहीं तो दिल्ली कूच की चेतावनी

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल जाट समाज की हुंकार रैली में पहुंचे। जहां उन्होंने महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि भरतपुर धौलपुर और डीग जिले के जाटों को केंद्र में ओबीसी वर्ग में आरक्षण का होना जरूरी है। भरतपुर की भूमि वीरों की भूमि रही है. इतिहास महाराजा सूरजमल का है या फिर शिवाजी महाराज का.अब हर हाल में आरक्षण को लेकर के रहेंगे मैं भरतपुर धौलपुर और डीग जिले के जाटों के साथ लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हूं अब आरक्षण के लिए आरपार की लड़ाई होगी अब जाट भरतपुर के बजाए दिल्ली में कूच करेंगे.दिल्ली में केंद्र सरकार से आरक्षण की बात करेंगे राजस्थान सरकार के बजाय अब दिल्ली सरकार से वार्ता होगी भरतपुर सांसद संजना जाटव ने भी संसद में आरक्षण का मुद्दा उठाया था. लेकिन अबएसआई भर्ती रद्द करना, राजस्थान लोक सेवा आयोग (त्वैब्) का पुनर्गठन और छात्रों के हक में नीतियां के अलावा अन्य मुद्दा भरतपुर ,धौलपुर और डीग जिले के जाटों को आरक्षण की मांग का भी होगा.सरकार इनकी मांग माने नहीं तो बड़ी संख्या में युवाओं के साथ दिल्ली कूच कर प्रधानमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। भरतपुर सांसद संजना जाटव ने कहा कि मैं संसद में मुद्दा उठा चुकी हूं और जाट समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी हूं और इस मुद्दे को मैं उठाती रहूंगी जब तक कि इन्हें आरक्षण नहीं मिल जाता।

हुंकार सभा के बाद जाट आरक्षण संघर्ष समिति के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिला कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में बताया कि राजस्थान के जाटों को केंद्र में ओबीसी वर्ग में आरक्षण वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई द्वारा राजस्थान के जाटों को राज्य व केंद्र में आरक्षण दिया गया।। जबकि भरतपुर धौलपुर डीग को वंचित रखा गया.तीनों जिले के जाटों को राज्य की सेवाओं में आरक्षण मिला हुआ है जबकि केंद्र में आरक्षण नहीं है यह जाट समाज के युवाओं के साथ बड़ी विसंगति है कई बार आश्वासन दिया गया लेकिन अभी तक ओबीसी वर्ग की सूची में नहीं जोड़ा गया है। ज्ञापन में बताया कि भरतपुर डीग धौलपुर जाटों को ओबीसी आरक्षण की सूची में शामिल किया जाए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री की पहल पर सकारात्मक वार्ता दिल्ली में हुई लेकिन अभी तक मांग पूरी नहीं हुई. मुख्यमंत्री इस प्रकरण में व्यक्तिगत रूप से पहल करें तो न्याय मिलेगा ,वर्ष 2015 से 2017 के बीच विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी अभी तक नियुक्ति नहीं दी गई है।

नहर की सफाई के बाद कचरा उठाना भूला विभाग

पावटा विराटनगर अन्तर्गत पावटा कस्बे से जाने वाली नहर पर ठेकेदार द्वारा नहर की सफाई की गई नहर के सारे कूडे मलवे को सड़क पर फेंक दिया, जिससे आमजन का सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है । मालूम हो नहर विभाग द्वारा फेंके गए कूड़े और गंदगी से तमाम बीमारी फैलने का डर बना हुआ है । नहर विभाग की यह घोर लापरवाही है सरकार की स्वच्छता अभियान की नहर विभाग के ठेकेदार और जेई मिलकर पलीता लगा रहे हैं। नगरपालिका पावटा प्रागपुरा व सिंचाई विभाग के सफाई अभियान का यह हाल है कि नहर की उड़ाही के बाद निकाला गया कचरा सड़क पर ही छोड़ दिया जाता है। जो परेशानी के साथ बीमारी को निमंत्रण है। सड़क पर चलने वाले राहगीर, व्यापारी, वाहन चालक परेशान है लेकिन अफसोस की इस पर ध्यान न तो अधिकारी का जाता है और न ही जन प्रतिनिधि का। जबकि अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का इधर से आना जाना लगा रहता है। नतीजा सब भगवान भरोसे चलता है। स्लोगन दिया है स्वच्छ पावटा प्रागपुरा नगरपालिका सुंदर पावटा प्रागपुरा नगरपालिका जो सिर्फ स्लोगन बन कर रह गया है। अब देखना यह है कि आमजन को इस गंदगी से छुटकारा मिलता है या फिर कागजों में खाना पूर्ति ही रह जाएगी।

सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में सैंकड़ों प्रतिभाएं सम्मानित

निवाई। श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलोनी में स्थित सामुदायिक भवन में तनीषा सनातनी व अशोक फिटनेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में प्रथम सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह संयोजक तनीषा सनातनी ने कहा कि समाज में संस्कारित व सेवाभावी नागरिक तैयार करने के लिए ऐसे आयोजनों के साथ ही सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से प्रतिभाओं का मनोबल बढता है। उन्होंने कहा कि प्रतिभाएं हमारे देश की धरोहर है। इनका संरक्षण करना हम सब का दायित्व है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाकर उच्च शिक्षा में रुचि पैदा करना है। एडवोकेट सतवीर गुर्जर द्वारा टॉपर प्रतिभाओं के लिए विशेष पुरस्कार दिया गया। राजेश कनेसर ने बताया कि समारोह में गौ माता का पूजन भी किया गया और सभी प्रतिभाओं को गो सेवा करने के लिए प्ररित किया गया।

- प्रतिभाओं को प्रोत्साहन की आवश्यकता : तनिषा सैना
- प्रतिभाएं हमारे देश की धरोहर

निवाई में सर्व समाज प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

समारोह का संचालन प्रेम गंगाड़ा ने किया। जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीचन्द शर्मा व अशोक लांगडी ने बताया कि समरोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमाकांत शर्मा, समाजसेवी सीताराम मीणा, सेवानंद शिक्षा समिति के निदेशक रूपसिंह अधाणा, प्रमुख समाजसेवी प्रमिला खंडेलवाल व समारोह संयोजक तनीषा सनातनी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके किया। समारोह में कक्षा 10वीं, 12वीं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली करीब 150 से अधिक प्रतिभाओं को मोमेंटो, दुपट्टा व श्रीमद् भगवत गीता की पुस्तक व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में रामकल्याण चौधरी, शिवराज जाट, विष्णुदत्त शर्मा, रामावतार माली, दयाराम गुर्जर, राजवीर गुर्जर, बनवारी वर्मा, धर्मराज किवाड़ा, मनीषा राजवंशी, निकिता दाधीच, मुकेश प्रजापत, गणेश सैनी, योगेश बैरवा, रवि सैनी, गोविन्दनारायण शर्मा, शिवराज पारासर व निवाई तहसील सहित टोंक, सवाई माधोपुर, चाकसू व दौसा सहित कई जिलों के आसपास के क्षेत्रों से प्रतिभाओं का चयन किया गया और उनके साथ उनके माता-पिता का भी सम्मान किया गया।

आर्चर को इंग्लैंड की टीम में शामिल किया गया है। वह अगले दो टेस्ट में से कम से कम एक खेल सकते हैं। हालांकि, उन्होंने बर्मिंघम में पहली गेंद डालने की संभावना से भी इनकार नहीं किया। - रॉब की

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर, जोफ्रा आर्चर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ट्रेविस हेड

ट्रेविस हेड ने 1 के इतिहास में एक खास उपलब्धि हासिल की।ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। वहीं ट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए दोनों पारियों में अर्धशतकीय पारी खेली। पहली पारी में हेड ने 59 तो दूसरी पारी में 61 रन बनाए। उनकी इन पारियों की बदौलत उन्हें प्लेयरऑफ द मैच का खिताब दिया गया। हेड वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा बार (10) प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। हेड ने ये उपलब्धि महज 50 टेस्ट मैच में हासिल की है।

क्या आप जानते हैं ?... टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी जड़ने का रिकॉर्ड नेपाल केदीपेंद्र सिंह ऐरीके नाम दर्ज है। भारत की ओर से इस फॉर्मेट में सबसे कम गेंदों में फिफ्टी पूरी करने वाले प्लेयर युवराज सिंह हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और शार्दुल ठाकुर आउट!

अर्शदीप सिंह को मिल सकता है डेब्यू का मौका

नई दिल्ली, 29 जून। लीड्स टेस्ट गंवाने के बाद अब टीम इंडिया की एजबेस्टन में अग्निपरीक्षा है। दोनों टीमों के बीच 2 जुलाई से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। पहले ये साफ नहीं था कि जसप्रीत बुमराह दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में होंगे या नहीं लेकिन अब रिपोर्ट के अनुसार बुमराह दूसरे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

बुमराह के नहीं होने से टीम इंडिया की पेस अटैक दूसरे टेस्ट मैच में बेहद कमजोर लग रही है। लेकिन उनका वर्कलोड मैनेजमेंट भी जरूरी है। हालांकि, शुक्रवार को टीम इंडिया की प्रैक्टिस सेशन के दौरान देखा गया कि प्रसिद्ध कृष्णा प्रैक्टिस के लिए नेट में नहीं उतरे और टीम को फील्डिंग कोच व हेड कोच गौतम गंभीर अर्शदीप सिंह और आकाशदीप से काफी देर तक बातें करते रहे साथ ही दोनों ने जमकर प्रैक्टिस भी की। जिसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, प्रसिद्ध कृष्णा भी दूसरे मैच में नहीं खेलेंगे।

अब अगर दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा नहीं होंगे तो उनकी जगह कौन लेगा? जिस तरह की स्थिति सामने आई है उससे कहा जा रहा है कि जसप्रीत बुमराह की जगह अर्शदीप ले सकते हैं जबकि प्रसिद्ध कृष्णा की जगह आकाशदीप को मौका मिल सकता है। वहीं भारतीय प्लेइंग इलेवन में शार्दुल ठाकुर की जगह कुलदीप यादव को दी जा सकती है और कई पूर्व क्रिकेटर कुलदीप को अंतिम ग्यारह में मौका देने की बात भी कर रहे हैं।

साई-करुण को मिल सकती है जगह : वहीं इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में शायद टीम इंडिया में 3 बदलाव देखना निश्चित तौर पर मिल सकते हैं। अब बल्लेबाजी की बात करें तो यहां पारी की शुरुआत केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ही करेंगे। तीसरे नंबर पर पहले टेस्ट में खराब प्रदर्शन करने वाले साई सुदर्शन पर एक बार फिर से भरोसा जताया जा सकता है। वहीं चौथे पर कप्तान शुभमन गिल होंगे जबकि पांचवें पर उपकप्तान ऋषभ पंत होंगे।

छठे नंबर पर करुण नायर को फिर से टीम में शामिल किया जा सकेगा क्योंकि 8 साल के लंबे इंतजार के बाद उन्हें टीम में लाया गया है तो उन्हें एक और मौका दिया जाना चाहिए।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11 : केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, करुण नायर, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आकाशदीप और मोहम्मद सिराज।

शॉन विलियम्स के शतक ने जिम्बाब्वे को फॉलोऑन से बचाया

बुलावायो, 29 जून। शॉन विलियम्स (137) की शतकीय और कप्तान क्रेग एर्विन (36) रनों की संघर्षपूर्ण पारियों के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 251 रन बनाकर फॉलोऑन को टाल दिया। स्टंप के समय दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 49 रन बनाकर लिये है और पहली पारी के आधार पर उसकी बढ़त 216 रनों की हो गई है।

दक्षिण अफ्रीका ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 418 रन बनान के बाद पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने टी काइटानो (शून्य) और निक वेल्च (चार) के विकेट जल्दी ही गवां दिया। बेनेट के आउट होने के बाद टीम संकट में फंस गई, लेकिन अनुभवी खिलाड़ी शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने पारी को संभाला। इस दौरान सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को मैदान पर लगी चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर होना पड़ा है।

सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में रिटायर्ड आउट होने से पहले 28 गेंदों में 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद को हुक करने के प्रयास में हल्की चोट लगी थी और उन्हें मैदान के बाहर जाना पड़ा था।

इसके बाद शॉन विलियम्स और क्रेग एर्विन ने पारी को संभाला ने भोजनकाल तक टीम के स्कोर को दो विकेट पर 94 रन पहुंचा दिया। भोजनकाल के बाद जिम्बाब्वे का तीसर विकेट कप्तान क्रेग एर्विन (36) रन के रूप में गिरा। इसके बाद जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका।वेस्ली मधेवेरे (15) रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान शॉन विलियम्स ने एक छोर को संभालने रखा और अपना शतक पूरा किया। शॉन विलियम्स ने 164 गेंदों में 16 चौकों की मदद से (136) रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। उन्हें केशव महाराज ने आउट किया। दक्षिण अफ्रीकी ने जिम्बाब्वे की पूरी टीम को 67.4 ओवर में 251 रन के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि इस दौरान जिम्बाब्वे ने फॉलोऑन टाल दिया। विनसेंट मसेकेसा (11) रन बनाकर नाबाद रहे।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से वियान मुल्डर ने चार विकेट लिये। कोडी यूसुफ और केशव महाराज ने तीन-तीन विकेट झटके।

दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत एक बार फिर खराब रही और उसने एक रन के स्कोर पर अपना पहला विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वियान मुल्डर ने टोनी डीजॉर्जी के साथ पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने के समय दक्षिण अफ्रीका ने एक विकेट पर 49 रन बना लिये है। वियान मुल्डर (नाबाद 25) ने टोनी डीजॉर्जी (नाबाद 22) क्रीज पर मौजूद रहे। दक्षिण अफ्रीका की कुल बढ़त 216 रनों की हो गई है। जिम्बाब्वे की ओर से टी. चिवंगा ने एक विकेट लिये।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर सैमी पर लगा जुर्माना

दुबई, 29 जून। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी पर पहले टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना सैमी द्वारा दूसरे दिन के आखिर में मीडिया से बातचीत के दौरान की गई टिप्पणियों से संबंधित है। उन्होंने पूरे दिन के खेल में कई घटनाओं के संदर्भ में मैच अधिकारियों में से एक की आलोचना की थी। 41 वर्षीय सैमी को संहिता के अनुच्छेद 2.7 का उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह किसी अंतरराष्ट्रीय मैच या किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी के सहायक कर्मचारी, मैच अधिकारी या किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने वाली टीम में होने वाली घटना के संबंध में सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी से संबंधित है। सैमी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माने के साथ ही अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है। सैमी ने अपराध स्वीकार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि इस टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 159 रनों से हराया था।

बोडोलैंड की नई पहचान, खेल का मैदान : मोदी

नई दिल्ली, 29 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि जिस बोडोलैंड की पहचान कभी संघर्ष ही हुआ करती थी वह आज खेल के राष्ट्रीय मंच पर नयी पहचान के साथ खड़ा हो गया है और वहां जारी फुटबॉल टूर्नामेंट में 70 हजार से अधिक फुटबॉल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं जिससे यह आयोजन क्षेत्र नई क्रांति का सूचक बन गया है।

मोदी ने रेडियो पर प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 134वीं कड़ी में रोचक अंदाज में कहा, आप एक तस्वीर की कल्पना कीजिए। सुबह की धूप पहाड़ियों को छू रही है, धीरे-धीरे उजाला मैदानों की ओर बढ़ रहा है और उसी रोशनी के साथ बढ़ रही है फुटबॉल प्रेमियों की टोली। सीटी बजती है और कुछ ही पलों में मैदान तालियों और नारों से गूंज उठता है। हर पास, हर गोल के साथ लोगों का उत्साह बढ़ रहा है। आप सोच रहे होंगे कि ये कौन सी खूबसूरत दुनिया है। साथियों, ये तस्वीर असम के एक प्रमुख क्षेत्र बोडोलैंड की वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि जो बोडोलैंड कभी अशांत था आज अपने एक नए रूप के साथ देश के सामने खड़ा है। वहां के युवाओं में जो ऊर्जा है, जो आत्मविश्वास है वह फुटबॉल के मैदान में सबसे ज्यादा दिखता है। बोडो टेरीटोरियल क्षेत्र में, बोडोलैंड सीईएम कप का आयोजन हो रहा है। ये सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है, ये एकता और उम्मीद का उत्सव बन गया है।

मोदी ने कहा है कि हालात यह हैं कि क्षेत्र में 3700 से अधिक टीमें, करीब 70 हजार खिलाड़ी और उनमें भी बड़ी संख्या में हमारी बेटियों की भागीदारी है। ये आँकड़े बोडोलैंड में बड़े बदलाव की गाथा सुना रहे हैं। बोडोलैंड अब देश के खेल नक्शे पर अपनी चमक और बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, एक समय था जब संघर्ष ही यहाँ की पहचान थी। तब यहाँ के युवाओं के लिए रास्ते सीमित थे। लेकिन आज उनकी आँखों में नए सपने हैं और दिलों में आत्मनिर्भरता का हौंसला है। यहाँ से निकले फुटबॉल खिलाड़ी अब बड़े स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

हालीचरण नारजारी, दुर्गा बोरो, अपूर्वा नारजारी, मनबीर बसुमतारी ये सिर्फ फुटबॉल खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं ये उस नई पीढ़ी की पहचान है जिन्होंने बोडोलैंड को मैदान से राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। इनमें से कई ने सीमित संसाधनों में अभ्यास किया, कई ने कठिन परिस्थितियों में अपने रास्ते बनाए, और आज इनका नाम लेकर देश के कितने ही नन्हें बच्चे अपने सपनों की शुरुआत करते हैं।

आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा यूएस ओपन के फाइनल में

आयोवा (अमेरिका), 29 जून। भारतीय युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा ने यूएस ओपन 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए पुरुष और महिला एकल वर्ग के फाइनल में जगह बना ली। शनिवार रात एक घंटा सात मिनट तक चले मुकाबले में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 34वें स्थान पर मौजूद 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने सेमीफाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व नंबर 9 चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन को 21-23, 21-15, 21-14 से हराया। आयुष ने पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में जगह बनाई है। वह खिताबी मुकाबले में तीसरे वरीयता प्राप्त कनाडा के ब्रायन यांग से भिड़ेंगे है। वहीं महिला वर्ग में 16 वर्षीय तन्वी शर्मा ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी पोलिना बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराकर महिला एकल फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ तन्वी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

विश्व मुक्केबाजी कप में भारत के 20 एथलीट करेंगे स्पर्धा

नई दिल्ली, 29 जून। भारत का 20 सदस्यीय दल सोमवार से शुरु हो रही विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 में महिला और पुरुष वर्ग की विभिन्न भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेगा। झाकसिलिक उशकेम्पिरोव मार्शल आर्ट पैलेस में आयोजित होने वाला यह टूर्नामेंट तीन निर्धारित आयोजनों में से दूसरा है, जो मुक्केबाजों को पूरे वर्ष रैंकिंग अंक अर्जित करने में मदद करता है। कजाकिस्तान चरण चार जुलाई तक चलेगा। इसमें ओलंपियन सहित 31 देशों के 400 से अधिक मुक्केबाज पुरुष और महिला दोनों वर्गों की 10 भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत की 10 सदस्यीय महिला टीम में पेरिस 2024 ओलंपियन और कॉमनवेल्थ गेम्स की पदक विजेता जैस्मीन लैम्बोरिया के साथ-साथ टोक्यो ओलंपियन और पूर्व एशियाई चैंपियन पूजा रानी भी शामिल हैं।

इस बीच, ब्राजील मीट से पुरुष भारतीय मुक्केबाजी टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। 70 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक विजेता हितेश गुलिया, रजत पदक विजेता अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल इस टीम का नेतृत्व करेंगे।

विश्व मुक्केबाजी कप कजाकिस्तान 2025 के लिए भारतीय टीमें इस प्रकार है:-

पुरुष वर्ग:- जदुमणि सिंह मंडेंगबाम (50 किग्रा), मनीष राठौड़ (55 किग्रा), सचिन (60 किग्रा),अभिनाश जामवाल (65 किग्रा), हितेश (70 किग्रा), निखिल दुबे (75 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), जुगनू (85 किग्रा), विशाल (90 किग्रा) और नरेंद्र बेरवाल (90 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेंगे।

महिला वर्ग:- मीनाक्षी (48 किग्रा), अनामिका (51 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा),

संजू (60 किग्रा), नीरज फोगट (65 किग्रा), एस चानू (70 किग्रा), मुस्कान (75 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नूपुर (80 से अधिक किग्रा) भार वर्ग में स्पर्धा करेगी।

पुरु शर्मा ने राजस्थान विश्वविद्यालय के पंचवर्षीय विधि प्रवेश परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया

बॉक्सिंग में भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं पुरु शर्मा

जयपुर, 29 जून। राजस्थान विश्वविद्यालय के पंचवर्षीय विधि प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। 8 जून को ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा आयोजित हुई थी तत्पश्चात 13 जून से 24 जून तक अभ्यर्थियों के ग्रुप डिस्कशन और व्यक्तिगतसाक्षात्कार हुए थे, इसमें जयपुर के पुरु शर्मा ने प्रथम स्थान अर्जित किया है।

पुरु शर्मा ने 12वीं कक्षा केंद्रीय विद्यालय संख्या एक, बजाज नगर, जयपुर से उत्तीर्ण की है। पढ़ाई के साथ ही साथ वह बॉक्सिंग के भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं और स्कूल स्तर पर कई पदक जीते हैं और हाल ही में यूथ नेशनल भी खेला है।

पुरु शर्मा की मां पल्लवी शर्मा जयपुर में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर मेट्रो द्वितीय है और पिता पवन शर्मा विद्युत विभाग में सहायक निदेशक हैं। पुरु ने समय प्रबंधन रखते हुए खेल के साथ निरंतर पढ़ाई जारी रखी और पहले ही प्रयास में रुलेट में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अपनी सफलता का श्रेय पुरु ने अपने दादा-दादी, माता-पिता और चाचा को दिया है।

इंग्लैंड की महिला टीम पर धीमी ओवर गति के लिए लगा जुर्माना

नॉटिंघम, 29 जून। इंग्लैंड की महिला टीम पर भारत के खिलाफ खेले गये पहले टी-20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड को निर्धारित समय से दो ओवर कम फेंके जाने का दोषी पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के धीमी ओवर गति से संबंधि अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी करने में विफल रहने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। मैदानी अंपायर जैकलीन विलियम्स और जेम्स मिडलब्रुक, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर अन्ना हैरिस ने आरोप लगाया, जिसे इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार कर लिया। इसलिये औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं है।

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज बेनेट चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर

बुलावायो, 29 जून। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट को मैदान पर लगी चोट के कारण बुलावायो टेस्ट से बाहर होना पड़ा है। आज यहां खेले जा रहे मुकाबले में सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने आठवें ओवर में रिटायर्ड आउट होने से पहले 28 गेंदों में 19 रन बनाए। बेनेट को छठे ओवर में क्वेना मफाका की गेंद को हुक करने के प्रयास में हल्की चोट लगी थी और उन्हें मैदान के बाहर जाना पड़ा था।

नेशनल कप सीजन-5: जेजेएल टीम 9 विकेट से विजयी

मैन ऑफ़ द मैच मुकेश रहे

जयपुर, 29 जून। नारायणा क्रिकेट अकेडमी निमेडा द्वारा आयोजित नेशनल कप सीज़न-05 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच शनिवार को जयपुर स्ट्राइकर व टीम जेजेएल टीम के बीच खेला गया जिसमे जेजेएल टीम 9 विकेट से विजयी हुई, जयपुर स्ट्राइकर ने पहले खेलते हुए 20 ओवर मे 9 विकेट के नुकसान पर 122 रन बनाए जिसमे वेद ने 37 व जैक ने 31 रन बनाये व कुनाल ने 3 व मदन ने 2 विकेट लिए, जवाब मे लक्ष्य का पीछा करते हुए जेजेएल ने 12.2 ओवर मे लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमे मुकेश 64 रन व कृष्णा ने 36 रन बनाये साथ ही भूषण ने 1 विकेट लिया। इस मैच का मैन ऑफ़ द मैच मुकेश रहे। साथ ही इस टूर्नामेंट का मैन ऑफ़ द सीरीज राहुल नायक (309 रन,8 विकेट), बेस्ट बल्लेबाज मुकेश सिंह (314 रन), बेस्ट गेंदबाज अमित सनन (15 विकेट), बेस्ट फिल्डर(8 डिसमिसल) राहुल रामोला रहे। फाइनल मैच समापन समारोह के मुख्य अथिति रामकिशन बूरी (संस्थापक नारायणा ग्रुप), डी आर चौधरी (डायरेक्टर, नारायणा क्रिकेट अकेडमी) आदि मौजूद रहे।

सुक्खू ने हाफ मैराथन विजेताओं को किया सम्मानित

शिमला, 29 जून। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को प्रदेश पुलिस विभाग की ओर से रविवार को यहां 12वीं पुलिस हाफ मैराथन में विजेताओं को सम्मानित किया। इस मैराथन में पुरूष, महिला और वरिष्ठ नागरिक (75 वर्ष से अधिक) श्रेणी के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सुक्खू ने इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मादक पदार्थों के संबंधी गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों की संलिप्ता पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने नशे संबंधी गतिविधियों में शामिल 80 सरकारी कर्मचारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई अमल में लाई है। नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी मामलों में पुलिस कर्मियों की संलिप्तता भी सामने आई है और राज्य सरकार पुलिस बल में अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए पुलिस मैनुअल में संशोधन पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार निकट भविष्य में बड़े स्तर पर नशा विरोधी अभियान शुरू करने की तैयारी कर रही है। नशीले पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए पंचायत स्तर पर मैपिंग करवाई जा रही है। सरकार नशे की तस्करी पर रोक लगाने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन कर रही है जिसके लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है।

राजस्थान खेलों में नया इतिहास रचेगाः आरएसओए की वार्षिक आम सभा 20 जुलाई को जयपुर में

आरएसओए की एजीएम में होंगे बड़े फैसले : तेजस्वी गहलोत

जयपुर, 29 जून। राजस्थान के खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ (आरएसओए) की वार्षिक आम सभा (एजीएम) 20 जुलाई 2025 को शाम 6 बजे जयपुर के खासा कोठी स्थित होटल रेडिसन सिटी सेंटर में आयोजित होगी। आरएसओए के अध्यक्ष तेजस्वी सिंह गहलोत ने शनिवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि यह बैठक राज्य में खेलों के विकास और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। तेजस्वी सिंह गहलोत की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में आठ सूत्री एजेंडा पर गहन चर्चा होगी।

बैठक में पिछले एजीएम की कार्यवाही की पुष्टि, महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रिपोर्ट की स्वीकृति, वित्तीय वर्ष 2024-25 के ऑडिट खातों और बैलेंस शीट की समीक्षा, और 2025-26 के लिए बजट की मंजूरी जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल हैं। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए लेखा परीक्षक की नियुक्ति और उनके पारिश्रमिक का निर्धारण भी किया जाएगा। बैठक का एक प्रमुख हिस्सा राज्य खेल संघों और जिला ओलंपिक संघों के विकास योजनाओं पर केंद्रित होगा। विशेष रूप से, 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए 'सेफ डे मिशन' की प्रगति रिपोर्ट पर चर्चा होगी, जो खेलों में सुरक्षा और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके साथ ही, जिला ओलंपिक संघों को आरएसओए के संविधान के अनुरूप अपने संविधान को समायोजित करने, संघों की संबद्धता/असंबद्धता से जुड़े मुद्दों, और वर्तमान में न्यायालयों में चल रहे मामलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

आईओए से मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त संघों की भागीदारी

तेजस्वी सिंह गहलोत ने बताया कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघों के राज्य संघों से दो-दो प्रतिनिधि इस बैठक में हिस्सा लेंगे। वहीं, जिन खेल महासंघों की राष्ट्रीय स्तर पर आईओए से मान्यता नहीं है, उनके राज्य संघों को एक-एक प्रतिनिधि भेजने की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त, सभी जिला ओलंपिक संघों से एक-एक प्रतिनिधि को बैठक में आमंत्रित किया गया है। गैर-मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघों के राज्य संघों की मान्यता पर भी विशेष चर्चा होगी, जिससे इन संघों के भविष्य को लेकर स्पष्टता आएगी।

आरएसओए के अध्यक्ष ने जोर देकर कहा कि यह बैठक राजस्थान में खेलों के विकास और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य न केवल खेलों को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देना है, बल्कि एक पारदर्शी और समावेशी ढांचा तैयार करना भी है, जो खिलाड़ियों और खेल संगठनों के लिए लाभकारी हो। इस बैठक में जिला और राज्य स्तर पर खेल संगठनों के संचालन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए रणनीतियां तैयार की जाएंगी।

तेजस्वी सिंह गहलोत ने कहा, यह बैठक राजस्थान में खेलों के विकास के लिए एक नया अध्याय शुरू करेगी। हमारा उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अवसर प्रदान करना है, बल्कि जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को मजबूत करना भी है। इस बैठक से न केवल संगठनात्मक ढांचे को बल मिलेगा, बल्कि राजस्थान के युवा खिलाड़ियों को भी अपने सपनों को साकार करने का एक मजबूत मंच मिलेगा।

20 जुलाई की यह सभा राजस्थान के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगी, जो न केवल संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करेगी, बल्कि राज्य के खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर चमकने के लिए प्रेरित भी करेगी।

जनरल चैंपियनशीप बालक वर्ग में उदयपुर व बालिका में जयपुर को

शाहपुरा में सब जूनियर राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का समापन

शाहपुरा (भीलवाड़ा), 29 जून। शाहपुरा नगर परिषद तरणताल पर रविवार को सब जूनियर राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का समापन समारोह पूर्वक आयोजित हुआ।

राजस्थान तैराकी संघ के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास की अध्यक्षता में हुए समारोह में मुख्य अतिथि नगर परिषद सभापति रघुनंदन सोनी रहे।

प्रतियोगिता के बालक वर्ग में 39 अंक लेकर उदयपुर ने जनरल चेंपियनशीप तथा बालिका वर्ग में 33 अंक लेकर जयपुर ने जनरल चेंपियनशीप जीती। व्यक्तिगत चेंपियनशीप उदयपुर के हर्षादित्य सिंह को तथा अशिंका धाकड़ चित्तौड़गढ़ को दी गई। समापन के दिन दो नये रिकार्ड बने। प्रथम दिन भी सात नये रिकार्ड बने थे।

राजस्थान तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि बालिका वर्ग में 200 मीटर फ्री स्टाइल में चित्तौड़गढ़ की अंशिका धाकड़ ने 2.34.49 समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयपुर की अश्विका चोधरी ने दूसरा, भीलवाड़ा की आराध्या व्यास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बेक स्ट्रोक में अश्विका चोधरी जयपुर ने प्रथम, निकिता चैधरी भीलवाड़ा ने द्वितीय व जयपुर की सिद्विक्षा कावड़िया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बटर फ्लाई में अशिंका धाकड़ चित्तौड़गढ़ ने 1.24.50 का समय लेकर नया रिकार्ड बनाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। जयपुर की यशस्वी अग्रवाल ने द्वितीय व जयपुर की सिद्विक्षा कावड़िया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर व्यक्तिगत मिडले में अशिंका धाकड़ चित्तौड़गढ़ ने प्रथम, आराध्या व्यास भीलवाडा ने द्वितीय व अश्विका चोधरी जयपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 4 गुणा 50 मीटर फ्री स्टाईल रिले में जयपुर की अश्विका, यशस्वी, यशस्वी व सिद्विक्षा की टीम प्रथम, भीलवाड़ा की आराध्या, अवंतिका, निकिता व कल्पना कहार की टीम द्वितीय व कोटा की श्रावी, हीरल, तुष्टी व ग्रेस आनंद की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालक वर्ग में 200 मीटर फ्री स्टाइल में उदयपुर के हर्षादित्य सिंह, प्रतीक कुरड़िया जयपुर, भीलवाड़ा के राजवीर दहिया, 100 मीटर बटर फ्लाई में जयपुर के हर्दय भोजवानी, जयपुर के प्रतीक कुरीया, सीकर के अमन सामोता, 200 मीटर व्यक्तिगत मिडले में हर्षादित्य सिंह उदयपुर, जयपुर के प्रतीक कुरीया, सीकर के अमन सामोता, 4 गुणा 50 मीटर फ्री स्टाईल में उदयपुर, जयपुर व सीकर क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित19 वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह में राज्य में सांख्यिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए 16 अधिकारियों-कर्मचारियों को राज्य स्तरीय 'प्रोफेसर पीसी महालनोबिस सांख्यिकी पुरस्कार' से सम्मानित।

'सांख्यिकी के माध्यम से जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति संभव'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सांख्यिकी दिवस समारोह में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस को स्मरण किया

जयपुर, 29 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सांख्यिकी वो क्षेत्र है जिसके माध्यम से सरकार जनता की अपेक्षाओं-आकांक्षाओं की पूर्ति कर सकती है। जब आंकड़े सटीक होते हैं, तभी हम निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में प्रगति का निष्पक्ष मूल्यांकन कर सकते हैं और सुधार के लिए समय रहते कदम उठा सकते हैं। शर्मा रविवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जंयती के अवसर पर आयोजित 19वें राज्य स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने श्री महालनोबिस का स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय सांख्यिकी प्रणाली के मुख्य शिल्पी और सांख्यिकी विज्ञान के जनक थे। देश में सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने और नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित बनाने का उनका योगदान हमेशा याद रहेगा।

■ **मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सांख्यिकी प्रणाली को सुदृढ़ करने व नीति निर्माण को वैज्ञानिक तथ्यों एवं आंकड़ों पर आधारित करने में प्रो. महालनोबिस का योगदान हमेशा याद रहेगा।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष 19वां सांख्यिकी दिवस, 'नेशनल सैंपल सर्वे के 75 साल' थीम पर मनाया जा रहा है जिसके निष्कर्षों एवं तथ्यों ने देश में नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का मानना है कि डेटा आज केवल सूचनात्मक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संपदा है। उन्होंने कहा कि डेटा से सांख्यिकी प्रणाली को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के साथ ही दूरगामी निर्णय लेने में मदद मिल रही है। ये आंकड़े ही तेजी से विकास के प्रमुख आधार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत विश्व के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो व्यापक आंकड़े के आधार पर नीतियां एवं कार्यक्रम बनाकर उन्हें लागू करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में सांख्यिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। राज्य में 68 नवीन ब्लॉक सांख्यिकी कार्यालयों एवं 8 नए जिलों में सांख्यिकी कार्यालयों की स्थापना करने के साथ ही, सांख्यिकी कार्यालयों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने के प्रावधान भी किए हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'स्टैटिस्टिकल इयरबुक 2025' और 'राजस्थान एसडीजी स्टेटस रिपोर्ट 2025' का विमोचन और 'एसडीजी वेबसाइट 2.0' का शुभारंभ किया। साथ ही, उन्होंने राज्य में सांख्यिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए जयपुर जिला कलक्टर जितेन्द्र सोनी सहित 16 अधिकारियों-कर्मचारियों को राज्य स्तरीय 'प्रोफेसर पीसी महालनोबिस सांख्यिकी पुरस्कार' से सम्मानित किया। इस अवसर पर सांख्यिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

राजस्थान बार काउन्सिल ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

जयपुर, 29 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अधिवक्ता हमारी न्याय प्रणाली का अभिन्न अंग हैं। उनकी सेवा और समर्पण ने भारतीय न्याय व्यवस्था को नये आयाम प्रदान किए हैं। समाज के पीड़ित वर्ग को त्वरित न्याय दिलाकर अधिवक्ता राष्ट्र निर्माण में अहम योगदान दे रहे हैं। शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान बार काउन्सिल कार्यकारिणी के सदस्यों से मुलाकात की। कार्यकारिणी ने राज्य बजट 2024-25 में राजस्थान बार काउन्सिल के लिए एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इस दौरान प्रदेश में न्यायपालिका के और अधिक सुदृढ़ीकरण तथा विभिन्न विधिक मुद्दों पर चर्चा भी हुई।

■ **मुख्यमंत्री ने राज्य के बजट में बार काउन्सिल को एक बारीय सहायता के रूप में 7.50 करोड़ रूपये का प्रावधान किया था।**

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान कानूनी सुधारों को क्रियान्वित करने, विधि शिक्षा और विधिक सहायता जैसे अन्य महत्वपूर्ण सराहनीय कार्य कर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में बड़ा योगदान दे रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की अदालतों में चरणबद्ध रूप से सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

इस अवसर पर राजस्थान बार काउन्सिल के अध्यक्ष भुवनेश शर्मा सहित वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे।

रूस ने रविवार की सुबह यूक्रेन पर बड़ा हवाई हमला किया

रूस ने इस हमले में 477 ड्रोन व 60 मिसाइलें दागीं, यूक्रेन ने 249 को नष्ट करने का दावा किया

कीव, 29 जून। रूस ने रविवार तड़के यूक्रेन पर सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। कई ड्रोन और मिसाइलों की मदद से रूस ने यूक्रेन के कई क्षेत्रों को निशाना बनाने की कोशिश की। यूक्रेन ने भी इन हमलों की पुष्टि की है। रूस की तरफ से हुए इस हमले के साथ ही तीन साल से चले आ रही जंग को खत्म करने की उम्मीदें भी टूट गई हैं। बताया जा रहा है कि यूक्रेन ने भी रूस की मिसाइलें गिराई हैं।

न्यूज एजेंसी एपी ने यूक्रेन की वायु सेना के हवाले से बताया है कि रूस की तरफ से कुल 537 हवाई हथियार दागे गए थे।

इनमें 477 ड्रोन और नकली हथियार और 60 मिसाइलें शामिल हैं। यूक्रेन का दावा है कि उसने 249 को ढेर कर दिया है। वहीं 226 मिसाइलें लक्ष्य से भटक गईं शायद उन्हें इलेक्ट्रॉनिकली जाम कर दिया गया था।

■ **यूक्रेन के अनुसार, फरवरी 2022 में शुरु हुए युद्ध के बाद रूस का रविवार को यह सबसे बड़ा हवाई हमला था। इस हमले से तीन साल से चल रही जंग समाप्त होने की उम्मीदें टूट गईं।**

यूक्रेन के एयरफोर्स के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, यूरी इहनात ने न्यूज एजेंसी एपी को बताया कि फरवरी 2022 में जब से रूस ने हमला किया है उसके बाद से यह हमला देश पर सबसे बड़ा हवाई हमला था, जिसमें ड्रोन और कई तरह की मिसाइलों का प्रयोग किया गया था।

उन्होंने बताया कि हमले में रूस ने पश्चिमी यूक्रेन सहित कई क्षेत्रों को निशाना बनाया, जो फ्रंट लाइन से काफी दूर थे।

यूक्रेन की तरफ से कहा गया रूस के हमले में एक एफ-16 फाइटर जेट भी क्रैश हो गया है जो उसे उसके पश्चिमी साथियों की तरफ से मिला था। यह जेट तब क्रैश हुआ जब वह अपने लक्ष्यों को निशाना बना रहा था। क्रैश में पायलट की भी मौत हो गई है। हमले पूरे दिन जारी रहे।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिपरी भटहट का लोकार्पण और अपराह्न महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, सोनबरसा में अकादमिकभवन, ऑडिटोरियम पंचकर्म का लोकार्पण तथा गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

राष्ट्रपति इसके अलावा दोनों दिन अलग-अलग समय गोरखनाथ मंदिर जाएंगी। गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ के दर्शन.पूजन और प्रसाद ग्रहण का भी कार्यक्रम है।

देश के सबसे पुराने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फुटबॉल क्लब को दी जायेगी, साथ ही वहां पर खिलाड़ियों के लिए फुटबॉल मैदान विकसित करने समेत तमाम विकास कार्य भी जेडीए करवायेगा। जेडीए प्रशासन ने इन वादों के साथ यूनियन फुटबॉल क्लब से जमीन ले ली, और समय-समय पर भूमिगत पार्किंग के नक्शे में ही बदलाव कर दिया, जो कि अब फुटबॉल क्लब के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

फुटबॉल यूनियन क्लब के सचिव महिपाल स्वामी का कहना है कि जे.डी.ए. प्रशासन ने जो नक्शा हमें दिया था, उसके मुताबिक भूमिगत पार्किंग की निकासी न्यू गेट से अल्बर्ट हॉल की ओर जा रही सड़क पर थी। परंतु जेडीए प्रशासन ने यहां पार्किंग की निकासी के लिए जो 4 गेट बनाए हैं, उसे सड़क के बजाय क्लब की जमीन में ही खोल दिया है। इस कारण फुटबॉल ग्राउंड की पूरी लंबाई में 10 से 15 फीट की जमीन कम हो गयी है। इसके अलावा फुटबॉल ग्राउंड के दक्षिणी हिस्से में निकासी गेट बनाए हैं, इससे भी ग्राउंड के क्षेत्रफल पर प्रभाव पड़ा है।

महिपाल स्वामी का कहना है कि, करीब 150 वर्ष पुराने यूनियन फुटबॉल क्लब को जे.डी.ए. से बार-बार भिड़ना पड़ रहा है, क्योंकि अधिकारी अपने मन-मुताबिक ही नक्शे बनाकर कार्य करवा रहे हैं। क्लब को अपने ही ग्राउंड के दक्षिणी हिस्से का मालिकाना हक साबित करने के लिए कई वर्षों तक कानूनी लडाई लडनी पड़ी है, तब जाकर यह साबित हो पाया है कि यह जमीन भी क्लब की है। जबकि जेडीए ने बिना कोई नक्शा देखे और बिना मौका मुआयना किए ही यह जमीन पहले मजार की बता दी थी, बाद में उस भूमि को क्रीडा भारती को आवंटित करने का भी प्रस्ताव बना डाला था।

स्वामी का कहना है कि जेडीए प्रशासन को फुटबॉल ग्रांउड सौंपते समय यह तय हुआ था कि, भूमिगत पार्किंग बनने के बाद जेडीए जब ग्राउंड वापस सौंपेगा तो इसे हरा-भरा बनाकर देगा। साथ ही जो भी पेड़ काटे जाएंगे, उनकी जगह पर नए पेड़ भी लगाए जाएंगे। साथ ही ग्राउंड की बाउंड्रीवाल भी 25 फीट ऊंची उठाई जाएगी और तारबंदी की जायेगी। परंतु ऐसा प्रतीत हो रहा है कि फुटबॉल ग्राउंड उजाडकर रख दिया गया है।

स्वामी की मांग है कि जितनी जगह जेडीए ने सड़क बनाने के लिए ली है, परंतु लौटाई नहीं है, उसकी एवज में भी क्रीडा भारती के दक्षिणी हिस्से में क्लब के पूर्वी तरफ खाली जमीन आवंटित की जाये।

महाराष्ट्र में तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तीसरी भाषा बनाने का फैसला लिया गया था लेकिन इस पर जमकर विवाद हुआ जिसके बाद सरकार को अपना रुख नरम करना पड़ा है।

महाराष्ट्र के स्कूलों में भी इस फैसले का विरोध होने लगा था। बढ़ ते विरोध के बीच ही राज्य मंत्रिमंडल ने रविवार को त्रिभाषा नीति को लागू करने से जुड़े दो जीआर (सरकारी आदेश) वापस लेने का फैसला किया।

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिक्षाविद् नरेंद्र जाधव के नेतृत्व में एक समिति के गठन की भी घोषणा की। यह समिति भाषा नीति के आगे के रास्ते और कार्यान्वयन का सुझाव देगी।

चार धाम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है।

पांडेय ने बताया कि आगे की यात्रा को लेकर निर्णय कल मौसम की स्थिति और मार्गों की समीक्षा के पश्चात लिया जाएगा।

श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और मौसम सामान्य होने तक यात्रा स्थलों की ओर प्रस्थान न करें।

अतिवृष्टि में लापता, 9 मजदूरों में से दो के शव मिले

देहरादून, 29 जून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के तहसील बड़कोट के सिलाई बैंड के पास शनिवार रात्रि लगभग दो बजे अतिवृष्टि/भूस्खलन होने के बाद लापता हुए कुल नौ मजदूरों में से दो के शव रेस्क्यू टीमों ने खोज लिए हैं, जबकि, सात अभी भी लापता हैं।

इससे पहले कुल 20 मजदूरों को सकुशल निकाला जा चुका था। घटना स्थल पर लापता मजदूरों की खोज के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें युद्धस्तर पर सर्च एवं रेस्क्यू अभियान में जुटी हुई हैं।

जिला अधिकारी प्रशांत आर्या ने बताया कि जिस समय भूस्खलन हुआ, उस समय वहां 29 मजदूर एक निजी होटल के निर्माण कार्य के लिए मौजूद थे। इसमें 20 मजदूरों को सुरक्षित निकाल लिया गया। जबकि, दो मजदूरों के शव बरामद हुए हैं। शेष सात मजदूरों की खोज के लिए युद्धस्तर पर सर्च एवं रेस्क्यू अभियान जारी है।

जिला अधिकारी ने बताया कि जनपद में भारी बारिश के कारण यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पालीगाड़, कुथनौर एवं झज्जरगाड़ में भूस्खलन तथा वाश आउट से बाधित हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग द्वारा मार्ग को सुचारु करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। पालीगाड़, कुथनौर क्षेत्र में पांच जेसीबी मशीनें कार्यरत हैं तथा इसके अतिरिक्त पोकलेन और ट्रॉला मशीनें भी तैनात की गई हैं। जो सड़क मार्ग को सुचारू करने हेतु युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालढांग, नलुणा, डबराणी में अवरुद्ध सड़क मार्ग को यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया है।

■ **उत्तर काशी जिले में भारी वर्षा व भूस्खलन से निजी होटल के निर्माण में लगे 29 मजदूर फंस गये थे। बीस मजदूरों को उसी समय सुरक्षित निकाल लिया गया था।**

पाकिस्तान में आत्मघाती हमले में भारत का हाथ नहीं

नई दिल्ली, 29 जून। पाकिस्तान में शनिवार को एक आत्मघाती बम विस्फोट में 13 सैनिकों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इसके लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है, जिसका भारत सरकार ने जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय ने इस आरोप की निंदा करते हुए कहा, हमने पाकिस्तानी सेना का एक आधिकारिक बयान देखा है, जिसमें 28 जून (शनिवार) को वजीरिस्तान में हुए हमले के लिए भारत को दोषी ठहराया गया है। हम पाकिस्तान के इस बयान को पूरी अवमानना के साथ खारिज करते हैं। शनिवार को एक आत्मघाती हमलावर ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में एक सैन्य काफिले में विस्फोटकों से लदी गाड़ी घुसा दी। विस्फोट में 13 सैनिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। साथ ही 19 नागरिक भी घायल हुए हैं।

■ **विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के आरोप को पूरी अवमानना के साथ खारिज किया।**

जनगणना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधारित है। राज्य सरकारों और जिला प्रशासन से कहा गया है कि वे गणनाकारों की नियुक्ति और उनके कार्यों का बंटवारा जल्द करें, ताकि समय पर काम शुरू किया जा सके।

जमशेदपुर: 162 स्कूली छात्र बाढ़ में फंसे, पूरी रात स्कूल की छत पर गुज़ारी

रविवार की सुबह पुलिस ने गाँव वालों की मदद से सभी छात्रों को बचाया

जमशेदपुर (झारखंड), 29 जून। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में भारी बारिश के बाद जलमग्न हुए एक निजी आवासीय स्कूल में फंसे कम से कम 162 छात्रों को रविवार को पुलिस ने बचा लिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

भारी बारिश के कारण परिसर में पानी भर जाने के बाद शनिवार रात से ही छात्र कोवाली थाना क्षेत्र के हल्दीपोखर-कोवाली रोड पर पंडरसोली स्थित स्कूल में फंसे हुए थे।

पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने बताया, "हमें सूचना मिली कि लव कुश आवासीय विद्यालय के 162 छात्र भारी बारिश के कारण स्कूल परिसर में पानी भर जाने के कारण फंस गए हैं। चूंकि स्कूल की इमारत पानी में डूब गई थी, इसलिए शिक्षकों ने सभी छात्रों को छत पर भेज दिया, जहां उन्होंने रात बिताई। आज सुबह करीब 5.30 बजे सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और ग्रामीणों की मदद से एक-एक करके छात्रों का रैस्क्यू किया।" उन्होंने कहा कि बचाव अभियान के लिए नावों का इस्तेमाल किया गया और एनडीआरएफ की मदद ली गई। हालांकि, पुलिस टीम ने एनडीआरएफ टीम के पहुंचने से पहले छात्रों को बचा लिया।

■ **भारी वर्षा के कारण पंडरसोली स्थित लव कुश आवासीय विद्यालय की एक मंजिला इमारत पूरी तरह जलमग्न हो गई थी, शिक्षकों ने सभी 162 छात्रों को छत पर भेजा, जहाँ वे रात भर रहे।**

कोवाली थाना प्रभारी धनंजय पासवान ने कहा, "अगली सूचना तक विद्यालय को बंद कर दिया गया है।"

पूर्वी सिंहभूम और खरसावां के जिला प्रशासन ने ओडिशा के रायरंगपुर बांध से पानी छोड़े जाने के अलावा खरखाई और सुवर्णरिखा नदियों में अचानक जलस्तर बढ़ ने की संभावना के मद्देनजर अलर्ट जारी कर दिया है। पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने खरखाई और स्वर्णरिखा नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में रहने वाले लोगों से अपील की है कि वे नदियों में अचानक उफान आने पर सतर्क रहें और प्रशासन की सलाह का पालन करें।

कर्नाटक में फिर चलने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मिलकर लिया था। अगला फैसला भी वही करेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि बदलाव की चर्चा हो रही है, लेकिन इसे क्रांति कहना गलत है।

माना जाता है कि पिछले साल विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस हाईकमान ने सिद्धारमैया को सीएम और शिवकुमार को डिप्टी सीएम बनाने का फार्मूला तय किया था। उस समय ढाई-ढाई साल का पावर-शेयरिंग फॉर्मूला भी सामने आया था, हालांकि इसे कभी आधिकारिक रूप से नहीं माना गया। शिवकुमार खुद कई बार संकेत दे चुके हैं कि उनकी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा खत्म नहीं हुई है।

ट्रेन प्रस्थान से आठ घंटे पहले बनेगा आरक्षण चार्ट

नई दिल्ली, 29 जून। आए दिन टिकट आरक्षण को लेकर होने वाली जद्दोजहद से निजात दिलाने के लिए भारतीय रेलवे ने कई अहम फैसले लिए हैं। रेलवे बोर्ड ने ट्रेनों के प्रस्थान से आठ घंटे पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। इसका मतलब दोपहर 1400 (दो) बजे से पहले प्रस्थान करने वाली ट्रेनों के आरक्षण चार्ट रात 2100 (नौ) बजे से पहले ही तैयार हो जाएंगे।इससे वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों की अनिश्चितता कम होगी। यात्रियों को वेटिंग लिस्ट की स्थिति के बारे में पहले से ही जानकारी मिल जाएगी और टिकट कन्फर्म नहीं होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए अधिक समय भी मिलेगा।

रेलवे बोर्ड ने बताया कि नई यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) के माध्यम से अब प्रति मिनट 1.5 लाख से अधिक टिकट बुकिंग की जा सकेगी। इसके अलावा 1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल एप से तत्काल टिकट बुकिंग को लेकर भी बदलाव होंगे।

हल्दी के निर्यात का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर है

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निज़ामाबाद में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया

निजामाबाद (तेलंगाना), 29 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड का उद्घाटन किया।

इसे हल्दी का उत्पादन करने वाले किसानों को समर्थन और निर्यात को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर देखा जा रहा है। इस अवसर पर शाह ने बोर्ड के आधिकारिक लोगो का भी अनावरण किया, जो भारत में हल्दी की खेती के लिए कृषि नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के एक नए युग का प्रतीक है। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए हल्दी किसानों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दोहरायी और कहा कि निजामाबाद को देश की हल्दी राजधानी माना जाता है। उन्होंने कहा, मैं हल्दी बोर्ड का उद्घाटन करते हुए खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, जो भारतीय जनता पार्टी सांसदों के लगातार प्रयासों की बदौलत वास्तविकता बन पाया है। न केवल तेलंगाना को बोर्ड दिया गया, बल्कि एक तेलंगाना मूल निवासी को इसका अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया है। उन्होंने हल्दी के वैश्विक महत्व का उल्लेख करते हुए इसे एंटी-वायरल, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-कैंसर गुणों वाली 'दिव्य औषधि' बताया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य 2030 तक हल्दी के निर्यात में एक अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य को हासिल करना है। इस बोर्ड के माध्यम से हम किसानों को आधुनिक खेती तकनीकों में प्रशिक्षित करेंगे और भारती सहकारी समिति जैसी पहलों के माध्यम से उनकी आय में सुधार करने के लिए काम करेंगे। तेलंगाना के कृषि मंत्री थुम्माला नागेश्वर राव ने निजामाबाद के लिए राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री और सांसद धर्मपुरी अरविंद का आभार व्यक्त किया।

■ **अमित शाह ने हल्दी के वैश्विक महत्व का उल्लेख करते हुए इसे एंटी-वायरल, एंटी बैकटीरियल और एंटी-कैंसर गुणों वाली "दिव्य औषधि" बताया।**

बिहार विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे चिराग पासवान

राजगीर, 29 जून। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बड़ी घोषणा करते हुये आज कहा कि वह बिहार से विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे बल्कि बिहार के लिए चुनाव लड़ेंगे।

पासवान ने रविवार को नालंदा के राजगीर में आयोजित बहुजन भीम संकल्प समागम को संबोधित करते हुए कहा कि कहा, "मैं गठबंधन के तहत सभी 243 सीट के लिए चुनाव लड़ूँगा। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव मैं (चिराग पासवान) बिहार और बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट के लिए चुनाव लड़ूंगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोजपा रामविलास के रहते देश में ना तो आरक्षण समाप्त होगा ना ही संविधान। उन्होंने तेजस्वी यादव के, 20 माह बिहार की सत्ता देने की बात पर तंज कसते हुए कहा कि 20 माह में तेजस्वी यादव नौकरी के बदले जो जमीन लिए हैं वह भी लोगों को लौटा देंगे। उन्होंने कहा कि लोजपा रामविलास बिहार को विकसित राज्य की श्रेणी में लाएगी।

आप पार्टी ने विधायक कुंवर प्रताप को 5 साल के लिए निष्कासित किया

उन्होंने हाल ही अकाली नेता मजीठिया के खिलाफ चल रही विजिलैंस जाँच पर सवाल उठाये थे

चंडीगढ़ , 29 जून। पंजाब में सत्तारुढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने अमृतसर उत्तर से विधायक और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण पांच साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

यह फैसला आप पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में लिया गया, जिसमें, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर उनपर सख्त कार्रवाई की गई।

सूत्रों ने रविवार को बताया कि कुंवर विजय प्रताप ने हाल ही में शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता विक्रम मजीठिया के खिलाफ चल रही विजिलेंस जांच पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इस कार्रवाई को लेकर सार्वजनिक मंचों पर सरकार की आलोचना की थी जिसे पार्टी ने अपनी विचारधारा के खिलाफ माना।

■ **कुंवर प्रताप ने हाल ही सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा था कि मजीठिया जी ड्रग में 2022 में जेल में थे, तब मान साहब की सरकार ने पूछताछ तक नहीं की, चालान पेश नहीं किया और जमानत नहीं दी।**

कुंवर प्रताप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा था,जब 2022 में मजीठिया जी ड्रग केस में जेल में थे, तब मान साहब की सरकार ने पूछताछ तक नहीं की, चालान पेश नहीं किया और जमानत भी नहीं दी। बरगाड़ी में न्याय का अपमान करने वाले मामले में भी सरकार ने आरोपी परिवार से समझौता कर लिया।

उन्होंने कहा,मैं मजीठिया जी से हमेशा असहमत हूं और रहूंगा, लेकिन परिवार का सम्मान सभी का होता है, चाहे वह नेता हो या अभिनेता, अमीर हो या गरीब, दोस्त हो या दुश्मन। सुबह-सुबह किसी के घर पर छापा मारना नीति के खिलाफ है लगभग हर आने वाली सरकार ने अपने फायदे के लिए पुलिस और विजिलेंस का दुरुपयोग किया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908